हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

लाल किले से पीएम मोदी के 75 मिनट के संबोधन में 52 बार युवाओं का जिक्र किया

एक करोड़ युवाओं को एआई ट्रेनिंग और फ्री ऑनलाइन कोचिंग, युवा सपनों को पूरा करने 1 लाख करोड़ का फंड

कहा- हथियारबंद नक्सल खत्म अब दिमागी नक्सलियों को पहचानकर उन्हें आइसोलेट करने की जरूरत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए 75 मिनट का भाषण दिया। इससे पहले लाल किले पर पहली बार 'वंदे मातरम' गाया गया, जिसके बाद प्रधानमंत्री ने ध्वजारोहण किया।

लाल किले में वंदे मातरम का भव्य नजारा

देश को दी शक्ति की 'सप्त धारा'

ये हैं सप्त धारा

1. मैन्युफैक्चरिंग पावर (विनिर्माण): डिजाइन से लेकर उत्पादन तक पूरी वैल्यू चेन तैयार करना और भारत को ग्लोबल सप्लाई-चेन का भरोसेमंद हब बनाना।
2. कृषि और खाद्य प्रसंस्करण: केमिकल फ्री खेती, मिलेट्स (मोटे अनाज), मसालों और कृषि उत्पादों को ग्लोबल ब्रांड बनाना।
3. टेक्नोलॉजी और इनोवेशन: एआई, क्वांटम टेक, स्पेस, रोबोटिक्स और नेक्स्ट-जेन कम्युनिकेशन में भारत को लीडर बनाना।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लोगों का अभिवादन करते हुए

सीएम डॉ. यादव का लाल परेड से बड़ा ऐलान

हर साल '10 हजार युवाओं' को मिलेगी स्किल बेस्ड ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोजशाला में बनेगा सरस्वती लोक और होगी राजा भोज संस्थान की स्थापना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवाओं के लिए बड़ा ऐलान करते हुए वर्ष 2027 को युवा कल्याण को समर्पित करने की बात कही। उन्होंने डिजीटल कंटेंट क्रिएटर्स को सम्मानित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मप्र के सभी 55 जिलों को निर्यात हब बनाने की दिशा में कार्य करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास को गति देने के लिए वर्ष 2027 में भोपाल में फिर ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट आयोजित की जाएगी।

Ninh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल टेस्ट
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रेरा में अध्यक्ष सहित तीन पदों पर नियुक्तियां!

भोपाल। मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में पांच महीने से खाली पड़े अध्यक्ष पद समेत तीन महत्वपूर्ण पदों पर नई नियुक्तियां की गई हैं। इंदौर के पूर्व अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह को रेरा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पूर्व कमिश्नर संजय गुप्ता को सदस्य और रवींद्र सिंह को अपीलीय प्राधिकरण का सदस्य बनाया गया है।

एफडीए: शाहरुख, अजय और टाइगर को नोटिस

मुंबई। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आरोप है कि तीनों अभिनेताओं द्वारा किया जा रहा इलायची का विज्ञापन वास्तव में प्रतिबंधित पान मसाला का परोक्ष प्रचार करता है।

नौसैनिक समेत परिवार के 4 लोगों के शव मिले

मुंबई। मुंबई के अति-सुरक्षित नेवी नगर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां नौसैनिक, उनकी पत्नी और दो मासूम बच्चों (3 साल और 2 महीने के शिशु) के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। आशंका जताई जा रही है कि नौसैनिक ने खुद फांसी लगाकर जान दी है, जबकि पत्नी और दोनों बच्चों की मौत जहर खाने के कारण हुई है।

15 अगस्त पर वंदे मातरम के कथित अपमान पर गरमाई राजनीति

शाह बोले- महापाप हुआ, सोनिया के खिलाफ मंगलुरु में थाने पहुंची भाजपा

आरोप है कि कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। चालू गान में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को गान रोकने का कहा था

अमित शाह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब एक बड़े सियासी संग्राम में बदल गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और सोनिया गांधी पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का घोर अपमान करने का आरोप लगाया है।

शाह ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। चालू गान के दौरान सोनिया गांधी द्वारा इसे रुकवाने का इशारा करना एक ऐसा पाप है, जिसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। शाह ने मांग की कि कांग्रेस को बंकिमचंद्र चटर्जी की आत्मा और 140 करोड़ देशवासियों से दोनों हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए।

शाह: कांग्रेस को बंकिमचंद्र की आत्मा और देशवासियों से हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए

खरगे और सोनिया गांधी

- कांग्रेस का पलटवार- कहा, असली मुद्दों से ध्यान भटका रही भाजपा, तिल का ताड़ बना रही
- कहा - खरगे की तबीयत खराब थी, वे गिर न पड़े, इसलिए कुर्सी लाने के लिए कहा गया था
- राष्ट्रगीत के पूर्ण संस्करण के गायन को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया गया

सोनिया के खिलाफ भाजपा नेता ने पुलिस को दी शिकायत

सोनिया गांधी के खिलाफ कर्नाटक में स्थित मंगलुरु के उरवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दी गई है। भाजपा नेता विकास पुत्तूर कार्यकर्ताओं के साथ उरवा पुलिस स्टेशन पहुंचे और उन्होंने पुलिस को शिकायत सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 अगस्त को दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित ध्वजारोहण समारोह का प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी मौजूद थीं। सोनिया गांधी ने 'वंदे मातरम' को बीच में ही रोकने के लिए कहा था।

सीएम डॉ. यादव बोले

देश से माफी मांगें सोनिया और राहुल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'आनंद मठ' से लोकप्रिय हुआ यह अमर गीत भारत की स्वाधीनता की आत्मा है, जिसे गाते हुए अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण न्योछावर किए थे। एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी ने लाल किले से इसके पूर्ण संस्करण का गायन कराया, वहीं कांग्रेस नेताओं ने इस पर आपत्ति जताकर अनादर किया।

बंकिमचंद्र के वंशज बोले बिना शर्त माफी मांगें

कोलकाता। बंगाल के नैहाटी से भाजपा विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने वंदेमातरम के अपमान पर सोनिया गांधी से बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। चटर्जी ने सोनिया गांधी के नाम एक लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने खुद को आम नागरिक, देशभक्त और बंकिमचंद्र का सीधा वंशज बताया।

यह सिर्फ ध्यान भटकाने का पैंतरा: वेणुगोपाल

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा वंदे मातरम के मुद्दे के जरिए असली सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी दफ्तर में पूरा गीत गाया जाना केवल बातचीत और तालमेल की बात थी, कोई विवाद का विषय नहीं। वेणुगोपाल ने अरुणाचल प्रदेश का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अगर देश के सम्मान की बात हो रही है तो पहले वहां की जमीन वापस लेने की बात होनी चाहिए।

राजधानी का भारत भवन रोड, शाम 5 बजे बारिश का दृश्य

सभी बांधों का जलस्तर बढ़ रहा

12 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट, अभी भी प्रदेश में 11 फीसदी कम

पिछले 24 घंटे में उमरिया में सर्वाधिक बारिश 205.2 मिमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी बारिश का दौर एक सप्ताह से जारी है। इस बीच कई जिलों में अति भारी और भारी बारिश से जल स्त्रोतों का जल स्तर बढ़ा है। मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार तक सतना, रायसेन, सीधी, रीवा, शहडोल, डिंडोरी, कटनी, नरसिंहपुर, मंडला, बालाघाट, सागर, छतरपुर, मैहर में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट है। रविवार तक प्रदेश में औसत से कुल 11 फीसदी कम बारिश हुई है। अब तक पूर्वी मप्र में सामान्य से औसतन 17 और पश्चिमी हिस्से में 6 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है।

चंबल नदी में बंद हुआ 100 से अधिक यात्रियों से भरा स्टीमर

मुरैना। रविवार सुबह चंबल नदी के बीचों-बीच एक बड़ा हादसा होने से टल गया। नगरा घाट से उत्तर प्रदेश के तेजरा घाट जा रहा एक स्टीमर तकनीकी खराबी के कारण अचानक बंद हो गया। स्टीमर में 100 से ज्यादा यात्री और करीब 50 बाइक सवार मौजूद थे। इंजन बंद होते ही उफनती नदी के तेज बहाव में स्टीमर बहने लगा और यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

- 10 किमी दूर बहा बड़ा हादसा टला

माधव टाइगर रिजर्व से खुशखबर

शिवपुरी:बाघिन एमटी-4 ने दिया शावकों को जन्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

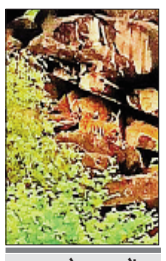

- अपने शावकों के साथ नजर आई बाघिन

माधव टाइगर रिजर्व से प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए बेहद खुशखबरी सामने आई है। रिजर्व में बाघों का कुनबा बढ़ाते हुए बाघिन एमटी-4 ने नए शावकों को जन्म दिया है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर बाघिन को अपने नवजात शावकों के साथ देखा गया, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं।

5.5 करोड़ की लूट का पर्दाफाश

4.16 किलो सोना और 4.4 किलो चांदी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतलाम

- सीसीटीवी, साइबर सेल की मदद से धरे गए 6 आरोपी

रतलाम पुलिस ने थाना बिलपांक क्षेत्र में सराफा व्यापारी के साथ हुई करोड़ों की लूट का महज 48 घंटे में सफल खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटा गया शत-प्रतिशत सामान बरामद कर लिया है। बरामद सोने और चांदी के जेवरातों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 5.5 करोड़ बताई जा रही है।

जमीनी विवाद में एएसआई ने चलाई गोली

1 की मौत और 2 घायल पुलिसकर्मी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़

- शाजापुर में पदस्थ है मुख्य आरोपी

जिले के तलेन थाना क्षेत्र की इकलेरा ग्राम पंचायत में रविवार को सरकारी जमीन के पट्टे को लेकर दो पक्षों के बीच सालों से चला आ रहा विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। कहा-सुनी के दौरान भड़की हिंसा में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर गोली चला दी, जिससे 35 वर्षीय दीपक (पिता कन्हैयालाल) की मौके पर ही मौत हो गई।

आज नागपंचमी: रात 12 बजे खुले श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट

'जय श्री महाकाल' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, नागपंचमी पर बना दुर्लभ संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित प्रसिद्ध एवं रहस्यमयी श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट रविवार मध्य रात्रि (रात 12 बजे) पूरे विधि-विधान और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ खोल दिए गए। साल में केवल एक बार 24 घंटे के लिए खुलने वाले इस ऐतिहासिक मंदिर के दुर्लभ दर्शन के लिए देर रात से ही महाकाल परिसर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

नेवल आर्मामेंट इंस्पेक्टर्स ने आयोजित किया समारोह

देश के 'सबसे उम्रदराज' नौसेना पेंशनरों में शामिल एक्सबी डेविड का जबलपुर में किया विशेष सम्मान

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की ओर से भेजा गया प्रशस्ति पत्र व विशेष कैप सौंपी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

भारतीय नौसेना में वर्ष 1948 में अपनी सेवाएं शुरू करने वाले एक्स.बी. डेविड के लिए यह एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण रहा, जब उन्हें देश के सबसे उम्रदराज नौसेना पेंशनरों में शामिल होने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। नेवल आर्मामेंट इंस्पेक्टर्स, जबलपुर के अधिकारियों एवं स्टाफ द्वारा आयोजित इस गरिमामय समारोह में डेविड के नौसेना के प्रति दिए गए लंबे योगदान और समर्पण की सराहना की गई। डेविड वर्ष 1948 में भारतीय नौसेना में भर्ती हुए थे और 12 वर्षों की समर्पित सेवा के बाद 1960 में सेवानिवृत्त हुए। समारोह के दौरान अधिकारियों और स्टाफ ने उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की ओर से भेजा गया विशेष प्रशस्ति पत्र डेविड को सौंपा गया।

एक्सबी डेविड

स्वतंत्रता दिवस की रात 9 बजे 'डीक्लासिफाइड ऑपरेशन सिंदूर' डॉक्यूसीरीज रिलीज

पहले इस ऑपरेशन का नाम रखा गया था- ऑपरेशन ट्यूलिप गार्डन, क्योंकि हमला पहलगाम के हरे घास के मैदान पर हुआ था पर सेना प्रमुख को पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर नाम सुझाया था

पहलगाम आतंकी हमले के बाद कैसे दिया पाक को करारा जवाब भारत की सख्त नीति और रणनीतिक जवाब की ये पूरी दास्तान

- पाक व पीओजेके के कुल 32 आतंकी ठिकाने चिन्हित किए गए थे
- पर सबसे पहले 9 टारगेट तय किए गए, इनमें 7 पीओजेके में व 2 पाकिस्तान में थे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रात 9 बजे डिस्कवरी चैनल पर 'डीक्लासिफाइड: ऑपरेशन सिंदूर' नामक दो-भाग की विशेष डॉक्यूसीरीज का प्रीमियर किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने इस सीरीज में पहली बार ऑपरेशन पर बात करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की सहनशीलता और दरियादिली को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना भारत जोखिम उठाकर भी दुश्मन के घर में घुसकर करारा प्रहार कर सकता है।

7 ठिकाने नष्ट करने की जिम्मेदारी सेना को दी गई, दो ठिकाने भारतीय वायुसेना को दिए गए

इन दो ठिकानों में एक मुरीदके पाक में 30 किमी अंदर व दूसरा बहावलपुर 100 किमी अंदर था यानी घर में घुसकर मारना था

दो भागों में बनी डॉक्यूसीरीज

डॉक्यूसीरीज के पहले भाग में इंटेलिजेंस जुटाने, सर्विलांस, मॉक ड्रिल और आम नागरिकों के नुकसान को ना के बराबर करने की योजना को दिखाया गया है। दूसरे भाग में स्ट्राइक के क्षणों, थल, जल व नभ सेना के सटीक तालमेल और रियल-टाइम फैसलों को दर्शाया गया है। इसके अलावा, आर्मी प्रेस ब्रीफिंग में दो महिला अधिकारियों की मौजूदगी के ज़रिए भारत ने अपनी सामाजिक मजबूती और महिलाओं की निडरता का कड़ा संदेश दिया।

वैश्विक मंच पर पहचान बनाने की तैयारी... राज्य सरकार के प्रयास और आधुनिक तकनीक के साथ बदल रही है उद्यानिकी और पुष्प उत्पादन क्षेत्र की तस्वीर

स्वाद और गुणवत्ता के दम पर एमपी की 12 उद्यानिकी फसलों को मिला जीआई टैग

लहसुन, संतरा, टमाटर व धनिया उत्पादन में हम पूरे देश में प्रथम

भोपाल

मध्यप्रदेश ने पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक उद्यानिकी और पुष्प उत्पादन के क्षेत्र में देश में एक विशिष्ट और बेजोड़ पहचान स्थापित की है। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों और नीतिगत प्रोत्साहनों के चलते पिछले दो वर्षों में उद्यानिकी का रकबा 25 लाख हेक्टेयर से बढ़कर लगभग 29 लाख हेक्टेयर हो गया है। इस अभूतपूर्व छलांग के साथ ही कुल उद्यानिकी उत्पादन भी 389 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 438 लाख मीट्रिक टन से अधिक दर्ज किया गया है। इस सफलता को वैश्विक स्तर पर तब बड़ी मान्यता मिली, जब प्रदेश की 12 प्रमुख उद्यानिकी फसलों को एक साथ प्रतिष्ठित जीआई टैग प्राप्त हुआ।

एमपी अग्री संतरा, टमाटर, धनिया और लहसुन के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। इसके अतिरिक्त, सीताफल, बंदगोभी, प्याज और हरी मटर के उत्पादन में दूसरे व नींबू, पत्तागोभी, लाल मिर्च एवं खरबूजा के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।

फ्लोरीकल्चर में भी मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर

फूलों की खेती (फ्लोरीकल्चर) में भी राज्य ने देश में दूसरा स्थान हासिल किया है, जहां करीब 45 हजार हेक्टेयर भूमि पर गुलाब, जरबेरा, गेंदा, सेवंती, रजनीगंधा और ग्लेडियोलस जैसे व्यावसायिक फूलों की खेती की जा रही है। इंदौर, रतलाम, उज्जैन, सतना, छिंदवाड़ा, गुना और जबलपुर पुष्प उत्पादन के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं।

अब हॉर्टीकल्चर का रकबा भी 30 लाख हेक्टयर पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

सरकार ने आगामी वर्षों में उद्यानिकी के रकबे को 30 लाख हेक्टेयर और कुल उत्पादन को 490 लाख मीट्रिक टन तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए इजरायल के तकनीकी सहयोग से फूलों की खेती को बढ़ावा देने हेतु एक अत्याधुनिक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया जा रहा है। साथ ही, फलों और सब्जियों के स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन के लिए प्रदेश में लगभग 10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की जा रही है, जिससे 1 लाख से अधिक किसानों, युवाओं और उद्यमियों को कृषि उद्यमिता का वैज्ञानिक प्रशिक्षण देकर लाभांवित किया जाएगा।

अन्नदाता की मेहनत को सम्मान... केंद्र सरकार के तय लक्ष्य से ज्यादा गेहूं खरीद कर बनाया नया रिकॉर्ड

बोनस के साथ इस बार 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद, यह बीते साल से 33% ज्यादा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दतिया के नागझिरी स्थित अडानी एग्रो साइलो उपार्जन केंद्र के औचक निरीक्षण में मंडी में लाए गेहूं का अवलोकन किया।

भोपाल

मध्यप्रदेश के परिश्रमी किसानों और सरकार की सुदृढ़ नीतियों के साझा प्रयासों से राज्य ने गेहूं खरीदी के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। खरीद सत्र के दौरान राज्य सरकार ने 40 प्रति क्विंटल बोनस के साथ 2,665 प्रति क्विंटल की प्रभावी दर से कुल 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं का रिकॉर्ड उपार्जन किया है। यह बीते वर्ष के लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से करीब 33.33 फीसदी ज्यादा है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने इस बार मध्यप्रदेश के लिए 100 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य तय किया था। इसके मुकाबले राज्य ने 104 लाख मीट्रिक टन की रिकॉर्ड खरीदी कर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा भंडार में अपना ऐतिहासिक योगदान दिया है। सरकार ने आगामी समय में गेहूं की प्रति क्विंटल कीमत को 2700 रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

किसान हित में तीन महत्वपूर्ण फैसले... जिनसे बना नया रिकॉर्ड

1. मौसम की बेरुखी से प्रभावित किसानों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए सरकार ने 50% तक खराब चमक) वाले गेहूं की भी पूरी कीमत पर खरीदी सुनिश्चित की।
2. इस वर्ष कुल 3,627 उपार्जन केंद्र बनाए गए थे, जहां किसानों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क बनाई गई।
3. गेहूं खरीद से जुड़ी हर जानकारी के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए।

लघु-सीमांत किसानों को प्राथमिकता, स्लॉट बुकिंग में दिखी संवेदनशीलता

प्रदेश के 13 लाख 46 हजार से अधिक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य और बोनस का सीधा लाभ मिला है। इसमें छोटे, लघु एवं सीमांत किसानों के हितों की रक्षा करते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कुल 34 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन का विशेष अवसर दिया गया। किसानों की व्यावहारिक सहूलियत को ध्यान में रखते हुए स्लॉट बुकिंग की तारीखों को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई तक किया गया था। साथ ही, शनिवार के दिन भी स्लॉट बुकिंग व उपार्जन जारी रखा गया।

धान उत्पादकों को ₹ 22,202 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

धान उपार्जन में भी राज्य ने नए आयाम छुए हैं। पिछले दो वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश के 14 लाख 31 हजार से अधिक धान उत्पादक किसानों से 95 लाख 27 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान का सफल उपार्जन किया गया है, जिसके एवज में 22,202 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। इसके अतिरिक्त, 'मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना' के तहत प्रदेश के समस्त धान उत्पादकों को 4,000 रुपए प्रति हेक्टेयर के मान से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है।

यहां भी हमारा दबदबा

- **मक्का उत्पादन में प्रथम:** अनाज श्रेणियों में बेहतर प्रबंधन और उन्नत बीजों के दम पर मध्यप्रदेश देश में मक्का उत्पादन में प्रथम स्थान पर बना हुआ है।
- **जैविक कपास:** पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के सफल क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश जैविक कपास के उत्पादन में भी देश में प्रथम स्थान पर है।

रानी दुर्गावती प्रोत्साहन... वैश्विक बाजारों तक पहुंच आसान

हमारे श्रीअन्न को नया जीवन, किसानों को 1000 रु. प्रति क्विंटल का बोनस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल के कुकरू में खेत में हल के साथ बुवाई की।

भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों में रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक काम कर रही है। इसमें पारंपरिक मोटे अनाजों (मिलेट्स) को वैश्विक बाजार से जोड़ा जा रहा है। इससे जनजातीय क्षेत्रों के किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। राज्य सरकार ने कोदो और कुटकी के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अलावा 1000 रुपये प्रति क्विंटल का सीधा नकद बोनस देने का क्रांतिकारी फैसला लागू किया है। खरीफ सीजन के दौरान रिकॉर्ड 15,000 मीट्रिक टन कोदो-कुटकी की खरीदी की गई है। सरकार ने बाजार में कुटकी का 3500 और कोदो का 2500 रुपये प्रति क्विंटल की रिकॉर्ड दर पर उपार्जन पक्का किया है। योजना के पहले चरण में प्रदेश के 15 प्रमुख श्रीअन्न उत्पादक जिलों के लगभग 4,000 किसानों से 3,000 मीट्रिक टन से अधिक कोदो-कुटकी की विशेष खरीदी पूरी कर ली गई है। यह वजह है कि पारंपरिक मोटे अनाजों को सुपरफूड बनाने के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च द्वारा मप्र को बेस्ट इमर्जिंग स्टेट इन मिलेट प्रमोशन का अवार्ड दिया गया है

3,941 किसानों के खातों में ₹2.84 करोड़ का बोनस ट्रांसफर

योजना के तहत त्वरित तौर पर 3,941 श्रीअन्न उत्पादक किसानों के बैंक खातों में 2 करोड़ 84 लाख रुपये की राशि सीधे बोनस के रूप में भेजी जा चुकी है। श्रीअन्न को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों के तहत ही प्रदेश की 'सिंगही कुटकी', 'नागदमन कुटकी', 'बैगानी अरहर' और 'छत्रिय धान' को प्रतिष्ठित जीआई टैग प्राप्त हुआ है।

आगामी वर्ष के लिए 40 हजार मीट्रिक टन का नया लक्ष्य

इस सफलता से उत्साहित होकर राज्य सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कोदो-कुटकी उपार्जन का लक्ष्य बढ़ाकर 40 हजार मीट्रिक टन तय किया है। सरकार के इस बड़े कदम से प्रदेश के सुदूर व जनजातीय क्षेत्रों के छोटे और सीमांत किसानों की आय में भारी वृद्धि होना पूरी तरह तय है।

मुख्यमंत्री किसान उद्यमी योजना...

एग्री-बिजनेस के लिए युवाओं को मिलेगी ₹2 करोड़ तक वित्तीय मदद

योजना का मुख्य उद्देश्य युवा जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनाना है

भोपाल

मध्यप्रदेश के ग्रामीण युवाओं और किसानों के बच्चों को कृषि क्षेत्र में ही बेहतरीन स्वरोजगार तथा नए स्टार्टअप के अवसर देने के लिए 'मुख्यमंत्री किसान उद्यमी योजना' को एक नए और प्रभावी रूप में धरातल पर उतारा गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना और युवाओं को 'जॉब सीकर' (नौकरी तलाशने वाले) के बजाय 'जॉब क्रिएटर' (रोजगार देने वाला) बनाना है। योजना के तहत पात्र युवाओं को कृषि आधारित उद्योग, एग्री-बिजनेस, कोल्ड स्टोरेज, ग्रेडिंग-पैकिंग सेंटर और बड़ी खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) इकाइयां स्थापित करने के लिए ₹2 करोड़ तक की भारी परियोजना वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा परियोजना लागत पर आकर्षक ऋण सब्सिडी और ब्याज अनुदान भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे शुरुआती लागत का आर्थिक बोझ बेहद कम हो जाता है। इस योजना के क्रियान्वयन से न केवल स्थानीय कृषि उपज का वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) हो रहा है, बल्कि सुदूर ग्रामीण अंचलों में स्थानीय युवाओं के लिए नियमित और सम्मानजनक रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं।

फसल बीमा में किसानों को राहत; बीमित राशि बढ़ी

भोपाल

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों हेतु प्रति हेक्टेयर बीमित राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। इस बार धान में 4100, मक्का में 2350 और सोयाबीन में 3910 रुपये प्रति हेक्टेयर तक बीमित राशि में इजाफा हुआ है। यदि फसल को नुकसान होता है, तो धान में 10%, मक्का में 7% और सोयाबीन में 5% तक क्लेम राशि बढ़कर मिलने की राह आसान हुई है। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई अधिसूचित है।

उदाहरण के तौर पर, शिवपुरी में धान की बीमित राशि 40,700 से बढ़कर 44,800 रुपये, छतरपुर में सोयाबीन की बीमित राशि 39,590 से बढ़कर 43,500 रुपये और बड़वानी में मक्का की राशि 31,760 से बढ़कर 34,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की गई है। इससे आनुपातिक रूप से मिलने वाली क्लेम राशि में किसानों को सीधा लाभ प्राप्त होगा।

आयातित तुअर पर मंडी टैक्स माफ, तिलहन पर भी सरकार का फोकस

दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता के मिशन पर मध्यप्रदेश, खर्च होंगे 123 करोड़ रुपए

भोपाल । देश को दाल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य में अहम योगदान देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक के लिए महत्वाकांक्षी दाल मिशन को वित्तीय मंजूरी दे दी है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य तुअर, उड़द और मसूर की खेती का रकबा बढ़ाना है। किसानों को जलवायु अनुकूल उन्नत बीज दिए जाएंगे। साथ ही, स्टोरेज के आधुनिक इंतजाम किए जाएंगे। इस योजना के लिए ₹123.82 करोड़ की कार्ययोजना को वित्तीय स्वीकृति मिली है।

बता दें कि सरकार ने आयातित तुअर दाल पर मंडी टैक्स पूरी तरह माफ कर दिया है। उड़द, चना और मसूर की शत-प्रतिशत खरीदी की जा रही है। रबी सीजन में 91 हजार से अधिक किसानों से 2.71 लाख मीट्रिक टन चना खरीदा गया है। वहीं, 76 हजार से अधिक किसानों से 1.85 लाख मीट्रिक टन मसूर का सफल उपार्जन हुआ है। इसके साथ ही उड़द की खरीदी पर ₹600 प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस भी दिया जा रहा है। इसके चलते, मध्यप्रदेश 20.4% हिस्सेदारी के साथ देश में सर्वाधिक दाल उत्पादन करने वाला अग्रणी राज्य बना हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर के मल्हारगढ़ में सिंगल क्लिक से सोयाबीन भावांतर राशि का अंतरण किया।

1.50 लाख: भावांतर योजना से सोयाबीन और सरसों के किसानों को संबल

बाजार में फसलों के दामों के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए भावांतर भुगतान योजना लागू है। इसके तहत 7.10 लाख सोयाबीन उत्पादक किसानों के बैंक खातों में ₹1,475 करोड़ ट्रांसफर किए गए हैं। अब सरसों और धान को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया गया है। योजना के तहत अब तक 1.50 लाख से अधिक सरसों उत्पादक किसान पंजीयन करा चुके हैं।

गन्ना किसानों के लिए लाभकारी मूल्य और नई शुगर फैक्ट्री की सौगात

भोपाल। केंद्र सरकार ने गन्ना उत्पादकों के हित में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसला लिया है। सरकार ने गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 355 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इस निर्णय से मध्यप्रदेश के गन्ना किसानों को सीधा और बड़ा आर्थिक लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रदेश के कोलारस में एक नई आधुनिक शुगर फैक्ट्री की स्थापना की जा रही है। इस शुगर मिल के शुरू होने के बाद क्षेत्र के गन्ना उत्पादकों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें स्थानीय स्तर पर ही एक बड़ा, व्यवस्थित और सुविधाजनक बाजार उपलब्ध होगा, जिससे परिवहन की कठिनाइयों में कमी आएगी और विपणन की प्रक्रिया भी अधिक सुगम बन सकेगी।

नवाचार से महकी खेती... पारंपरिक खेती की रूढ़ियों को तोड़कर धार जिले के दो किसानों ने पेश की कामयाबी की नई मिसाल

धार के सुखदेव ने शेडनेट हाउस में फसल उगाकर 3 महीने में कमाया 3 लाख मुनाफा, ड्रिप तकनीक से सिंचाई कर नरेंद्र को 2 लाख की लागत पर 6 लाख का फायदा

संरक्षित खेती अपनाकर सरकारी योजनाओं के सहारे मिली सफलता

भोपाल

कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों और सोच आधुनिक, तो माटी भी सोना उगलने लगती है। धार जिले के दो प्रगतिशील किसानों ने अपनी मेहनत और आधुनिक तकनीक के संगम से इस बात को सच कर दिखाया है। इन्होंने खेती को केवल आजीविका का साधन नहीं माना, बल्कि नए दौर की तकनीकों को अपनाकर मुनाफे का रास्ता तैयार किया है। इनमें से एक हैं सुखदेव और दूसरे हैं नरेंद्र...जिन्होंने पुरातन तरीके से चली आ खेती की परंपराओं को तोड़ा ही नहीं, बल्कि अपने हौसले से लाखों किसानों को नया रास्ता भी दिखाया है।

तकनीक का फायदा: संरक्षित खेती और ड्रिप इरीगेशन से पारंपरिक की तुलना में 3 से 4 गुना मुनाफा

सुखदेव की मेहनत ने लिखी कामयाबी की नई कहानी

धार जिले के निसरपुर विकासखंड के ग्राम निम्बोल निवासी सुखदेव (पिता टीकम पाटीदार) के पास 1.565 हेक्टेयर कृषि भूमि है। वे बरसों से पारंपरिक खेती कर रहे थे, जहां प्रति एकड़ बमुश्किल 50 हजार रुपये का लाभ मिल पाता था। सुखदेव ने उद्यानिकी विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना का लाभ उठाया और अपने खेत के 4000 वर्गमीटर हिस्से में एक आधुनिक शेडनेट हाउस का निर्माण करवाया। इस काम के लिए विभाग की तरफ से उन्हें 1.42 लाख रुपये का शासकीय अनुदान मिला। सुखदेव

ने इसमें खीरे की व्यावसायिक किस्म की बुवाई की। बीज, खाद, दवाई और मजदूरी को मिलाकर उनका कुल खर्च 2 लाख रुपये आया। लेकिन जब 3 महीने बाद फसल तैयार हुई, तो सुखदेव ने तमाम खर्चे काटकर मात्र 3 महीने के भीतर 3 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाया।

पानी की हर बूंद के सही उपयोग से बदली तकदीर

कामयाबी की ऐसी ही एक खूबसूरत कहानी निसरपुर के ही एक और कृषक नरेंद्र (पिता घुरजी पाटीदार) ने लिखी है। नरेंद्र के पास 2.000 हेक्टेयर का रकबा है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत अपने पूरे खेत में आधुनिक ड्रिप इरीगेशन (टपक सिंचाई) प्रणाली को स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने तरबूज की उन्नत खेती की शुरुआत की। नरेंद्र ने फसल में 2 लाख रुपये की लागत लगाई। ड्रिप तकनीक के साथ मल्चिंग शीट का उपयोग करने से खेत में पानी की एक-एक बूंद का सही उपयोग हुआ,

जिससे खाद, पानी, समय और मजदूरी की भारी बचत हुई। जब फसल बाजार में पहुंची, तो नरेंद्र को 2 लाख की लागत के मुकाबले 6 लाख रुपये की शुद्ध बचत प्राप्त हुई। नरेंद्र की यह सफलता साबित करती है कि अगर पानी का सही प्रबंधन हो तो कम लागत में भी रिकॉर्ड मुनाफा कमाया जा सकता है।

कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर और फसल बीमा में एमपी को मिले राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल | मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र के बेहतर बुनियादी ढांचे और योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर अपना लोहा मनवाया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सर्वश्रेष्ठ और विवादमुक्त क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026 में मध्यप्रदेश की एस.एल.बी.सी. को देश में प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया है। इसके साथ ही एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के सर्वश्रेष्ठ और देश में सर्वाधिक उपयोग के लिए मध्यप्रदेश को लगातार तीन वर्षों तक राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार में भी राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में मध्यप्रदेश को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित रजत पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

D-11081/26

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर रही धूम

इंडिया गेट से लेकर ताज महल तक राष्ट्रभक्ति के रंग बिखरे, देशभर में शान से लहराया तिरंगा, ऐतिहासिक इमारतें रोशनी से जगमग रहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में हुआ मुख्य आयोजन

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पूरे भारत में ऐतिहासिक स्मारक, सरकारी भवन और प्रमुख स्थल तिरंगे की रोशनी से जगमगा उठे। इंडिया गेट से लेकर ताज महल तक राष्ट्रभक्ति के रंग बिखरे नजर आए। हर राज्यों में तिरंगा शान से लहराया। मुख्यमंत्रियों ने तिरंगा फहराकर देशभक्ति का संदेश दिया। राजधानी दिल्ली में इंडिया गेट तिरंगे की रोशनी से नहाया हुआ है।

राज्यों में मुख्यमंत्रियों ने किया ध्वजारोहण

योगी ने ध्वज फहराया

राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तिरंगा फहराया। योगी ने ध्वजारोहण के बाद जनता को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। वंदे मातरम से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वहीं पश्चिम बंगाल में सीएम सुवेंदु ने ध्वजारोहण किया।

मुंबई और जम्मू-कश्मीर

मुंबई में ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और बीएमसी मुख्यालय को तिरंगे की रोशनी से सजाया गया। वाहन इन भव्य भवनों के सामने से गुजरते नजर आए। जम्मू-कश्मीर में सलाल बांध को भी तिरंगे के रंगों से रोशन किया गया।

पुरी के सैंड आर्ट ने मोहा मन

ओडिशा के पुरी बीच पर प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की थीम पर आधारित मनमोहक सैंड आर्ट बनाई। इसमें राष्ट्रीय पर्व की भव्यता और तिरंगे की शान को खूबसूरती से उकेरा।

सैनी ने दिया 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' का संदेश

प्रदेश के 23वें जिले हांसी से स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' का संदेश दिया। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड की सलामी ली और स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश की रक्षा में बलिदान देने वाले वीरों को नमन किया।

खबर संक्षेप

हिमाचल में मचाई तबाही, 118 सड़कें बंद

मंडी। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर थम नहीं ले रहा है। लगातार बारिश से पहाड़ी जिलों में सड़कें बंद होने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और पेयजल योजनाओं के प्रभावित होने का सिलसिला जारी है। 24 घंटे में प्रदेश में 118 सड़कें बंद, 19 बिजली ट्रांसफार्मर बाधित और 216 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं।

शिवसेना नेता की पिस्टल से चली गोली, 2 घायल

बाबतपुर। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन में रविवार सुबह चेकिंग के दौरान लाइसेंसी पिस्टल से अचानक गोली चल गई। गोली लगने से सुरक्षा सहायक के पद पर कार्यरत 2 कर्मी घायल हो गए। दोनों को हरहुआ स्थित न्यू लक्ष्मी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। दोनों की हालत सामान्य है।

बंगाली सिनेमा के निर्माता निर्देशक सेन की मौत

कोलकाता। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता बंगाली फिल्म निर्माता राजा सेन नहीं रहे। नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली फिल्म 'दमु' के लिए मशहूर अनुभवी बंगाली फिल्म निर्माता राजा सेन का रविवार को एक सरकारी अस्पताल में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 71 वर्ष के थे। सेन बंगाली सिनेमा जगत का बड़ा नाम थे।

हाईटेंशन तार टूटा, रिटा. फौजी की मौत, 20 झुलसे

बागड़। राजस्थान के बागड़ धाम दर्शन के लिए निकला श्रद्धालुओं का जत्था शनिवार देर रात दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। करनाल की घरौंडा की अनोखा कॉलोनी से करीब 60 महिला, पुरुष और बच्चों को लेकर जा रहे कैंटर पर हाईटेंशन बिजली की लाइन गिर गई। रिटायर्ड फौजी नरेश कुमार की मौत हो गई।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर देश ने उन्हें किया नमन

प्रधानमंत्री सहित कई मंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि अद्भुत दूरदर्शिता, असाधारण राजनेता बताया

देश के कई राज्यों में भी उनके सुशासन और जन-कल्याण को याद किया

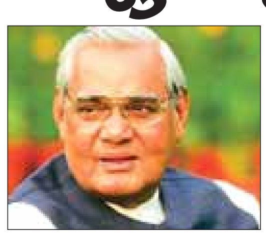

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर, उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मजबूत बनाया। सुशासन और जन-कल्याण पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। इसके साथ ही देश के कई राज्यों में अटल जी को याद किया और उन्हें नमन भी किया। उनके सामाजिक कल्याण को याद किया और उनके बताए गए रास्तों पर चलने का आह्वान भी किया।

उनके रास्तों पर चलने को कहा

प्रधानमंत्री ने कहा उनके विचार और उनकी देश के प्रति सच्ची सोच पीढ़ियों तक करेगी मार्गदर्शन

नई दिल्ली में पीएम मोदी ने श्रद्धांदलि दी

जीवन का एक-एक क्षण देश सेवा को समर्पित किया: शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि पभारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करता हूं। अटल जी एक ऐसे देशभक्त राजनेता थे, जिन्होंने अपने जीवन का एक-एक क्षण देश सेवा को समर्पित कर दिया। एक ओर उन्होंने परमाणु परीक्षण व कारगिल युद्ध में पूरी दुनिया को भारत की शक्ति से परिचित करवाया।

वाजपेयी करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत रहेंगे: गडकरी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत है। एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में विचारधारा और सिद्धांतों पर आधारित अटलजी का जीवन राष्ट्र के प्रति सदैव समर्पित रहा। आज उनके स्मृति दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि वंदन।

उनकी राजनीति का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित और जनसेवा रहा: राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया कि अटल जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि। अटल जी ने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय लोकतंत्र को समृद्ध किया। उन्होंने जीवन का एक-एक क्षण देश सेवा को समर्पित के साथ कार्य किया। उनके लिए राजनीति का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित और जनसेवा था। उनके नेतृत्व में भारत ने सामरिक शक्ति, आर्थिक विकास में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया।

राष्ट्रनिष्ठा, लोकतांत्रिक मूल्यों, अद्भुत वक्तृत्व का अनूठा संगम रहा: बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पोस्ट में कहा कि वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण नमन। अटल जी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिनके व्यक्तित्व में राष्ट्रनिष्ठा, लोकतांत्रिक मूल्यों, संवेदनशीलता और अद्भुत वक्तृत्व का अनूठा संगम था। पांच दशकों से अधिक लंबे संसदीय जीवन में वे लोक सभा के लिए दस बार और राज्य सभा के लिए दो बार निर्वाचित हुए।

खट्टर ने युग पुरुष बताया

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर लिखा कि नए भारत के स्वप्नद्रष्टा, भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, सुशासन के आदर्श प्रतिमान, मेरे जैसे असंख्य कार्यकर्ताओं के प्रेरणापुंज, पूर्व प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वे युगपुरुष थे।

विचारधारा-संस्कारों में सदैव जीवित रहेंगे: किरेन

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने एक्स पोस्ट में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। अटल जी हमारे इतिहास में, विचारधारा और संस्कारों में सदैव जीवित रहेंगे।

सुरक्षा और कूटनीति में अग्रणी रहे: जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारत की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और कूटनीति में उनके योगदान याद रहेंगे।

प्रधानमंत्री के भाषण पर विपक्ष को आपत्ति

जो नक्सली समर्थक पीएम मोदी ने उन्हें 'दिमागी नक्सल' कहा

इन्हें बताया नक्सली

1. वह लोग जो माओवाद का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को नहीं मानते।
2. वह लोग जो अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं और धारा 370 का समर्थन करते हैं।
3. वह लोग जो 'चिकन नेक' को काटकर पूर्वोत्तर के राज्यों को भारत से अलग करना चाहते हैं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश के लोगों को 'दिमागी नक्सल' लोगों से सावधान किया था। इसके बाद विपक्षी पार्टियां लगातार पीएम और सत्ता पक्ष पर 'दिमागी नक्सली' शब्द को लेकर हमलावर हो रही हैं। अब इस मामले पर सरकार की सफाई आई है। संसदीय कार्यों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को साफ किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है। इसके बाद रिजिजू ने कुछ कारणों का जिक्र किया और कहा कि जो लोग इन मुद्दों को सपोर्ट करते हैं। सरकार उन्हें दिमागी नक्सल मानती है। एक्स पर अपनी बात रखते हुए रिजिजू ने विपक्ष के तमाम नेताओं को जवाब दिया। जो पीएम मोदी की दिमागी नक्सल वाली टिप्पणी के बाद इस पर तंज कर रहे थे। प्रधानमंत्री न विपक्षी नेताओं को दिमागी नक्सल नहीं कहा है। उन्होंने केवल उन लोगों को नक्सली कहा है,जो इनका समर्थन करते हैं।

चिदंबरम बोले- मुझे गर्व है पीएम मोदी ने सावधान किया

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री ी 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में नक्सलवाद और माओवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का जिक्र करते हुए 'दिमागी नक्सलियों' को लेकर चेताया था और कहा था कि उनके वैचारिक समर्थक व्यवस्था में घुसपैठ कर नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं। चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने देश को 'दिमागी नक्सलियों' के बारे में आगाह किया था। मोदी ने आरोप लगाया था कि ऐसे लोग सिस्टम में घुसपैठ कर चुके हैं और समाज के लिए खतरा बने हुए हैं।

राहुल ने वीडियो जारी कर आंदोलन को सही बताया

22 को पुणे में करेंगे 'गूंज' कार्यक्रम

सरकार की हिंसा के खिलाफ खड़े रहने वाले युवाओं का साहस सराहनीय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने वाले भारत के युवाओं का साहस सराहनीय है। बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करने वाली छात्राओं की भी तारीफ होनी चाहिए।राहुल ने बातचीत का वीडियो भी शेयर किया। 22 अगस्त को पुणे में गूंज कार्यक्रम करेंगे।

लोकसभा में युवाओं के क्यों नहीं पूछने दिया

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संस्थापक और प्रवक्ता सौरव दास ने रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल में हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में युवाओं के विरोध प्रदर्शन से जुड़े कुछ सवाल संसद में पूछने की अनुमति नहीं दी गई।

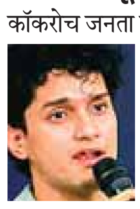

ये थे सवाल

- इन सवालों में पूछा गया था कि नीट-यूजी 2026 का आवेदन शुल्क वापस करने का क्या फैसला है?
- लोगों का सरकार पर भरोसा क्यों कम हो रहा है?
- दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे युवाओं को पीने का पानी और शौचालय जैसी जरूरी सुविधाएं क्यों नहीं दी गईं?
- छात्रों की समस्याओं, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को क्या कर रही है?

16 दिन में 29 बार भूकंप से हिली महाराष्ट्र की धरा

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक और पालघर जिलों में पिछले दो हफ्तों में लगातार आ रहे छोटे-छोटे भूकंप के झटकों ने चिंता बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही इस भूगर्भीय गतिविधि को भूकंपों का झुंड नाम दिया है।30 जुलाई से 14 अगस्त के बीच महाराष्ट्र में कम से कम 29 झटके दर्ज किए गए। इनमें से अकेले नासिक के आसपास 24 रहे।

मोर को दाना खिलाया, गाय को चारा

लाल किले पर जाने से पहले का प्रधानमंत्री का वीडियो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर अपनी दिनचर्या एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वह गायों को चारा और मोर को दाना खिलाने खिलाते हुए नजर आ रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हर सुबह अपने दोस्तों को खाना खिलाना मेरी रोज की दिनचर्या है।

छात्रों का झामुमो-कांग्रेस पर सियासी खेल का आरोप

परीक्षाओं में अनियमिता पर बवाल

20 अगस्त को सीएम आवास घेरने का ऐलान, राहुल का पुतला भी फूंकेंगे

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के नेतृत्व में चल रहा प्रदर्शन शनिवार को 22वें दिन भी जारी रहा। छात्रों ने सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और कांग्रेस पर उनके मुद्दों को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। आंदोलनकारी छात्रों ने ऐलान किया कि वे 20 अगस्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव करेंगे और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग रखेंगे। छात्रों ने रविवार को राज्य के सभी 24 जिलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले फूंकने की भी घोषणा की है।

मुख्यमंत्री दें इस्तीफा

जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। जेएमएम और कांग्रेस छात्रों के मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। छात्रों ने राहुल गांधी से भी अपील की कि यदि मुख्यमंत्री उनकी बात नहीं सुन रहे हैं तो कांग्रेस को सरकार से समर्थन वापस ले लेना चाहिए। जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं करती, आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। सीएम सोरेन इस्तीफा दें।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष की मौत

सीएम सुवेंदु ने मौत पर जताई आशंका, जांच के आदेश

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और तृणमूल कांग्रेस नेता आशीष बनर्जी रविवार को बीरभूम जिले के रामपुरहाट स्थित पार्टी कार्यालय में मृत पाए गए। आशीष की मौत पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि इस मामले की जांच की जाएगी कि क्या उन्हें किसी ने धमकी दी थी। मैंने कुछ देर पहले उनके परिवार से बात की। वे एक अच्छे राजनेता थे। उनके विधानसभा क्षेत्र से चुने गए भाजपा विधायक उनसे मिलने गए और उनके पैर छुए।

मौत के कुछ देर पहले की थी बात, वे अच्छे

कॉल रिकॉर्ड और सुसाइड नोट की होगी जांच

सुवेंदु ने कहा कि मामले में कॉल रिकॉर्ड की भी जांच की जानी चाहिए। उनके हाथ से लिखे सुसाइड नोट की भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुसाइड नोट लेटरहेड पैड पर लिखा गया है और इसकी जांच की जाएगी कि उसमें क्या लिखा है और उसके पीछे क्या कारण था। मैंने उनके परिवार से पुलिस के साथ सहयोग करने को कहा है। टीएमसी के भ्रष्ट लोग उन्हें डराने की कोशिश कर सकते हैं।

सुसाइड नोट में लिखा: भ्रष्टाचार से लेना-देना नहीं

आशीष का एक कथित सुसाइट नोट भी सामने आाया है। इसमें उन्होंने कहा कि मेरा भ्रष्टाचार से कोई लेना-देना नहीं था। फिर भी मुझे बदनाम करने के लिए ये सारे पूरी तरह से झूठे आरोप लगाए गए। मैं छात्र जीवन से ही राजनीति से जुड़ा रहा हूं।

बार-बार बदनाम किया गया झूठे आरोप लगाए गए: ममता

टीएमसी सुप्रीमो ममता बेनर्जी ने आशीष के निधन पर दुख जताया। ममता ने कहा आशीष ने जीवन का अधिकांश समय समर्पण के साथ पढ़ाने और समाज की सेवा में बिताया। वह अपने सरल स्वभाव और रामपुरहाट तथा बीरभूम के लोगों के साथ करीबी संबंधों के लिए हमेशा जाने जाते थे।अंतिम दिनों में आशीष ने जिस मानसिक और भावनात्मक दबाव का सामना किया, वह बहुत ज्यादा था। था। उन्हें बार-बार बदनाम किया गया।

सत्यमेव जयते
পশ্চিমবঙ্গ সরকার

भरोसे के 100 दिन

8 स्तंभ
विकसित
पश्चिम बंगाल
के निर्माण हेतु

पश्चिम बंगाल में नए अध्याय का
शुभारंभ

उद्योग | स्वास्थ्य | शिक्षा | सुशासन
सशक्तीकरण | सेवा | सुरक्षा | समृद्धि

100 दिन | परिवर्तन एक नज़र में

» उद्योग के 100 दिन

- ₹54,000+ करोड़ का निवेश प्रस्तावित
- ₹5,000 करोड़ के निवेश प्रोत्साहन रूपरेखा
- ₹100 करोड़ से अधिक का निवेश करने वालों के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था
- ₹100 करोड़ का स्टार्टअप फंड। नए उद्यमों व युवाओं के नये सोच को प्रोत्साहन

» स्वास्थ्य के 100 दिन

- 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा' योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का मुफ्त इलाज
- 'आयुष्मान भारत' योजना के दायरे में 1.43 करोड़ परिवार
- न्यू टाउन में निजी निवेशक समूह की पहल से 2,000 बेड वाले अत्याधुनिक अस्पताल का कार्य प्रारंभ। गरीबों के लिए 1,000 बेड आरक्षित
- उत्तर बंगाल में एम्स व अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल, सुंदरवन एवं जंगलमहल में आधुनिक राज्य सरकारी अस्पताल

» शिक्षा के 100 दिन

- मिड डे मील के बजट में वृद्धि और इस्कॉन के सहयोग से भोजन की गुणवत्ता में सुधार
- पश्चिम बंगाल के विभिन्न पुस्तकालयों की लगभग 35,000 पुस्तकें ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं
- सरकारी एवं बांग्ला माध्यम के विद्यालयों की स्थिति सुधारने हेतु ₹296 करोड़ की आर्थिक सहायता
- सरकारी विद्यालयों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन स्थापित। 10 लाख से अधिक छात्राओं को 'कन्या रत्न'

» सुशासन के 100 दिन

- 'गुंडा दमन कानून' लागू किया गया है
- 'जनता दरबार' के माध्यम से सीधे मुख्यमंत्री तक शिकायतें दर्ज हो रही है
- राज्य में 'भारतीय न्याय संहिता', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' एवं 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम' लागू
- घूस, रंगदारी (तोलाबाज़ी), अवैध टोल बूथ एवं अवैध शराब कारोबार की शिकायत हेतु टोल-फ्री हेल्पलाइन नम्बर शुरू

» सशक्तीकरण के 100 दिन

- 1.19 करोड़ अन्नपूर्णा उपभोक्ताओं के बैंक खाते में प्रतिमाह पहुँच रहे ₹3,000
- महिलाओं के लिए सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा
- युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के उद्देश्य से आगामी एक वर्ष में 1 लाख सरकारी नौकरियां देने का कार्य प्रारंभ
- सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण की घोषणा

» सेवा के 100 दिन

- आवास योजना के अंतर्गत 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रत्येक किश्त में ₹60,000 की आर्थिक सहायता प्रेषित
- माँ आहार कैंटीन में मछली-चावल की व्यवस्था
- वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों की मासिक पेंशन में ₹500 की वृद्धि
- सरकारी अस्पतालों में रोगियों के भोजन का दैनिक बजट ₹56 से बढ़ाकर ₹110 किया गया

» सुरक्षा के 100 दिन

- सीमा सुरक्षा हेतु बीएसएफ को 1,000+ एकड़ भूमि हस्तांतरित
- सड़कों पर 'दुर्गा सुरक्षा स्क्वाड' एवं 'पिंक गश्ती दल' की तैनाती
- साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम हेतु प्रत्येक थाने में 'साइबर हेल्प डेस्क'
- प्रत्येक सब-डिवीजन में महिला पुलिस स्टेशन, प्रत्येक थाने में 'महिला सहायता केंद्र'

» समृद्धि के 100 दिन

- कोलकाता में पश्चिम बंगाल का पहला 'अटल इनक्यूबेशन सेंटर' (AIC Techno) शुरू। यह केंद्र युवा उद्यमियों एवं स्टार्टअप्स के विकास हेतु कार्य करेगा
- पारदर्शी ओबीसी आरक्षण ढांचा : 17% अवैध आरक्षण को निरस्त कर 7% न्यायसंगत आरक्षण सुनिश्चित
- 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत राज्यभर में 2 करोड़+ वृक्षारोपण संपन्न
- पुरुलिया, बालूरघाट एवं मालदा में नए एयरपोर्ट तथा कल्याणी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे की पहल

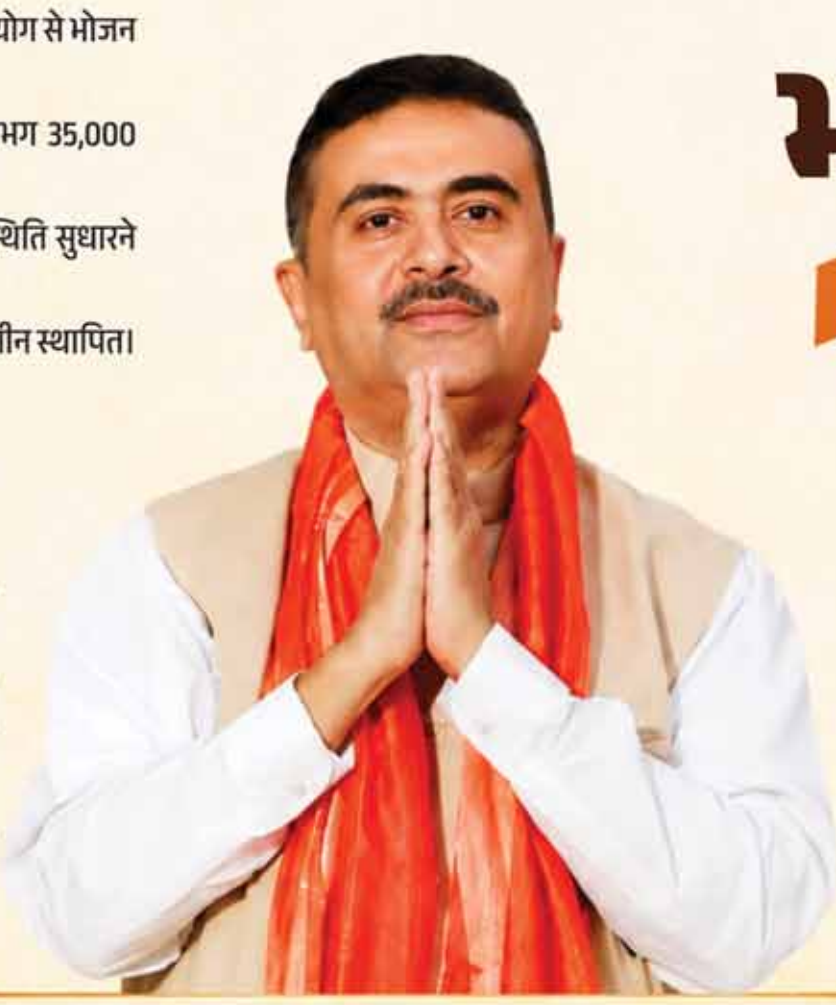

भरोसे के 100 दिन

विकास के संकल्प के साथ समृद्ध पश्चिम बंगाल के निर्माण का लक्ष्य

नई सरकार | नई दिशा | नया पश्चिम बंगाल

आज नागपंचमी, 23 वर्ष पश्चात बना ऐसा दुर्लभ संयोग, अब करना होगा 14 वर्ष का लंबा इंतजार

रविवार दोपहर 4.52 मिनट पर प्रारंभ हुई पंचमी तिथि, उदया तिथि के आधार पर पूजन आज

23 वर्ष पश्चात इस वर्ष नाग पंचमी सोमवार को मनाई जाएगी। सोमवार का दिन होने के कारण इसे सोमवती नागपंचमी कहा जाएगा। इस अद्भुत संयोग के लिए अब 14 वर्षों का इंतजार करना होगा। सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। नाग पंचमी के दिन सावन के तीसरे सोमवार का व्रत भी किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऐसा संयोग इससे पहले साल 2003 में बना था। भगवान शिव की आराधना के लिए सावन का प्रत्येक सोमवार विशेष माना जाता है, वहीं नाग पंचमी का पर्व नाग देवता की पूजा और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। एक ही दिन इन दोनों शुभ अवसरों का संयोग बनने से यह विशेष फलदायी होगा। पंचमी तिथि की शुरुआत 16 अगस्त को दोपहर 4 बजकर 52 मिनट से हो चुकी है। पंचमी तिथि का समापन सोमवार शाम 5 बजे होगा। उदया तिथि के आधार पर नाग पंचमी आज मनाई जाएगी। इस दिन शुभ योग, शुक्ल योग, रवि नामक योग भी बन रहा है। इन शुभ योग में भगवान शिव और नाग देवता की पूजा अर्चना करने से कालसर्प दोष, पितृ समेत कई दोषों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-शांति भी आती है। इन शुभ योग के साथ गुरु के उच्च राशि में होने से हंसराज योग भी बन रहा है।

... इसलिए पंचमी तिथि पर पूजन

ज्योतिष शास्त्र में हर तिथि की अधिष्ठात्री शक्ति और देवता होते हैं, इसी क्रम में पंचमी तिथि का संबंध नाग देवता से माना गया है। इसलिए सावन मास की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है। सावन भगवान शिव का प्रिय मास है और शिवजी का नागों से संबंध भी है। महादेव ने अपने गले में नागराज वासुकी को धारण किया है, वहीं भगवान विष्णु के पास शेषनाग है। पंचमी तिथि नाग देवता को समर्पित है, इसलिए सालभर की सभी पंचमी तिथि में सावन मास की पंचमी तिथि नाग पूजन के लिए सबसे उपयुक्त मानी गई है।

2 घंटे 37 मिनट का समय सर्वोत्तम

नाग पंचमी पर पूजन के लिए सबसे उत्तम मुहूर्त सुबह 5 बजकर 50 मिनट से 8 बजकर 28 मिनट तक है। नाग देवता की पूजा के लिए 2 घंटे 37 मिनट का समय मिलेगा। इस अवधि में भक्त विधि विधान के साथ नाग देवता के साथ महादेव की आराधना भी कर सकते हैं और कालसर्प दोष, पितृ दोष समेत नाग संबंधी सभी दोषों के लिए पूजा व उपाय कर सकते हैं। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त में भी पूजा करना शुभ रहेगा।

रसोई गैस पर सरकार का बड़ा फैसला

कंपनियों के लिए तय हुआ एलपीजी प्रोडक्शन कोटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में रसोई गैस यानी एलपीजी की उपलब्धता बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पहली बार देश की अलग-अलग रिफाइनरियों और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन के लक्ष्य तय किए हैं। मंत्रालय की ओर से 13 अगस्त 2026 को जारी आदेश के मुताबिक, देश की 21 रिफाइनरियों और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह वित्त वर्ष 26 के घरेलू एलपीजी उत्पादन से दोगुने से भी ज्यादा है और देश की रोजाना खपत का करीब 70 फीसदी है।

सरकार के तय लक्ष्य में रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा हिस्सा मिला है। जामनगर स्थित कंपनी की घरेलू बाजार के लिए काम करने वाली डीटीए रिफाइनरी को रोजाना 18,000 टन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। वहीं, रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की वाडीनार रिफाइनरी के लिए 4,480 टन प्रतिदिन का लक्ष्य तय किया गया है। प्राकृतिक गैस से एलपीजी निकालने वाली ओएनजीसी और गेल को मिलाकर कुल 6,460 टन प्रतिदिन का उत्पादन लक्ष्य दिया गया है।

मार्च के संकट के बाद बदली रणनीति

एलपीजी सप्लाई संकट के दौरान मार्च में सरकार ने रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली कुछ स्ट्रीम को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़ने का निर्देश दिया था। इसका उद्देश्य घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाना था। संकट के चरम पर देश में घरेलू एलपीजी उत्पादन करीब 55,000 टन प्रतिदिन तक पहुंच गया था। अब सरकार ने केवल आपात स्थिति में निर्देश जारी करने के बजाय कंपनियों की सुविधाओं के हिसाब से पहले से ही उत्पादन लक्ष्य तय कर दिए हैं। सरकार का यह कदम घरेलू एलपीजी की सप्लाई को मजबूत करने, आयात पर निर्भरता से जुड़े जोखिम को कम करने और भविष्य में सप्लाई संकट की स्थिति से निपटने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

आयात पर भारी निर्भरता बनी बड़ी वजह

सरकार के इस फैसले की प्रमुख वजह भारत की एलपीजी के लिए आयात पर भारी निर्भरता है। वित्त वर्ष 26 में देश में करीब 3.32 करोड़ टन एलपीजी की खपत हुई, यानी औसतन लगभग 91,000 टन प्रतिदिन। इस दौरान घरेलू उत्पादन करीब 1.31 करोड़ टन रहा, जबकि लगभग 2.13 करोड़ टन एलपीजी का आयात किया गया। यानी भारत अपनी एलपीजी जरूरत का 64 फीसदी से ज्यादा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है।

श्वान 'टायसन' को 'मेंशन इन डिस्पैचेस' सम्मान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में एक सैन्य अभियान के दौरान असाधारण साहस दिखाने वाले सेना के हमलावर श्वान 'टायसन' को इस साल 'मेंशन-इन-डिस्पैचेस' सम्मान के लिए चुना गया है। दो पैरा के श्वान 'टायसन' का नाम उन 75 'मेंशन-इन-डिस्पैचेस' की सूची में शामिल है, जिन्हें उन सैन्यकर्मियों के लिए मंजूरी दी गई है, जिन्होंने ऑपरेशन स्नो लेपर्ड, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन हिफाजत जैसे कई सैन्य अभियान में हिस्सा लिया था।

औषधीय फसल एवं मसाला फसल सूचना की निर्देशिका तैयार

किसानों को मिलेगी औषधीय फसलों और मंडी सुविधाओं की पूरी जानकारी: बसेड़िया

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶| भोपाल

किसानों को कृषि उपज मंडियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने और मंडी की सुविधाओं से अवगत कराने की दिशा में कृषि उपज मंडी समिति नीमच ने महत्वपूर्ण पहल की है। मंडी समिति ने किसानों के हित में नीमच मंडी में उपलब्ध उपज, सुविधाओं और मंडी प्रांगणों से संबंधित जानकारी को प्रकाशित किया जाए। सचिव उमेश बसेड़िया के अनुसार नीमच मंडी में बड़ी संख्या में औषधीय एवं मसाला फसलों की उपज आती है। इसके लिए मंडी में औषधीय फसल एवं मसाला फसल सूचना निर्देशिका भी तैयार की गई है।

इसमें इसबगोल, चना, सुआ, निर्गुंडी, असालिया, गोखरू, अश्वगंधा, गोंद, कलौंजी, करंज, चिरायता, सर्पगंधा, बेहड़ा, गेंदा, मेहंदी, नागरमोथा, आंवला, कैमोमाइल, शतावरी, करेला, बबूल फली, क्विनोआ, हरड़, अखरोट की जड़, अखरोट फूल और नींबू सहित विभिन्न फसलों का उल्लेख किया गया है। मंडी समिति के अनुसार परिसर में कई व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इनमें पीने के लिए शुद्ध शीतल जल, किसानों के लिए विश्राम गृह, उपज की तौल के लिए बड़े आधुनिक तौल कांटे तथा सीसीटीवी कैमरा सर्विलांस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। मंडी प्रांगण, बघाना-नीमच स्टेशन रोड, औषधि मंडी प्रांगण, नीमच स्टेशन रोड, नवीन (अतिरिक्त) मंडी प्रांगण, चपरा तथा उप मंडी प्रांगण, जीरन शामिल हैं। इससे किसानों और व्यापारियों को अपनी कृषि उपज के विक्रय के लिए विभिन्न मंडी परिसरों की जानकारी मिल सकेगी।

मंडी में होगी औषधीय उपज की स्थाई प्रदर्शनी

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नीमच मंडी सचिव उमेश कुमार बसेडिया शर्मा ने ध्वजारोहण किया। मंडी सचिव ने मंडी के विकास और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लेते हुए मंडी कर्मचारियों एवं संबंधित पक्षों को प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि हम्मालों द्वारा लंबे समय से की जा रही हम्माली दर में वृद्धि की मांग को मंडी समिति द्वारा भारसाधक अधिकारी की अध्यक्षता में पूरा किया गया है। सचिव ने स्पष्ट किया कि हम्माली दर में बढ़ोतरी के बाद कृषकों से किसी भी प्रकार की अतिरिक्त अथवा अवैध राशि वसूल नहीं की जाएगी। यदि ऐसी कोई शिकायत या मामला संज्ञान में आता है तो संबंधित हम्माल के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। लाइसेंस निरस्त किए जाने के बाद मंडी में प्रवेश भी प्रतिबंधित किया जा सकता है। मंडी के औषधि प्रांगण स्थित भवन में औषधीय उपज की स्थायी प्रदर्शनी स्थापित की जाएगी। इस प्रदर्शनी का संचालन व्यापारी संघ एवं औषधीय उपज व्यापारियों द्वारा किया जाएगा। सचिव ने बताया कि मंडी में व्यापारी और किसान हित में पेमेंट गेटवे की सुविधा भी जल्द लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री की पहल से प्रस्तावित इस सुविधा को मंडी बोर्ड भोपाल के प्रबंध संचालक के मार्गदर्शन में लागू किया जाएगा। इससे किसानों और व्यापारियों को त्वरित एवं कैशलेस भुगतान की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

दंपति के पास से 32 लाख के आभूषण जब्त

अहमदाबाद। शारजाह से अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचे केरल के एक दंपति से लगभग 32,37,000 रुपए मूल्य के सोने के गहने और अन्य अघोषित सामान ज़ब्त किया गया। अहमदाबाद में सीमा शुल्क विभाग की 'एयर इंटेलिजेंस यूनिट' (एआईयू) के अधिकारियों ने 'एयर अरेबिया' की उड़ान से शारजाह से आए इस जोड़े को रोका।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

रायपुर में भी लांच हुआ 10 किलो का एलपीजी सिलेंडर

अब रसोई में दिखेगी गैस की मात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मिडिल ईस्ट में तनाव और युद्ध के कारण एलपीजी सप्लाई पर असर पड़ा है। ऐसे में राहत भरी खबर आई है। विभिन्न राज्यों के साथ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 10 किलोग्राम का नया कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर लॉन्च किया गया है। यह सिलेंडर पारंपरिक लोहे के सिलेंडर के मुकाबले काफी हल्का है, क्योंकि इसे फाइबर कंपोजिट सामग्री से बनाया गया है। इस सिलेंडर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पारदर्शी है, जिससे उपभोक्ता बाहर से ही देख सकेंगे कि सिलेंडर में कितनी गैस बची है। रायपुर में 10 किलो वाला कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर (फाइबर बॉडी) लेने के लिए नए सिक्योरिटी डिपॉजिट लगभग 3,000 रुपए है। इसके रिफिल (गैस) की कीमत 715 से 730 के बीच है। पेट्रोलियम कंपनियों जैसे इंडेन और बीपीसीएल ने इस हल्के और पारदर्शी स्मार्ट सिलेंडर की शुरुआत सबसे पहले रायपुर शहर से की है। गौरतलब है कि भारत पेट्रोलियम ने हाल ही में "भारतगैस लाइट जिप" नाम से अपना 10 किलो का फाइबर सिलेंडर लॉन्च किया है, जिसमें एक्सप्रेस डिलीवरी की सुविधा दी जा रही है। इंडियन ऑयल का "इंडेन एक्स्ट्रालाइट" भी 10 किलो के वेरिएंट में उपलब्ध है।

सरकार ने 21 कंपनियों के लिए तय किए टारगेट

इधर, केंद्र सरकार ने पहली बार देश की सरकारी और प्राइवेट रिफाइनरीज व अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन के अधिकतम टारगेट तय कर दिए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी आदेश में 21 कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन की क्षमता और टारगेट निर्धारित किया है। यह लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश में हुए कुल घरेलू एलपीजी उत्पादन से दोगुने से भी अधिक है और यह देश की कुल रोजाना खपत का लगभग 70% कवर करता है। जब भी बाजार में गैस की कमी या सप्लाई बाधित होगी, यह नया नियम तुरंत लागू हो जाएगा।

कैसे ले सकते हैं सिलेंडर?

- आपको कनेक्शन लेना होगा, जिसे कंपनी की तरफ से फ्री-ट्रेड एलपीजी कैटेगरी में पेश किया गया है
- इसे सरल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के तहत तुरंत गैस कनेक्शन ले सकते हैं
- दावा ये भी है कि बुक करने के लगभग 4 घंटे के भीतर सिलिंडर की डिलीवरी हो जाएगी

क्या है खासियत

- इस सिलेंडर में 10 किलो गैस होगी और इसमें जंग लगने की दिक्कत नहीं होगी
- ये 10 किलो वाला गैस सिलेंडर फाइबर कंपोजिट तकनीक से बना है और ये हल्का एलपीजी सिलेंडर है
- सिलेंडर पारदर्शी है यानी बाहर से अंदर दिखता है जिससे आप बची हुई गैस देख पाएंगे।

नौसेना के कर्मी परिवार सहित मृत मिले

मुंबई। भारतीय नौसेना का एक नाविक, उसकी पत्नी और उसके दो बच्चे दक्षिण मुंबई के नेवी नगर इलाके में स्थित अपने आवास पर मृत मिले। नाविक का शव शनिवार रात उसके घर में फंदे से लटका मिला तथा परिसर में उसकी पत्नी और दो महीने एवं तीन वर्ष की उम्र के उसके बच्चों के शव भी मिले। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्ति ने आत्महत्या की, जबकि उसकी पत्नी और बच्चों को जहर दिया गया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है और पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि नाविक, उसकी पत्नी और दो बच्चे अपने आवास पर मृत मिले।

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की

कार्यालय नगर पालिका पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम् (म.प्र.)
Municipal Council Pipariya Distt- Narmadapuram
पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के बाजू में, तिलक वार्ड, पिपरिया फोन नं. 07576-222041 पिन-461775
EMail-cmopipariya@mpurban.gov.in
क्रमांक/न.पा./ 2026/578 — ई- निविदा आमंत्रण सूचना — पिपरिया दिनांक:- 13.08.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	निविदा क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_528897_1 NIT NO.609 DATE 11.08.2026	Provision of HSPF 2000cum at Gandhi ward	1. 180 Day 2. 380.00 लाख	1- 15000/- 2- 1.90 लाख	14-09-2026
2	2026_UAD_528904_1 NIT NO.610 DATE 11.08.2026	Provision of HSPF 2000cum at Ambedkar ward	1. 180 Day 2. 380.00 लाख	1- 15000/- 2- 1.90 लाख	14-09-2026
3	2026_UAD_528902_1 NIT NO.611 DATE 11.08.2026	Provision of HSPF 2000cum Ambedkar ward. Provision of HSPF 500cum Rajendra Ward, Provision of HSPF 500cum Tilak ward	1. 180 Day 2. 380.00 लाख	1- 15000/- 2- 1.90 लाख	14-09-2026

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पिपरिया
जिला-नर्मदापुरम् (म.प्र.)

गुमशुदा की तलाश

सतेन्द्र पालीवाल
मेरा छोटा भाई सतेन्द्र पालीवाल पिता स्व. शलिगराम पालीवाल निवासी ग्राम डुडवारा तह. व जिला नरसिंहपुर म.प्र. जो कि मानसिक रूप से कमजोर है, जो कि घर से बिना बताए दिनांक 05 अगस्त 2026 से कहीं चला गया है। जिस किसी सज्जन को कही भी दिखे तो मेरे नंबर 9407031846, 7000961501 पर सूचित करने का कष्ट करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जावेगा।
निवेदक
अनिल पालीवाल
ग्राम डुडवारा नरसिंहपुर म.प्र.
9407031846, 7000961501

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com
क्र./2479/ न.पा.नि./ लो.नि.शाखा / 2026 — बीरगांव,दिनांक 13/08/2026

:: E-Procurement Tender Notice ::
(2nd Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा नगरोत्थान योजनान्तर्गत वार्ड क्रं. 01 उरला क्षेत्र में एकीकृत विकास कार्य (नवीन सड़क एवं नाली कार्य) निविदा राशि रू. 155.75 लाख (कुल 01 कार्य) के लिए System Tender No 197406 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in pure from 15.06.2026 amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस.ओ.आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender No 197406, Bid Start Date 14.08.2026, Bid Due date. 31.08.2026, Physical Submission Last Date 03.09.2026, Open Date 03.09.2026) ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्ते, धरोहर राशि, Key Dates एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त कर ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

"जय भारत जय छत्तीसगढ़" "Say No To Plastic Bags, Save Earth" "जल है तो कल है" "Use e-mail Save Tree"

शब्द पहेली - 6319

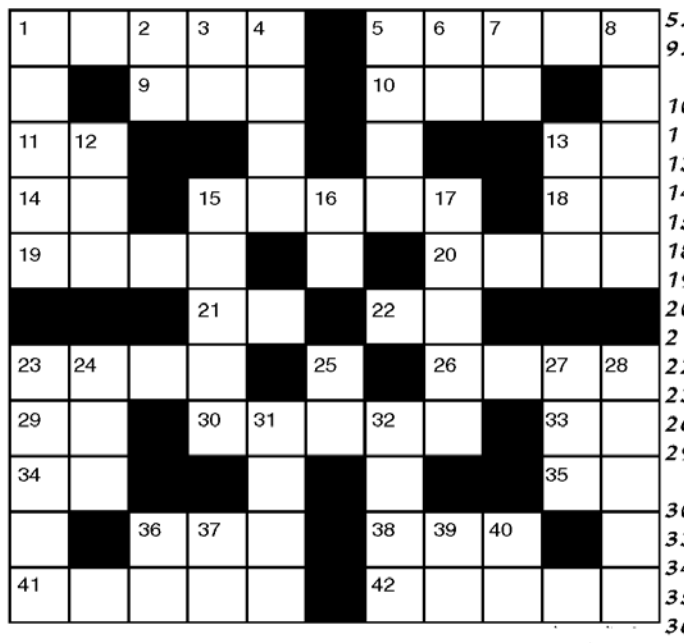

बाएँसेदाए±
1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.उसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रेजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -6318 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	या		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
सी		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दो	ज	ख		क	ल		ता	ल	
धा	य	ल		दा	म		उ	प्र		मो
त	म		प	ग		कृ	ष्ण		क	र

सूडोकु नवताल - 6329

***** कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6328 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

MANOAL SEOACHA BANGALORE

सिनसिनाटी ओपन : पहले ही दौर में बाहर हुए जोकोविच

एजेंसी ▶▶| मेसन

विंबलडन के सेमीफाइनल में हारने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए।

अर्जेंटीना के 25 वर्ष की खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांते ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। यह मैच गर्म और उमस भरे मौसम में दो घंटे 44 मिनट तक चला। तिरांते विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर हैं। तीन बार सिनसिनाटी चैंपियन रह चुके और रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज 39 वर्षीय जोकोविच विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हार गए थे। जोकोविच को अब अमेरिकी ओपन में खेलना है, जो 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होगा।

अर्जेंटीना के अगस्टिन तिरांते ने जोकोविच को हराया

एलेक्जेंड्रा का शानदार प्रदर्शन, गैब्रिएला रूसे को हराया

महिला वर्ग में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने एलेना-गैब्रिएला रूसे को हरा कर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रूसे ने पहला सेट गंवाया लेकिन टखने की चोट के कारण वह आगे खेल जारी नहीं रख पाई। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज एला ने इसी महीने की शुरुआत में वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीता था और उन्होंने अपने पिछले 9 मैचों में से आठ जीते हैं। अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से हराकर 2026 में हार्ड कोर्ट पर अपना रिकॉर्ड 25-6 कर लिया। तीसरे नंबर की खिलाड़ी पेगुला ने 2024 में सिनसिनाटी में खिताब जीता था।

पहले राउंड में हारीं वीनस, लगातार 13वां मैच गंवाया

ओहायो। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स का एकल में हारने का सिलसिला जारी है। सिनसिनाटी ओपन के पहले राउंड में वीनस को कोलंबियाई क्वालीफायर एमिलियाना अरांगो से 6-2, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। 46 साल की अमेरिकी खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री दी गई थी, लेकिन वह अभी भी एकल मैच न जीतने का अपना सिलसिला खत्म नहीं कर पाईं। उनका हार का सिलसिला जुलाई 2025 से जारी है। 25 साल की क्वालीफायर अरांगो ने लिंडनर टेनिस सेंटर के ग्रैंडस्टैंड कोर्ट पर विलियम्स को एक घंटे और पांच मिनट में हरा दिया। विलियम्स की शुरुआत मुश्किल तरीके से हुई क्योंकि पहले गेम में उनकी सर्व टूट गई थी, और उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ मैच में वापस आने में परेशानी हुई जो लगातार दबाव बना रहा था।

खबर संक्षेप

पाक महिला टीम का मुख्य कोच बने रहेंगे रियाज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने यूएई में होने वाले आगामी एशिया कप और जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय महिला टीम के मुख्य कोच वहाब रियाज और सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों को बरकरार रखा है। पाकिस्तान ने सीनियर बल्लेबाज आलिया रियाज को एशियाई खेलों के लिए टीम में शामिल किया है लेकिन सिदरा अमीन और सदाफ शम्स को फिर से नजरअंदाज कर दिया है। नियमित कप्तान फातिमा सना दोनों टूर्नामेंटों में टीम की कप्तानी करेंगी। एशिया कप 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें पाकिस्तान को हांगकांग-चीन, भारत और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

फॉर्मूला ई भारत में वापसी के लिए उत्सुक

लंदन। फॉर्मूला ई के सह-संस्थापक अल्बर्टो लोंगो ने कहा कि यह चैंपियनशिप भारत में वापसी करने के लिए उत्सुक है, लेकिन भारत के किसी शहर को मेजबानी की इच्छाशक्ति दिखानी होगी। ऑल-इलेक्ट्रिक विश्व चैंपियनशिप ने फरवरी 2023 में हैदराबाद ई-प्री के साथ भारत में अपनी शुरुआत की थी, लेकिन तेलंगाना में सरकार बदलने के बाद अगले वर्ष इस रेस को रद्द कर दिया गया, क्योंकि नई सरकार ने इसमें किसी तरह की दिलचस्पी नहीं दिखाई। लोंगो ने कहा कि फॉर्मूला ई अब भी उस बाजार में वापसी करने के लिए तैयार है, जिसे वह 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी' के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक मानते हैं। लोंगो ने कहा, 'हम भारत वापस जाना चाहेंगे लेकिन दुर्भाग्य से अभी इसको लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं चल रही है। फॉर्मूला ई के लिए यह इतना महत्वपूर्ण बाजार है कि हम निश्चित रूप से वहां वापस जाना चाहेंगे।' उन्होंने कहा, ' फॉर्मूला ई प्रतियोगिता की मेजबानी करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

पहला टेस्ट : भारत ने 9 विकेट पर बनाए 460 रन, पडिक्कल ने बनाए 167

पडिक्कल के शतक के दम पर टीम इंडिया ने खड़ा किया विशाल स्कोर

जुरेल ने खेली अर्धशतकीय पारी

एजेंसी ▶▶| गॉल

देवदत्त पडिक्कल की 167 रन की शानदार पारी भारत के बूते भारत ने दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के बारिश से प्रभावित दूसरे दिन रविवार को श्रीलंका के खिलाफ दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 460 रन बना लिए। रविवार को सिर्फ 43 ओवर का खेल संभव हुआ और इस दौरान श्रीलंका के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया स्टंप्स के समय कुलदीप यादव 12 और प्रसिद्ध कृष्णा एक रन बनाकर क्रीज पर थे।

पडिक्कल ने पूरा किया अपना पहला 150 रन

131 रन से आगे खेलने उतरे पडिक्कल ने तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो की गेंद पर चौका लगाकर 215 गेंदों में अपना पहला 150 रन पूरा किया। उनकी इस उपलब्धि पर पहुंचने से पहले ही भारत को ऋषभ पंत के रूप में बड़ा झटका लग चुका था। दिन की शुरुआत 27 रन करने वाले पंत को आक्रामक तेवर अपनाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। ऑफ स्पिनर केशरा नुवंता की गेंद पर उनका हवा में लहराया गया कमजोर शॉट मिडऑफ की दिशा में सोनल दिनुषा के हाथों में थमा गया। इसके बाद केएल राहुल बल्लेबाजी के लिए आए। पिछले दिन ऐंठन के कारण 77 रन पर रिटायर हर्ट हुए राहुल अपने स्कोर में सिर्फ पांच रन जोड़ सके। नुवंता की गेंद के टर्न और उछाल को वह समझ नहीं पाए और शॉर्ट लेग पर निशान मधुशंका को आसान कैच दे बैठे। महज 12 रन देकर दो बड़े विकेट हासिल करने से श्रीलंकाई गेंदबाजों का आत्मविश्वास बढ़ा। भारत चाय तक पांच विकेट पर 364 रन बना चुका था। इसके बाद रविंद्र जडेजा को नुवंता (13) ने पगबाधा किया।

जुरेल ने खेली 51 रन की उपयोगी पारी

पिछले कुछ मैचों से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे जुरेल ने शानदार वापसी करते हुए 51 रन की उपयोगी पारी खेली। उनकी पारी में किस्मत का भी साथ रहा। 29 रन के निजी स्कोर पर स्लिप में श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि सिल्वा ने जयसूर्या की गेंद पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जुरेल ने इस जीवनदान का फायदा उठाते हुए आठ पारियों के बाद पहली बार अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने नुवंता की गेंद को मिडविकेट के ऊपर से छक्का जड़ा और लाहिरू कुमारा की गेंद पर चौका भी लगाया।

जुरेल ने सुथार के साथ जोड़े 55 रन

जुरेल ने मानव सुथार (24) के साथ सातवें विकेट के लिए 55 रन जोड़े। जयसूर्या की गेंद पर धनंजय डि सिल्वा ने जुरेल का शानदार कैच लपक कर अपनी पिछली गलती की भरपाई कर दी। सुथार ने इसके बाद मोहम्मद सिराज (11) के साथ टीम के स्कोर को 447 रन तक पहुंचाया लेकिन इसी स्कोर पर दोनों बल्लेबाज आउट हो गए।

भारतीय महिला टीम का दमदार आगाज चीन को जीत से रोका

एजेंसी ▶▶| एम्सटेलवीन

महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में महिला टीम इंडिया ने चीन के सामने दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने चीन के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला, जिसके चलते भारतीय महिला टीम वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार चीन को किसी मैच में हराने से चूक गई। लेकिन चीन के दबदबे को देखा जाए तो भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह ड्रॉ किसी जीत से कम नहीं है. क्योंकि चीन वर्ल्ड नंबर चार की टीम है और उसे जीत से दूर रखकर महिला टीम इंडिया ने शानदार काम किया है। मगर भारतीय टीम साल 1998 से चली आ रही राइवलरी में 28 साल बाद भी हॉकी के खेल में चीन से जीत दर्ज नहीं कर सकी है। वहीं, महिला टीम ने शानदार डिफेंस का नजारा पेश किया और चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने वाली चीन सिर्फ एक में ही गोल कर सकी। मजबूत डिफेंस से टीम इंडिया ने चीन को जीत से दूर रखा।

पहले क्वार्टर में हुए दो गोल

चीन के खिलाफ मैदान में उतरी भारतीय महिला हॉकी टीम शानदार फॉर्म में नजर आ रही थी। मैच की शुरुआत में ही भारत की नवनीत कौर ने हॉकी स्टिक से जादू बिखेर दिया। मैच के पांचवें मिनट में जब भारत पहले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सका, तो इसके बाद आठवें मिनट में नवनीत ने चीन के डिफेंस को चकमा देते हुए बेहतरीन फील्ड गोल दाग दिया। इससे महिला टीम इंडिया पहले क्वार्टर में ही 1-0 से आगे हो गई थी।

आज से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप, सिंधू पर नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू सोमवार से शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने अपने नए आत्मविश्वास के साथ इतिहास रचने की कोशिश करेंगी।

भारत 17 साल बाद इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ी इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। सिंधू अब तक विश्व चैंपियनशिप में पांच बार पदक जीत चुकी हैं और वह रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप: ब्रिटिश रिले टीमों का दबदबा, एमी हंट ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

ब्रिटेन की एमी हंट ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए महिला रिले दौड़ में अपनी टीम को पहला स्थान दिलाकर यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। ब्रिटेन ने पुरुषों और महिलाओं दोनों की चार गुणा 100 मीटर रिले जीतकर फर्राटा दौड़ में अपना दबदबा बरकरार रखा।

हंट ने इससे पहले 100 और 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीते थे। ब्रिटेन की महिला टीम ने उनकी अगुवाई में चार गुणा 100 मीटर की दौड़ 42.05 सेकंड में पूरी की। ब्रिटेन ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 38.45 सेकंड में पूरी करके स्वर्ण पदक जीता।

माहुचिख ने लगातार तीसरी बार जीता ऊंची कूद का खिताब

इस बीच यूक्रेन की ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक यारोस्लावा माहुचिख ने 1.97 मीटर की छलांग लगाकर यूरोपीय चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार ऊंची कूद का खिताब जीता। यूक्रेन के लिए यह मौजूदा चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण पदक है। आयरलैंड की केट ओकॉनर ने महिला हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता। स्पेन की मारिया पेरेज़ ने हाफ मैराथन में एक घंटे 30 मिनट छह सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

बांग्लादेश ने किया उलटफेर ऑस्ट्रेलिया को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| डार्विन

बांग्लादेश ने दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही 9 विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर पहली और कुल मिलाकर दूसरी जीत है।

बांग्लादेश की पहली पारी में महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाने वाले मेहदी हसन मिराज ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर उसे 284 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया केवल 56 रन की बढ़त ही हासिल कर पाया।

बांग्लादेश के कैमरन ग्रीन ने जड़ा तीसरा टेस्ट शतक

कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने कहा, 'किसी भी प्रारुप में बांग्लादेश की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। हम भविष्य में कुछ खास करेंगे।' कैमरन ग्रीन ने अपना तीसरा टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने 201 गेंदों में 104 रन बनाए लेकिन इससे ऑस्ट्रेलियाई पारी की हार ही टाल पाया। बांग्लादेश के सामने केवल 57 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जोश हेज़लवुड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले तंजीद हसन को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन शादमान इस्लाम (नाबाद 25) और मोमिनुल हक (नाबाद 30) ने संयम बनाए रखते हुए अपनी टीम को 14.2 ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

बांग्लादेश ने बनाए रखा दबदबा

बांग्लादेश की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में केवल 198 रन ही बना सका, जिसमें स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश ने पिच के सपाट होने का फायदा उठाते हुए 426 रन बनाए और 228 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। ग्रीन के शानदार शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया पहली पारी के खराब प्रदर्शन से नहीं उभर पाया। इस तरह से बांग्लादेश ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इससे पहले उसने 2017 में ढाका में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार उसके 149 साल के टेस्ट इतिहास में घर पर हुई सबसे अपमानजनक पराजय में से एक है।

हॉकी वर्ल्ड कप: इंग्लैंड से आज कांटे की टक्कर, आखिरी बार तीन दशक पहले हराया था

30 साल का इतिहास बदलने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| एम्सटेलवीन

निचली रैंकिंग वाली वेल्स के खिलाफ पहले मैच में जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के सामने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप में सोमवार को विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड के रूप में पूल चरण की सबसे कठिन चुनौती होगी, जिसे विश्व कप में आखिरी बार उसने तीन दशक पहले हराया था।

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने शनिवार को पहले मैच में विश्व रैंकिंग में अपने से छह पायदान नीचे 15वें स्थान पर काबिज वेल्स को 3 -1 से मात दी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए जबकि संजय ने भी पहला गोल पेनल्टी कॉर्नर पर दागा। दूसरी ओर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पूल डी के एक अन्य मैच में 4-1 से मात दी।

हम मैच दर मैच फोकस करेंगे : हरमनप्रीत

प्रो लीग के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछने पर कप्तान हरमनप्रीत ने कहा,' खेल में उतार-चढाव आते रहते हैं लेकिन हमारा फोकस अभी विश्व कप पर है। हम बेहतर तैयारी के साथ आये हैं और टीम फॉर्म में है। हम मैच दर मैच फोकस करेंगे और गोल करने के ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने पर फोकस होगा।' टूर्नामेंट शुरू होने से पहले मानसिक दृढ़ता के लिए स्विटजरलैंड में तीन दिन के बूट कैम्प के अनुभव का इस्तेमाल भारत को इस मैच में करना पड़ेगा।

सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मैच अहम

विश्व कप के बदले प्रारुप में हर मैच का परिणाम काफी मायने रखेगा और भारत से इससे अधिक अंतर से जीत की उम्मीद थी। पहले हर पूल की शीर्ष दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल खेलती थी लेकिन इस बार हर पूल से शीर्ष दो टीमें दूसरे दौर का पूल चरण खेलेंगी, जिसमें 8 टीमें होंगी।

इस चरण में दो पूल ई और एफ होंगे, जिसमें चार-चार टीमें रहेंगी लेकिन वे तीन नहीं बल्कि दो-दो मैच खेलेंगी। यानी अगर भारत और इंग्लैंड दोनों अगले दौर में जाते हैं तो उनका एक दूसरे से सामना नहीं होगा और पहले पूल चरण के अंक ही आगे जाएंगे और भारत की सेमीफाइनल संभावनाओं के लिए यह मैच अहम है। पूल ई और एफ की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी।

72 घंटों में तीन इंच बारिश

सावन की झड़ी से शहर तरबतर

जबलपुर। बंगाल की खाड़ी से आ रहे मानसून के छोटे-छोटे सिस्टमों ने जबलपुर में बारिश का सिलसिला बना दिया। शुक्रवार की देर रात से शुरु हुई बारिश कभी रिमझिम तो कभी झमाझम होती रही। मौसम कार्यालय के मुताबिक झारखण्ड और उड़िया में बने चक्रवात के कारण उत्तीर और पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर हवा के कम दवाब का क्षेत्र बन गया है, इससे अगले २४ घंटों के दौरान अनेक स्थानों पर तेज वर्षा हो सकती है। पिछले 72 घंटों के दौरान 3 इंच बारिश ने शहर को जलप्लावन के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया। शहर के आम और खास कहे जाने वाले इलाके राईट टाऊन, गोलबाजार, सिविक सेंटर, श्रीनाथ की तलैया, मुकादमगंज, गुरंदी, चेरीताल, दमोहनाका, मिलौनीगंज आदि स्थानों पर दो से तीन फुट तक पानी भर गया। शुक्रवार की देर रात से शुरू हुई रिमझिम बारिश का जो दौर शुरू हुआ तो रविवार देर शाम यह

समाचार लिखे जाने तक कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश का दौर जारी रहा।

इस दौरान हुई करीब 3 इंच बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया।मौसम विभाग की मानें तो अभी दो-तीन दिनों तक कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश का दौर जारी रहेगा। शहर में पिछले २४ घंटों से जारी अनवरत वर्षा के कारण शहरों के हाल बदहाल हो गये हैं। निचली बस्तियां जलमग्न हो गई हैं।

पिछले दो दिनों से शहर में मानसून लगातार अपनी सक्रियता बनाये हुये है। इसके बाद अहसास हुआ की सावन की झड़ी लगी है।

अब तक कुल वर्षा का आंकड़ा 17 इंच पर पहुंच गया है

बहरहाल, मौसम कार्यालय के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान आसमान पर बादल छाये रहेंगे और संभाग के कुछ हिस्सों में तेज वर्षा भी हो सकती है। पिछले २४ घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 95 प्रतिशत, सायंकाल 98 प्रतिशत आंकी गईं 24 घंटों में कुल वर्षा 38.8 मिमी दर्ज की गई। 1 जून से अब तक हुई कुल वर्षा का आंकड़ा 427.6 मिमी लगभग 17 इंच पर पहुंच गया है। मौसम कार्यालय के मुताबिक अगले २४ घंटों के दौरान भी मौसम के हाल ऐसे ही बने रहेंगे।

बरगी बांध में तेजी से बढ़ रही पानी की आवक, जल्द खुलेंगे जलद्वार

रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना बरगी जलाशय में लगातार बढ़ रही पानी की आवक से परियोजना प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। रविवार शाम 4 बजे तक बांध का जलस्तर 420.45 मीटर दर्ज किया गया। अमरकंटक, डिंडौरी और मंडला सहित जलभराव क्षेत्र में हो रही बारिश का असर बरगी जलाशय पर पड़ रहा है। कार्यपालन यंत्री बरगी बांध राजेश सिंह के मुताबिक जलाशय की जल उपयोगी क्षमता 2436 एमसीएम यानी 76.60 प्रतिशत हो चुकी है। वर्तमान में करीब 744 क्यूमेक पानी की आवक हो रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान और कैचमेंट क्षेत्र में संभावित बारिश को देखते हुए आगामी 24 घंटे में बांध से करीब 1000 क्यूमेक पानी की निकासी की स्थिति बन सकती है। कार्यपालन यंत्री के मुताबिक पावर हाउस को 200 क्यूमेक पानी सप्लाई की जा रही है. बांध की कुल भराव क्षमता 422.76 मीटर है. बांध का जलस्तर लगातार बढ़ने पर कभी भी बांध के गेट खोले जा सकते हैं. लोगों से नर्मदा किनारे और जल भराव क्षेत्र से सुरक्षित दूरी पर रहने की अपील की गई है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने एम्बुलेंस सेवा को दिखाई हरी झंडी

हाईकोर्ट में आन-बान-शान से फहराया गया तिरंगा

जबलपुर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर स्थित मुख्य पीठ परिसर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गरिमामय ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इस दौरान न्यायपालिका, विधि जगत, अधिवक्ताओं और न्यायालय कर्मचारियों की मौजूदगी में देशभक्ति का वातावरण रहा। उच्च न्यायालय परिसर स्थित मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र तथा मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी में भी ध्वजारोहण समारोह आयोजित हुए। इन कार्यक्रमों में न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति विवेक कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों ने अपने परिजनों के साथ समारोह में सहभागिता की। कार्यक्रम में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, महाधिवक्ता कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न हाई कोर्ट बार एसोसिएशनों के अध्यक्ष, सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य, कानूनी संस्थाओं के प्रतिनिधि, अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ और न्यायालय कर्मचारी मौजूद रहे।

हाई कोर्ट को मिली लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस

समारोह की खास उपलब्धि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया द्वारा पूर्ण सुसज्जित आपातकालीन एम्बुलेंस का औपचारिक शुभारंभ रहा। यह एम्बुलेंस यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की सीएसआर संस्था यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट ने अपनी हाई कोर्ट शाखा के माध्यम से दान की है। एम्बुलेंस को उच्च न्यायालय की स्वास्थ्य डिस्पेंसरी को सौंपा गया है। इसका उद्देश्य न्यायालय परिसर में किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान तत्काल उपचार और मरीज को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। एम्बुलेंस में लाइफ-सपोर्ट से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह सुविधा न्यायालय परिसर में आने वाले पक्षकारों, अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए उपलब्ध रहेगी। एम्बुलेंस के शुभारंभ के अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रबंधक समीर कुमार, सहायक महाप्रबंधक कुंजन पटेल, शाखा प्रबंधक मृदुल उपाध्याय सहित हाई कोर्ट शाखा की टीम मौजूद रही।

जल्द शुरू होगी एसी ई-बस सेवा

जबलपुर। संस्कारधानी के नागरिकों को जल्द ही अत्याधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन की सौगात मिलने जा रही है। शहर में पीएम ई-बस सेवा की शुरुआत की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस सेवा का शुभारंभ किया जाएगा। ई-बस सेवा शुरू होने से शहरवासियों को आरामदायक, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा मिलने के साथ ही प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी।

शुभारंभ की तैयारियों का जायजा लेने प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह ने कठौदा स्थित अत्याधुनिक ई-बस चार्जिंग स्टेशन एवं डिपो का निरीक्षण किया। उन्होंने बसों, चार्जिंग प्वाइंट, डिपो की व्यवस्थाओं और तकनीकी सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवा शुरू होने से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी कर ली जाएं। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि पीएम ई-बस सेवा जबलपुर के सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ई-बसों के संचालन से प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी और डीजल-पेट्रोल वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। वातानुकूलित और आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस इन बसों से नागरिकों का दैनिक सफर अधिक सुविधाजनक और आरामदायक होगा।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार और क्षेत्रीय पार्षद मोनिका पुष्पेंद्र सिंह सहित निगम एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने डिपो में बसों के संचालन, चार्जिंग व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियों की जानकारी मंत्री को दी। पीएम ई-बस सेवा के शुरू होने से जबलपुर में स्मार्ट, ग्रीन और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। शहरवासियों को अब इस सेवा के औपचारिक शुभारंभ का इंतजार है।

हाईकोर्ट बार चुनाव आज 3112 अधिवक्ता करेंगे मतदान

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के लिए चुनाव 17 अगस्त को होगा। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह है और मतदान की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के मुख्य चुनाव अधिकारी अधिवक्ता संजय सेठ के अनुसार, मतदान सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक सिल्वर जुबली हॉल में कराया जाएगा। इस चुनाव में बार एसोसिएशन के 3,112 सदस्य अधिवक्ता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिसके लिए 65 मतदान बूथ बनाए गए हैं।

चुनाव अधिकारी संजय सेठ ने बताया कि मतदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले सुबह 10 बजे हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस विशाल धगट, जस्टिस प्रणय वर्मा, जस्टिस एमएस भट्टी और

जस्टिस हिमांशु जोशी दीप प्रज्वलित कर चुनाव प्रक्रिया का शुभारंभ करेंगे। मतदान प्रक्रिया का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, ताकि चुनाव की पारदर्शिता बनी रहे।

इस बार चुनाव में महिला अधिवक्ताओं के प्रतिनिधित्व को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। उपाध्यक्ष के एक पद और कोषाध्यक्ष के पद को महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा कार्यकारिणी के आठ पदों में से तीन पद भी महिला प्रत्याशियों के लिए आरक्षित हैं। इससे चुनाव में महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने की उम्मीद है।

मतदान के बाद 18 अगस्त से मतगणना शुरू होगी और मतगणना पूरी होने के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव को लेकर प्रत्याशी अंतिम समय तक अधिवक्ताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं। ऐसे में अब सभी की नजरें 17 अगस्त के मतदान और उसके बाद आने वाले चुनाव परिणाम पर टिकी हैं।

अधारताल–देवरी रेलखंड समपार फाटक पर 17 से 24 बंद रहेगा सड़क यातायात

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के अधारताल–देवरी रेलखंड के बीच स्थित समपार फाटक क्रमांक 323 पर रेलपथ के अनुरक्षण एवं सुरक्षा संबंधी ओवरहॉलिंग कार्य किया जाएगा। इसके चलते फाटक से गुजरने वाला सड़क यातायात आठ दिनों तक पूरी तरह बंद रहेगा। रेल प्रशासन के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्य 17 अगस्त 2026 को सुबह 8 बजे शुरू होगा और 24 अगस्त को शाम 5 बजे तक चलेगा। इस दौरान समपार फाटक क्रमांक 323 के अप एवं डाउन रोड पर सड़क यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए रेल प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं। वाहन चालक इस अवधि में निकटवर्ती समपार फाटक क्रमांक 324 (छतरपुर फाटक) तथा इमलिया फाटक का उपयोग कर सकेंगे। रेल प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यात्री और वाहन चालक अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं तथा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। रेलपथ का अनुरक्षण एवं ओवरहॉलिंग कार्य सुरक्षित और सुचारु रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।

मदन महल से चलेंगी तीन प्रमुख इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनें

जबलपुर। रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय ने पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल से संबंधित तीन जोड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों के टर्मिनल में परिवर्तन को मंजूरी दी है। यह बदलाव 17 अगस्त 2026 से प्रभावी होगा। इसके तहत 22189/22190 रीवा-जबलपुर, 11265/11266 जबलपुर-अंबिकापुर और 11651/11652 जबलपुर-सिंगरौली इंटरसिटी एक्सप्रेस अब जबलपुर स्टेशन के स्थान पर मदन महल स्टेशन से संचालित होंगी। रीवा इंटरसिटीः 22190 रीवा-मदन महल इंटरसिटी रीवा से सुबह 5.45 बजे रवाना होकर जबलपुर 9.46 बजे और मदन महल 10.07 बजे पहुंचेगी। वापसी में 22189 मदन महल-रीवा इंटरसिटी शाम 5 बजे मदन महल से तथा 5.15 बजे जबलपुर से रवाना होकर रात 9.22 बजे रीवा पहुंचेगी। अंबिकापुर इंटरसिटीः 11266 अंबिकापुर-मदन महल इंटरसिटी सुबह 6.15 बजे अंबिकापुर से रवाना होकर दोपहर 2.55 बजे जबलपुर और 3.20 बजे मदन महल पहुंचेगी। वापसी में 11265 मदन महल-अंबिकापुर इंटरसिटी दोपहर 12.25 बजे मदन महल और 12.45 बजे जबलपुर से रवाना होकर रात 11 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। सिंगरौली इंटरसिटीः 11652 सिंगरौली-मदन महल इंटरसिटी सुबह 4.40 बजे सिंगरौली से रवाना होकर 11.35 बजे जबलपुर और दोपहर 12.05 बजे मदन महल पहुंचेगी। वापसी में 11651 मदन महल-सिंगरौली इंटरसिटी शाम 4.05 बजे मदन महल तथा 4.20 बजे जबलपुर से रवाना होकर रात 11.45 बजे सिंगरौली पहुंचेगी।

रादुविवि में 12वें दिन भी जारी रहेगा क्रमिक अनशन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की 36 सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले 11 दिनों से जारी क्रमिक अनशन का अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकल सका है। प्रशासन की ओर से मांगों के निराकरण की दिशा में सार्थक पहल नहीं किए जाने के कारण कर्मचारी संघ ने सोमवार को 12वें दिन भी क्रमिक अनशन जारी रखने का निर्णय लिया है। इस दिन कार्यकारिणी सदस्य श्री प्रकाश चौबे क्रमिक अनशन पर बैठेंगे। कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री संजय यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय में लगातार बिगड़ते हालात, कर्मचारियों एवं छात्रों की समस्याओं और बढ़ती अराजकता को लेकर अब व्यापक जनसमर्थन जुटाना आवश्यक हो गया है। सोमवार से कर्मचारी संघ अध्यक्ष

स्वयं अपने खून से हस्ताक्षर कराकर कर्मचारियों, छात्रों, बुद्धिजीवियों एवं शहर के आम नागरिकों से भी हस्ताक्षर करवाये जाएंगे। हस्ताक्षरित पत्र माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश एवं माननीय कुलाधिपति को प्रेषित कर विश्वविद्यालय में व्याप्त अराजकता की स्थिति में धारा 52 लागू करने तथा वर्तमान कुलगुरु को पद से हटाने की मांग की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय में बिगड़ती व्यवस्था, कर्मचारियों एवं छात्रों के साथ हो रहे कथित अन्याय और प्रशासनिक अव्यवस्था के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से चलाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदर्शन एवं हस्ताक्षर अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संचालित होगा। श्री यादव ने कर्मचारियों, छात्रों, बुद्धिजीवियों, अभिभावकों तथा विश्वविद्यालय की वर्तमान परिस्थितियों से प्रभावित आम नागरिकों से अपील की कि वे सोमवार को धरना स्थल पर पहुंचकर हस्ताक्षर अभियान में सहभागी बनें और विश्वविद्यालय की व्यवस्था में सुधार के लिए अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि 11 दिनों से कर्मचारी शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिसमें कर्मचारियों की पदोन्नति, 70 पदों की बहाली, अनुकंपा नियुक्ति, 2008 के कर्मचारियों को अन्तर्राशि का भुगतान, तकनीकी कर्मचारियों की वार्षिक वेतनवृद्धि एवं कर्मचारियों को समयमान वेतनमान आदि मुख्य मांगे हैं , लेकिन यदि प्रशासन अभी भी मौन रहता है तो आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। कर्मचारी संघ अपनी 36 सूत्रीय मांगों के निराकरण तक संघर्ष जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्मचारी संघ ने एक बार फिर प्रशासन से आग्रह किया कि टकराव की स्थिति उत्पन्न करने के बजाय तत्काल मांगों के निराकरण की ठोस प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

मदन महल में भरेगा मेला : शिवालयों में अनुष्ठान

श्रावण के तृतीय सोमवार पर आज निकलेंगे ध्वज जलूस

जबलपुर। श्रावण मास का आज तृतीय सोमवार है। श्रावण मास के मेले लगेंगे। धार्मिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण श्रावण मास में शिवजी की आराधना की जा रही है। शिवालयों में अनुष्ठान चल रहे है। वहीं श्रावण मास पर मदनमहल की पहाड़ियों पर स्थित मां शारदा देवी के मंदिर में ध्वज जुलूसों का जोरदार समागम होगा। श्रावण मास में हर वर्ष मदन महल की पहाड़ियों पर मेला लगता है। यहां विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठन लाल ध्वज लेकर मां की वंदना करने पहुंचते है। श्रावण मास के इस मेले में सांम्प्रदायिक सौहार्द के नजारे भी दिखायी देते है। मंदिर जाने वाले रास्ते पर पीराने पीर की दरगाह में भी श्रद्धालु हरे निशान लेकर हाजिरी देने प्रकृति की हरियाली और पहाड़ियों के बीच ऊंचाईयों पर स्थित मंदिर में श्रद्दालु बड़ी संख्या में पहुंचते है। इसके अलावा गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी स्थित बड़े शंकर जी के मंदिर, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर मंदिर जिलहरीघाट, बड़े शंकर जी के मंदिर गंजीपुरा में आज श्रावण सोमवार पर शिवजी के अभिषेक के बाद अद्भुत श्रंगार किया जाएगा। विभिन्न अखाड़ों के द्वारा ध्वज जुलूस निकाले जाएंगे। भगवान शिव की भक्ति और प्रकृति के श्रंगार से जुड़े श्रावण मास का आज तीसरा 17 अगस्त को पड़ रहा है। इस अवसर पर शिवालय में अच्छी खासी भीड़ नजर आएगी। सावन के महीने में देवाधिदेव महादेव भगवान शंकर की पूजा अर्चना और आराधना का दौर चल रहा है। सुबह से ही दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक होंगे वहीं महिलाएं सावन सोमवार का उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ से अपने पति की लंबी आयु की प्रार्थना करेंगी। श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ को बिल्वपत्र (बेलपत्री) के साथ-साथ कच्चा दूध, सफेद, फल, धतूरा, भस्मी, भांग व सुगंधित द्रव्य खासतौर पर अर्पित की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन मास में शिवजी को एक बेलपत्री चढ़ाने से 3 जन्मों के पापों का विनाश होता है।

सावन मास में नगर में अनेक स्थानों पर परंपरानुसार श्रावणी मेले भरते हैं। श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी बड़े शिवालय, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री शारदा मंदिर मदन महल, श्री मंगलचण्डी माता मंदिर बधैया मोहल्ला, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, में सावन मास के मेले आयोजित होते हैं। मदन महल के शारदा मंदिर में सबसे पुराना श्रावणी मेला लगता है। मदन महल की सुरम्य वादियों के बीच ऊंचाई पर स्थित मंदिर में पहुंचने पर प्रकृति की अनुपम छटा का भी दर्शन होता है। चारों तरफ हरियाली और पहाड़ी का मनोरम दृश्य नजर आता है। यहां बड़ी संख्या में लोग मातारानी के दर्शन करने और लाल निशान (ध्वज) चढ़ाने बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ बाजे गाजे लेकर पहुंचते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को मेले का माहौल रहता है। इसके अलावा कचनार सिटी, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी सावन मास के मेले आयोजित होते हैं।

अक्टूबर से वेटरनरी छात्रों की भी होगी बायोमेट्रिक हाजिरी

सॉफ्टवेयर पर दर्ज होगा पूरा रिकॉर्ड

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय ने कक्षाओं में विद्यार्थियों की घटती उपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए अब छात्रों के लिए भी बायोमेट्रिक ई-अटेंडेंस अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। अक्टूबर से शुरू होने वाले नए शिक्षण सत्र में जबलपुर, रीवा और महू स्थित तीनों वेटरनरी कॉलेजों में यह व्यवस्था एक साथ लागू की जाएगी। प्रोफेसरों की तरह अब यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को भी निर्धारित पंचिंग के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। डीन डॉ. एसएस तोमर ने बताया कि तीनों कॉलेजों में दो हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। कक्षाओं में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और प्रत्येक विद्यार्थी की दैनिक हाजिरी पर नजर रखने के उद्देश्य से यह व्यवस्था शुरू की जा रही है। लंबे समय से कक्षाओं में छात्रों की कम मौजूदगी की शिकायतें सामने आ रही थीं। वर्तमान में अलग-अलग तरीकों से विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की जाती है, जिससे वास्तविक उपस्थिति का सटीक आकलन करना मुश्किल होता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद प्रत्येक छात्र की हाजिरी सीधे डिजिटल सिस्टम में दर्ज होगी। इससे विभाग और कॉलेज प्रशासन को लगातार कक्षाओं से अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रत्येक विषय में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। पहले चरण में तीनों वेटरनरी कॉलेजों में बायोमेट्रिक व्यवस्था के परिणामों का परीक्षण किया जाएगा। व्यवस्था सफल रहने पर इसे विश्वविद्यालय से संबद्ध अन्य शैक्षणिक संस्थानों और रिसर्च सेंटरों में भी लागू किया जा सकता है।

सिहोरा की ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा आज बाबाताल में होगा भोलेनाथ का जलाभिषेक

सिहोरा। भगवान शिव की भक्ति और आस्था से जुड़ी सिहोरा की प्रसिद्ध कांवड़ यात्रा आज 17 अगस्त को हिरन नदी घाट खितौला से प्रारंभ होगी। इस वर्ष कांवड़ यात्रा का 15 वां वर्ष है।कांवड़ यात्रा सुबह 8 बजे हिरन नदी घाट, खितौला से प्रारंभ होगी। कांवड़िए हिरन नदी से पवित्र जल लेकर खितौला और सिहोरा नगर का भ्रमण करते हुए प्रसिद्ध बाबाताल शिव मंदिर पहुंचेंगे। यहां हिरन नदी से लाए गए जल से भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया जाएगा। आयोजन समिति की विशेष पहल के तहत यात्रा में शामिल होने वाले भक्तों को कांवड़ स्वयं आयोजन समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे अधिक से अधिक श्रद्धालुओं के यात्रा में शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी शिवभक्तों और श्रद्धालुओं से 17 अगस्त की सुबह 8 बजे हिरन नदी घाट, खितौला पहुंचकर कांवड़ यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर यात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की अपील की है। श्री भूतेश्वर कैलाश आश्रम समिति खितौला बस्ती मंझगवा रोड़ द्वारा सावन पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है ।मंदिर के भक्त भोला दुबे ने बताया प्रत्येक सोमवार को भोलेनाथ का अभिषेक होने के बाद कन्या भोजन का आयोजन होता है तथा भक्तों के लिए आखरी सोमवार को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जायेगा।

नागपंचमी पर आज घर-घर पूजे जाएंगे नागदेवता

अब सुनाई नहीं देती हफ्तों पहले से बीन

जबलपुर। नागदेवता की पूजा अर्चना का महापर्व नागपंचमी सोमवार 17 अगस्त को है। नागपंचमी पर घर-घर में नागदेवता की पूजा कर उन्हें फूल, चांवल, चंदन चढ़ाकर दुग्धपान कराया जायेगा और श्रद्धालु नागदेवता से अपनी रक्षा और खेत खलिहानों में फसलों की रक्षा करने की प्रार्थना करेंगे। शहर के अति प्राचीन और प्रसिद्ध नागमंदिर गौरीघाट में भी इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान आयोजित किये जा रहे है। नागपंचमी पर मल्लयुद्ध (दंगल) और बाजी के करतब की भी अति प्राचीन परंपरा है। नागपंचमी के दिन अखाड़ों में भी विशेष पूजा अर्चना कर पटा बनैटी का प्रदर्शन किया जाता है। ये परंपरा प्राचीन तो है लेकिन आधुनिकता की होड़ में सब कुछ विलुप्त होता जा रहा है। वनों से सांपों को पकड़ने पर वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा लगायी गई रोक के बाद अब सपेरे नजर नहीं आते है, पहले एक पखवाड़े पूर्व से सपेरे शहर में आ जाते थे और बीन बजाकर घर-घर नागदेव के दर्शन कराकर दान-दक्षिणा लेते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा हैं। आज नागपंचमी है और एक दिन पूर्व तक एक भी सपेरा नजर नहीं आये। वन विभाग की नजर सपेरों पर होने के कारण अब गिने चुने सपेरे ही नजर आयेंगे।

बहरहाल धार्मिक मान्यताओं को पर्यावरण से जुड़े इस त्योहार को श्रद्धा और आस्था से मनाया जायेगा। घर-घर नागदेवता की पूजा की जायेगी। सनातनी संस्कृति में ऐसी मान्यता है, कि पृथ्वी भगवान शेषनाग के फन पर टिकी हुई है। प्रकृति के सर्वाधिक विषधर का मनुष्य के प्रति समर्पण भाव और देवता के रूप में उनकी मान्यता भी नागपंचमी के रूप में पूजा अर्चना कर की जाती है। अखाड़ों में होने वाले प्रदर्शन भी अब नगण्य हो गये है। सपेरों की कमी के कारण बाजी के करतब भी देखने में नजर नहीं आते है। दंगलों के आयोजनों की भी कमी हो गई है। नागदेवता का शिवजी से सीधा संपर्क है। वे शिवजी के गले का हार हैं और श्रावण मास शिवजी की विशेष आराधना का होता है। ऐसे में शिवजी का अभिषेक और नागदेवता की पूजा से श्रद्धालुओं को दोगुने पुण्य की प्राप्ति होगी।

भूमि विक्रय का अनुबंध कर 8 लाख हड़पे

जबलपुर। विजयनगर थाना पुलिस ने भूमि विक्रय का अनुबंध कर 7 लाख 81 हजार रुपये लेने और बाद में राशि वापस नहीं करने के मामले में प्रानेश जैन के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। संजयनगर अधारताल निवासी 42 वर्षीय संदीप श्रीवास्तव ने शिकायत में बताया कि प्रानेश जैन ने मौजा माढ़ोताल स्थित अपनी भूमि बेचने का आश्वासन दिया था। इसके लिए 14 जून 2024 को विक्रय अनुबंध किया गया और बयाना सहित अन्य औपचारिकताओं के नाम पर कुल 7 लाख 81 हजार रुपये लिए गए। बाद में भूमि विवादित होने का कारण बताते हुए विक्रय करने में असमर्थता जताई गई। शिकायतकर्ता द्वारा राशि वापस मांगने पर पहले एक चेक और अनुबंध निरस्तीकरण के बाद 27 फरवरी 2026 को तीन अलग-अलग चेक दिए गए, लेकिन बैंक में प्रस्तुत करने पर सभी चेक अपर्याप्त शेष राशि के कारण अनादरित हो गए। जांच के दौरान प्रानेश जैन ने विक्रय अनुबंध के तहत 5 लाख 81 हजार रुपये और बाद में आरटीजीएस के माध्यम से 2 लाख रुपये प्राप्त करने की बात स्वीकार की। उसने भूमि विवादित होने के कारण विक्रय पूरा नहीं कर पाने और राशि वापसी के लिए चेक जारी करने की बात भी स्वीकार की। पुलिस ने विक्रय अनुबंध, बैंक स्टेटमेंट, आरटीजीएस विवरण, चेकों की प्रतिलिपियां और बैंक अभिलेखों की जांच के बाद प्रानेश जैन के खिलाफ धारा 316 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

खातों और क्रेडिट कार्ड से लाखों रुपये उड़ाए

साइबर ठगों ने छह लोगों को बनाया निशाना

जबलपुर। जिले में साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अज्ञात आरोपियों ने बैंक खातों, क्रेडिट कार्ड और ऑनलाइन लिंक के माध्यम से छह लोगों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी कर दी। पुलिस ने सभी मामलों में धारा 318(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संजीवनी नगर: गजरथ नगर निवासी 62 वर्षीय रिटायर्ड एलआईसी कर्मचारी नरेश मेहरा के विभिन्न बैंक खातों से अज्ञात व्यक्ति ने कुल 63,471 रुपये ट्रांसफर कर लिए। 10 अगस्त को बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाते से 49,999.87 रुपये, 9,999.99 रुपये और अगले दिन 899.37 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर हुए। इसके अलावा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के खाते से भी 2,572 रुपये निकाल लिए गए। एक्सिस बैंक के नाम से 30 हजार रुपये कटने का मैसेज भी आया, हालांकि बैंक से जानकारी लेने पर पता चला कि वहां से रकम नहीं कटी थी।

मोबाईल किया हैक

मिलौनीगंज निवासी 68 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका पूना शर्मा के खाते से अज्ञात व्यक्ति ने 68 हजार रुपये निकाल लिए। शिकायत के अनुसार मोबाइल हैक कर 11 अगस्त को खाते से 28 हजार, 30 हजार और 5 हजार रुपये निकाले गए। इसके अलावा कुछ संदिग्ध रकम उनके खातों में भी जमा हुई।

लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी

चारखम्बा बैनी सिंह तलैया निवासी 44 वर्षीय मोटर साइकिल रिपेयरिंग कर्मचारी मोहम्मद अब्बास मंसूरी को ज्यादा लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी की गई। आरोपी ने व्हाट्सऐप पर आधार कार्ड और एटीएम की फोटो मंगवाई तथा खाते का टर्नओवर बढ़ाने के नाम पर रकम जमा करवाई। बाद में अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 1 लाख 34 हजार 299 रुपये निकाल लिए गए।

कपड़ा व्यवसाई से ठगी

वार्ड नंबर 13 निवासी 28 वर्षीय कपड़ा व्यवसायी राबिन जैन के दो बैंक खातों से 88,999 रुपये निकाल लिए गए। 17 जुलाई को एसबीआई के नाम से फोन आने के बाद उन्होंने खाते चेक किए तो पंजाब नेशनल बैंक के खाते से 39 हजार और एसबीआई खाते से 49,999 रुपये निकले मिले।

इंश्योरेंस के नाम पर लिंक

झंडा चौक पर नाश्ते की दुकान चलाने वाले 50 वर्षीय उमेश जायसवाल को इंश्योरेंस के नाम पर ठगी का शिकार बनाया गया। आरोपी ने खुद को एसबीआई का कर्मचारी बताते हुए व्हाट्सऐप पर लिंक भेजी। लिंक खोलने के बाद उनके क्रेडिट कार्ड से 41,105 रुपये कट गए।

ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर ठगी

त्रिमूर्ति नगर निवासी 46 वर्षीय संजू कोस्टा के क्रेडिट कार्ड और बैंक खाते का दुरुपयोग कर अज्ञात व्यक्ति ने 1 लाख 30 हजार रुपये की ऑनलाइन शॉपिंग कर ली। 6 अगस्त को क्रेडिट कार्ड से 90 हजार रुपये तथा 12 अगस्त को खाते और क्रेडिट कार्ड से क्रमशः 10 हजार और 30 हजार रुपये की ऑनलाइन खरीदारी की गई। पुलिस ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर साइबर ठगी के तरीकों, बैंक खातों और संदिग्ध मोबाइल नंबरों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

रिमझिम फुहारों के बीच मना आजादी का जश्न 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर शान से लहराया तिरंगा

सिहोरा। देश के 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर जगह जगह ध्वजारोहण किया गया । रिमझिम फुहारों के बीच आजादी का जश्न मनाने के लिए बच्चों का उत्साह भी देखते ही बन रहा था वे तिरंगा साथ में लेकर ही स्कूल पहुंचे । सिहोरा खितौला के साथ सभी ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय आशासकीय स्कूल भवनों के साथ नगर पालिका में अध्यक्ष श्रीमती संध्या दिलीप दुबे,जनपद पंचायत में अध्यक्ष श्रीमती रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में एसडीएम ज्योति परस्ते, उपपंजीयक कार्यालय में आर बी सिंह,वनपरिक्षेत्र कार्यालय में एसडीओ उर्मिला मरकाम, ग्राम पंचायत झांसी में सरपंच भावना प्रिंस उपाध्याय, शासकीय श्यामसुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति अध्यक्ष राजा मोर ने अध्यक्षता प्राचार्य डॉ मनोज श्रीवास्तव ने की, शासकीय लालचंद उ मा वि खितौला में प्राचार्य निधी दुबे ने ध्वजारोहण किया।

स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह स्टेडियम में

नगर के अरुणाभ घोस स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य आयोजन रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री जनपद पंचायत अध्यक्ष के मुख्यातिथ्य एंव नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया जहां जनपद अध्यक्ष ने ध्वाजारोहण किया,गुब्बारे छोड़े सयुक्त परेड ध्वज सलामी ली एंव मुख्यमंत्री के संदेश के वाचन किया इसके बाद क्षेत्र के अमर शहीदों के परिजनों का शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखा देशभक्ति का जज्बा

स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में मिस्पा मिशन स्कूल,यशोदा बाई कन्या खितौला,शालेम स्कूल,शिक्षा प्रचारक समिति स्कूल,शासकीय कन्या शाला,मारथोमा ग्रांम ज्योति स्कुल,जनता इंग्लिश मीडियम स्कूल,विष्णु दत्त सांदीपनि विद्यालय,शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला हिन्दी स्कूल,सीपी मेमोरियल स्कुल,सरस्वती विद्यालय, शासकीय एकीकृत मां शाला खितौला के छात्र छात्राओं ने देशभक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।संचालन शिक्षक संदीप सोनी ने किया।इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि,प्रशासनिक अधिकारी,कर्मचारी,गणमान्य नागरिक,स्कुलो के बच्चे बडी संख्या में उपस्थित रहे।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे आयोजन वायुसेना के सेवानिवृत्त सार्जेंट गुरुदयाल कनौजिया के मुख्य आतिथ्य में किया गया। ध्वजारोहण महावीर बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष किशन जनवानी ने किया। इस अवसर पर डॉ आनंद मोहन जैन,व्यवस्थापक अनुपम सराफ, राजेश दाहिया, आलोक जैन,विनय जैन,सतीश पटेल,सारिका साहू,साधना साहू,कृष्णा सरावगी आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन प्राचार्य बिनोद गर्ग ने किया।

विधायक कार्यालय सिहोरा में भी हुआ ध्वजारोहण

विधायक कार्यालय में ध्वजारोहण पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे,जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,राजेश दाहिया,अनुपम सराफ,किशन जानवानी,सतीश पटेल,पार्षद गौरादेवी विश्वकर्मा, लीला बर्मन,रीता शुक्ला,बेबी विनय पाल,ज्योति चक्रवर्ती सारिका साहू,सुग्रीव श्रीवास,रत्नेश दुबे,अशोक चौधरी आदि उपस्थित थे।

कांबिंग गश्त में 239 वारंट तामील

जबलपुर। अपराधों की रोकथाम और कानून व्यवस्था मजबूत करने पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर 15 अगस्त की रात से 16 अगस्त की तड़के तक जिले में विशेष कांबिंग गश्त चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, सीएसपी, एसडीओपी और थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने शहर और देहात में दबिश देकर लंबे समय से फरार आरोपियों और वारंटियों पर कार्रवाई की।अभियान के दौरान 106 गैर-जमानती वारंट, 86 गिरफ्तारी वारंट और 47 जमानती वारंट, यानी कुल 239 वारंट तामील किए गए। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।गश्त के दौरान सक्रिय गुंडे-बदमाशों की भी जांच की गई। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मुसाफिरखाना सहित प्रमुख स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग करते हुए देर रात आने-जाने वालों से पूछताछ की गई।पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कहा कि अपराधियों पर अंकुश लगाने और लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

चालक ने कूदकर बचाई जान; हाईवे पर लगा जाम

बंजारी घाटी में दौड़ते कंटेनर में लगी आग

जबलपुर। सिवनी से जबलपुर की ओर जा रहा एक कंटेनर रविवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बंजारी घाटी के पास अचानक आग की चपेट में आ गया। करीब 8.30 बजे वाहन से धुआं उठता देख चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाई और कंटेनर को सड़क किनारे रोककर नीचे कूद गया। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को घेर लिया और कुछ ही देर में आसमान में काले धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। आग की तेज लपटों को देखकर हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। लोगों ने वाहन से दूरी बनाकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित की। इसी दौरान जलते कंटेनर से दो तेज धमाकों जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिससे आसपास मौजूद लोग सहम गए और मौके से दूर हट गए। गनीमत रही कि आग की चपेट में आसपास कोई दूसरा वाहन नहीं आया और बड़ा हादसा टल गया।

एक लेन बंद, कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार

घटना के बाद मौके पर तमाशबीनों की भीड़ जुट गई। जलते कंटेनर और लोगों की आवाजाही के कारण हाईवे की एक लेन बंद हो गई, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और वाहनों की लंबी कतार लग गई।सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने पानी की बौछारों से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद क्षतिग्रस्त कंटेनर को हटाकर यातायात सामान्य कराने की कार्रवाई शुरू की गई।प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह इंजन में तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आसमान पर सुबह से ही छाए रहे बादल, चलती रहीं ठंडी हवाएं, बारिश की संभावना

मानसून एक बार फिर सक्रिय, अगले चार दिन बारिश के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। राजधानी रायपुर में रविवार को सुबह से ही बादल छाए रहे। ठंडी हवाओं के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अगले चार दिनों तक बारिश के आसार हैं।

खासकर उत्तरी इलाकों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। रायपुर में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने यहां बारिश के साथ गरज-चमक की संभावना जताई है। वहीं दिन का अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

इन जिलों में यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में बारिश, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, जीपीएम, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर शामिल हैं।

इन क्षेत्रों में तेज हवाएं चलने, बिजली गिरने की आशंका

इन क्षेत्रों में अगले कुछ घंटों के दौरान तेज हवा के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई है। सरगुजा संभाग के कुछ जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में अब तक की मौसमी वर्षा सामान्य के आसपास रही है और इसमें करीब 8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान दुर्ग में 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंड्रा में 22 डिग्री सेल्सियस रहा।

कोरबा वनमंडल के वन परिक्षेत्र अंतर्गत भुलसीडीह के जंगल से की अवैध कटाई

वन विभाग की टीम की बड़ी कार्रवाई, चैकिंग के दौरान सागौन के 26 लट्ठे किए गए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले में वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। रात्रि गश्ती के दौरान वन विभाग की टीम ने भुलसीडीह क्षेत्र से सागौन की लकड़ी लेकर जा रहे एक बोलेरो मैक्स पिकअप को पकड़ा।

तलाशी लेने पर उसमें सागौन के 26 लट्ठे बरामद हुए। जब्त लकड़ी का कुल आयतन करीब 2 घन मीटर बताया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 85 हजार रुपये है। वन विभाग को सूचना मिली थी कि कोरबा वनमंडल के कोरबा वन परिक्षेत्र अंतर्गत भुलसीडीह के जंगल

से सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई कर लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के बाद वन अमले ने झगरहा से भुलसीडीह बैरियर के बीच वन मार्ग पर विशेष रात्रि गश्ती शुरू की। इसी दौरान जंगल की तरफ से आ रहे बोलेरो मैक्स पिकअप को वनकर्मियों ने रोककर जांच की। वाहन की तलाशी में सागौन के 26 लट्ठे मिले। चालक से लकड़ी के परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वन विभाग ने वाहन और लकड़ी को जब्त करते हुए वन अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी। मामले में वन अपराध प्रकरण पीओआर क्रमांक 5647/07, दिनांक 15 अगस्त 2026 दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। वन विभाग का कहना है कि जंगलों में अवैध कटाई और लकड़ी तस्करी रोकने के लिए रात्रि गश्ती और निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने जन विश्वास अभियान में बड़वानी के किसानों से किया संवाद

किसानों की समृद्धि और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सीएम यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बड़वानी में एचडी पद्धति से कपास उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय में हुई वृद्धि इसका सकारात्मक उदाहरण है। किसानों के सुझावों और समस्याओं को सरकार पूरी संवेदनशीलता से सुनेगी और उनके निराकरण के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को बड़वानी जिले के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जिले के किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों से खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं, अनुभवों और सुझावों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने किसानों से फसल उत्पादन, सिंचाई सुविधाओं, कृषि आदानों की उपलब्धता तथा शासन की विभिन्न योजनाओं से मिल रहे लाभ के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

खास बातें

- एचडी पद्धति से कपास उत्पादन से बढ़ी बड़वानी के किसानों की आय
- किसानों के सुझावों और समस्याओं का संवेदनशीलता से किया जाएगा

कामधेनु योजना से पशुपालन को मिला प्रोत्साहन

ग्राम बोरलाई के किसान हरिराम राठौर ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे दूध का व्यवसाय करते हैं और उन्हें डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना का लाभ मिला है। उन्होंने योजना की सराहना करते हुए बताया कि इससे पशुपालन और दुग्ध व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहायता मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को किसानों की आय का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। गोशालाओं को सरकार दे रही अनुदान- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गोशालाओं को भी अनुदान उपलब्ध करा रही है। कृषि के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं।

किसानों से सीधे संवाद से मजबूत हो रहा विश्वास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से आमजन तक पहुंचाना है। अभियान के माध्यम से सरकार स्वयं जनता के बीच पहुंचकर उनकी बात सुन रही है और समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचे, यही जन विश्वास अभियान की मूल भावना है। बड़वानी में एक तिहाई क्षेत्र में कपास की खेती- संवाद के दौरान बताया गया कि बड़वानी जिले में कृषि क्षेत्र के एक बड़े हिस्से में कपास की खेती की जाती है।

जन विश्वास शिविर के अंतर्गत सीएम ने स्कूल में छात्रों से की चर्चा

मन में उठने वाले प्रश्नों और जिज्ञासाओं को नहीं रोकें, बल्कि चर्चा कर उत्तर पाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सूर्य के प्रकाश में क्या-क्या होता है?, हवा क्या करती है? पेड़ों से हमारा क्या संबंध है ?, बिना भोजन और बिना पानी पिये हम कितने दिनो तक जिंदा रह सकते है?, हवा क्यो चलती है?, हवा को कौन बांधता है?, गति कम या ज्यादा क्यो होती है?,हमारे शरीर में विटामिन्स का क्या महत्व है? कुछ ऐसे ही रोचक प्रश्न प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जन विश्वास शिविर के अंतर्गत एकीकृत हायर सेकेण्डरी स्कूल बोरलाय पहुंचकर विद्यार्थियों से किए।

इस दौरान मुख्यमंत्री के कुछ प्रश्नों के जवाब विद्यार्थियों ने दिए। जिन प्रश्नों के जवाब नहीं दिए, उन्हें मुख्यमंत्री ने उदाहरण देकर विद्यार्थियों को समझाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विद्यार्थियों से प्रश्न पूछते समय एक शिक्षक की भूमिका निभा रहे थे, वही बच्चे भी बिना झिझक के

मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों से किया संवाद

छात्राओं से चर्चा करते सीएम।

अपने मुख्यमंत्री के प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने मन में उठने वाले प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करे। कभी भी प्रश्न पूछने में झिझक नहीं दिखाएं, विद्यार्थी जीवन सीखने का एक सशक्त माध्यम है। वैसे तो मनुष्य अपने सारे जीवनकाल में कुछ न कुछ सीखता है, परन्तु विद्यार्थी जीवन में सीखा हुआ उसे जीवन पर्यन्त याद रहता है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर ध्यान देते हुए अपने जीवन के लक्ष्य को तय करे तथा उसी दिशा में आगे बढ़े। ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की तो कोई कमी नहीं है, विद्यार्थी अपने अंदर की क्षमता को पहचाने एवं खुद को कम न आंकते हुए लक्ष्य प्राप्त करे।

सीएम ने किए श्याम बाबा के दर्शन किए, संतों का लिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बड़वानी प्रवास के दौरान ग्राम तलून स्थित श्री खाटूश्याम मंदिर में पूजा-अर्चना कर श्याम बाबा के दर्शन किए एवं संतों का आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही सीएम ने गो सेवा भी की। बाद में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जिला पदाधिकारियों से संवाद कर क्षेत्र की जमीनी स्थिति, संगठनात्मक विषयों एवं विकास कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी सहित अन्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने उप स्वास्थ्य केंद्र तलून का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बड़वानी जिले के प्रवास के दौरान दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र तलून का निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए ग्रामीणों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कम्युनिटी स्वास्थ्य अधिकारी से क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं की संख्या, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की पहचान और उनके स्वास्थ्य की निगरानी के संबंध में भी जानकारी ली।

सीएम ने बोरलाय में मैथ्स पार्क का किया उद्घाटन

गणित केवल कठिन सवालों और बड़ी-बड़ी संख्याओं का नाम नहीं है। गणित हमारे चारों ओर है, घड़ी में

समय देखने से लेकर बाजार में सामान खरीदने तक। यदि हम गणित को खेल, पहेलियों, रोचक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से सीखें, तो यह बहुत आसान और मजेदार बन सकता है। शासकीय एकीकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरलाय में बने मैथ्स पार्क का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात कही। इस दौरान उन्होंने बोरलाय स्कूल की बालिकाओं से मैथ्स पार्क में बनाए गए मॉडल की प्रशंसा करते हुए मॉडल के बारे में जानकारी प्राप्त की। बालिकाओं ने भी उत्सुकता के साथ बनाए गए हर मॉडल को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। ्राम पंचायत बोरलाय के शासकीय उच्चतर माध्यमिक के विद्यालय में 6.27 लाख रुपए की राशि से बच्चों में गणित के प्रति जागरूकता एवं खेल-खेल में सीखने के उद्देश्य से एक मैथ्स पार्क बनाया गया है। जिसमें बीज गणित, अंक गणित एवं त्रिकोणमिति के कुल 19 मॉडल बनाए गए हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी के साथ बदली ज़िंदगी

सिर्फ सफर नहीं, महिलाओं को मिली आगे बढ़ने की आज़ादी

हरिभूमि न्यूत ▶▶ भोपाल

हर बदलाव किसी बड़े भाषण से नहीं, बल्कि कई बार एक बेहतर सड़क से शुरू होता है। महिलाओं के लिए आज़ादी का अर्थ केवल अपने फैसले लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि बिना डर, रुकावट या असुविधा के शिक्षा, रोजगार और अपने सपनों तक पहुँचने की स्वतंत्रता भी है। इस बदलाव में सुरक्षित और बेहतर सड़कें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।बेहतर कनेक्टिविटी ने महिलाओं की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को आसान बनाया है। कहीं छात्राओं का कॉलेज तक सफर सुगम हुआ है, तो कहीं कामकाजी महिलाओं का यात्रा समय कम हुआ है। यही बचा हुआ समय अब उनके सपनों, परिवार और करियर को मिल रहा है। एक बेहतर सड़क उनके लिए सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह पहुँचने का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी मंजिल चुनने और उस तक स्वतंत्र रूप से पहुँचने का रास्ता बन रही है।सीहोर की छात्रा छाया रोज़ अपने पिता के साथ बाइक से कॉलेज जाती हैं।

अपने सपनों तक पहुंचने का माध्यम

वह कहती हैं, "मेरे लिए अच्छी सड़क सिर्फ आने-जाने का रास्ता नहीं, बल्कि अपने सपनों तक पहुँचने का माध्यम है।" उनके लिए सफर की आज़ादी का अर्थ है बिना अनावश्यक डर या परेशानी के शिक्षा हासिल करना और अपने भविष्य के लिए आगे बढ़ना। सड़कों के संचालन और रखरखाव से जुड़ी महिलाएँ भी इस बदलाव का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पिछले दो वर्षों से कार्यरत महिमा मालवी जैसी महिलाएं हर दिन यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाती हैं। यह दिखाता है कि आज महिलाएँ केवल सड़क का उपयोग ही नहीं कर रहीं, बल्कि देश के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर का हिस्सा बनकर उसकी जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

परिवार को भी पर्याप्त समय देने में मिलती मदद

महिला काव्या के लिए बेहतर सड़क का अर्थ है सुरक्षित और समय पर सफर। उनका कहना है कि कम यात्रा समय उन्हें अपने काम के साथ परिवार को भी पर्याप्त समय देने में मदद करता है। असली आज़ादी अपने जीवन के फैसले स्वयं लेने और बिना किसी बाधा के अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने में है।बेहतर सड़कें केवल दूरियाँ कम नहीं करतीं, बल्कि महिलाओं के लिए अवसरों के नए रास्ते भी खोलती हैं। वहीं, सड़कों के संचालन और रखरखाव में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी यह संदेश देती है कि आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर केवल लोगों को जोड़ता ही नहीं, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व, जिम्मेदारी और नए अवसर भी प्रदान करता है।आज़ादी की असली भावना तब और मजबूत होती है, जब महिलाएँ अपने सफर का फैसला खुद कर सकें।

गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर हर्षोल्लास से फहराया तिरंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ म.प्र. जबलपुर के तत्वावधान में गहोई वैश्य पंचायती भवन समिति एवं सकल समाज के द्वारा 80वां स्वतंत्रता दिवस उल्लास पूर्वक आयोजित

किया गया। तमरहाई चौक स्थित गहोई वैश्य समाज पंचायती भवन में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ संघ अध्यक्ष इंजी. कमल कान्त गुप्ता बहरे एवं अन्य पदाधिकारियों ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ संघ दिशानिर्देशक समिति सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष नन्द किशोर नीखरा, गहोई वैश्य समाज अध्यक्ष इं. रामगोपाल ददरया, वरिष्ठ संघ उपाध्यक्ष एडवोकेट उत्तम चंद बिलैया, महामंत्री संतोष कुमार सुहाने, केजी आजाद मोदी गांववासी, वरिष्ठ समाजसेवी रज्जन बाबू बरसैयां, प्रचार मंत्री खेमचंद गुप्ता सोनी, श्रीमती सविता सरावगी, समाज सहकोषाध्यक्ष राजू बांगर आदि वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ संघ कार्यवाहक अध्यक्ष विजय बडौनयां, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सीता सरावगी, सह कोषाध्यक्ष इं. कृष्णकांत बरसैयां, सतीश कुमार कुचया, विष्णु दयाल ब्रिजपुरिया, गोविंद सरावगी, कृष्ण कुमार पिपरसानियां सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्व. श्रीमती उषा सोहाने की स्मृति में चल रहे सेवा अभियान के अंतर्गत 11वाँ कार्यक्रम संपन्न

उषांकर ट्रस्ट स्वास्थ्य शिविर में हुआ 200 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

स्व. श्रीमती उषा सोहाने की श्रद्धांजलि के अवसर पर उषांकर चैरिटेबल एंड एजुकेशनल ट्रस्ट ने 1 से 20 अगस्त 2026 तक चलाए जा रहे विशेष सेवा एवं जनकल्याण अभियान के अंतर्गत ट्रस्ट की जबलपुर शाखा द्वारा 11वें सेवा कार्यक्रम के रूप में एमजीजी पैलेस, दमोह नाका, जबलपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों एवं जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम ट्रस्टी श्रीमती तृप्ति बरसैया एवं अरुण सरावगी के मार्गदर्शन तथा कैम्प प्रभारी संदीप बरसैया के निर्देशन में आयोजित किया गया। आयोजन में संजय प्यासी, श्रेणिक जैन, अनुभव मातेले एवं राजेंद्र मातेले सहित विजय सोहाने, कमलकांत गुप्ता, श्रीमती पारुल बड़ेरिया एवं श्रीमती रागिनी सरावगी ने सहयोग प्रदान किया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 200 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में डॉ. आशीष डेंगरा, डॉ. अमित जैन कोटवाले, डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. नीरज बड़ेरिया, डॉ. कमलेश गुप्ता, डॉ. चिराग सुहाने एवं डॉ. पुष्पराज केशरवानी सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। शिविर में अजय शर्मा, सरस्वती चन्द्र एवं

नितेश सिंह के विशेष सहयोग से जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। दवा वितरण हेतु रहा। साथ ही भारत लैब्स से नरेंद्र सिंह टुटेजा, इंदौर ने पैथोलॉजी जांच की व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। एक्स-रे की निःशुल्क व्यवस्था मेट्रो हॉस्पिटल के डॉ. राजीव बड़ेरिया द्वारा कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. श्रीमती उषा सोहाने एवं शंकर लाल के छायाचित्र पर अतिथियों एवं चिकित्सकों द्वारा माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विशेष अतिथि अभिषेक गौर, सीएसपी कोतवाली एवं राकेश बड़ेरिया उपस्थित रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन में सुश्री सविता सोहाने ने ट्रस्ट की सेवा गतिविधियों एवं स्व. श्रीमती उषा सोहाने की स्मृति में चलाए जा रहे अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण सरावगी ने किया। पंजीयन व्यवस्था संभाल रहे संजोग नौगरईया एवं दुर्गा प्रसाद को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान लगे बुक स्टॉल का संचालन श्रीमती आशा सोहाने व सुश्री हर्षिता बरसैया ने किया।

एसीएस नीरज मंडलोई ने सीएमओ में हर दिन तय की ड्यूटी

मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्यमंत्री निवास में होने वाली बैठकों कार्यक्रमों और आम लोगों से मुलाकात को लेकर नया रोस्टर जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री कार्यालय ने अधिकारियों के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में अधिकारी आम लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और बैठकों व कार्यक्रमों का समन्वय भी करेंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्यमंत्री निवास में होने वाली बैठकों, कार्यक्रमों और आम लोगों से मुलाकात को लेकर नया रोस्टर जारी किया गया है। इसके तहत सप्ताह के अलग-अलग दिनों में सचिव, अपर सचिव और उप सचिव स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी तय की गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई की ओर से जारी आदेश के अनुसार, अधिकारी मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों और बैठकों में समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा, मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में उनसे मिलने आने वाले लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनेंगे। नई व्यवस्था के तहत मंत्रालय और मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) दोनों जगह अधिकारियों की तैनाती की गई है।

इस तरह रहेगी अधिकारियों की ड्यूटी

सोमवार- सचिव डॉ. सुदाम खाड़े और अपर सचिव अरविंद दुबे
मंगलवार- सचिव डॉ. सुदाम खाड़े और अपर सचिव अरुण परमार
बुधवार- सचिव कौशलेंद्र विक्रम सिंह और उप सचिव सुधीर कोचर
गुरुवार- सचिव डॉ. इलैया राजा टी. और उप सचिव आदित्य शर्मा
शुक्रवार- सचिव कौशलेंद्र विक्रम सिंह और अपर सचिव अरुण परमार

समत्व भवन में इस तरह रहेगा रोस्टर

सोमवार- सचिव कौशलेंद्र विक्रम सिंह और उप सचिव सुधीर कोचर
मंगलवार- सचिव डॉ. इलैया राजा टी.और आदित्य शर्मा
बुधवार- सचिव डॉ. सुदाम खाड़े और अपर सचिव अरविंद दुबे
गुरुवार- सचिव डॉ. सुदाम खाड़े और अपर सचिव अरविंद दुबे
शुक्रवार- कुमार पुरुषोत्तम और अपर सचिव अरुण परमार
शनिवार- सचिव डॉ. इलैया राजा टी. और उप सचिव आदित्य शर्मा
रविवार- सचिव कौशलेंद्र विक्रम सिंह और उप सचिव सुधीर कोचर

भारतीय बाजार पर फिदा विदेशी निवेशक,15 दिनों में डाले 16,621 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की खरीदारी का सिलसिला अगस्त में लगातार दूसरी महीने जारी है। अगस्त के पहले पखवाड़े में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 16,621 करोड़ का निवेश किया है। बेहतर मूल्यांकन, कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों और अमेरिका में ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद ने निवेशकों के रुख को सकारात्मक बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

'ट्रैक' के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी वेदांत गुप्ते के मुताबिक, अगस्त में एफपीआई की खरीदारी से संकेत मिलता है कि पहले की बिकवाली मुख्य रूप से वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से प्रेरित थी, न कि भारत को लेकर किसी बड़ी चिंता के कारण। उन्होंने कहा कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, कच्चे तेल की नरम कीमतें और रुपए में स्थिरता ने विदेशी निवेशकों के लिए भारत से दूरी बनाए रखने के तीन प्रमुख कारणों को काफी हद तक कम कर दिया है। हालांकि, आने वाले दिनों में विदेशी निवेशकों का रुख वैश्विक संकेतकों पर निर्भर रहेगा। अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल, डॉलर सूचकांक, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के आमदनी के अनुमान में बदलाव एफपीआई प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं।

दो महीनों की खरीदारी ने चार माह की भारी बिकवाली के रुख को पलटा

जुलाई में 20,200 करोड़ का किया था निवेश

इससे पहले जुलाई में भी एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 20,200 करोड़ का निवेश किया था। इस तरह लगातार दो महीनों की खरीदारी ने चार माह तक चले भारी बिकवाली के रुख को पलट दिया है। इस साल विदेशी निवेशकों ने मार्च में 1.17 लाख करोड़, अप्रैल में 60,847 करोड़, मई में 32,963 करोड़ और जून में 49,340 करोड़ की निकासी की थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया था। हालांकि, हालिया खरीदारी के बावजूद एफपीआई 2026 में अब भी भारतीय शेयरों के शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। इस साल अब तक उनकी निकासी करीब 2.4 लाख करोड़ रही है, जो पूरे 2025 में हुई 1.66 लाख करोड़ की निकासी से भी अधिक है।

भारतीय बाजार में बढ़ा विदेशी निवेशकों का भरोसा

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के अपेक्षाकृत आकर्षक मूल्यांकन, कंपनियों के मजबूत नतीजों, अमेरिका में संभावित ब्याज दर कटौती, कच्चे तेल की नरम कीमतों और रुपए में कम उतार-चढ़ाव ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। वल्लम कैपिटल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और पोर्टफोलियो प्रबंधक मनीष भंडारी ने कहा कि भारत के बेहतर मूल्यांकन, मजबूत कॉरपोरेट आय, अमेरिका में नरम ब्याज दरों की उम्मीद और मुद्रा बाजार में स्थिरता विदेशी निवेश को आकर्षित करने वाले प्रमुख कारण हैं।' उन्होंने कहा कि निवेशक दक्षिण कोरिया और ताइवान के अत्यधिक लोकप्रिय एआई शेयरों से कुछ पूंजी भारत की ओर भी मोड़ रहे हैं।

खबर संक्षेप

जिंदल स्टील करेगी 900 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। जिंदल स्टेनलेस अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 900 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने बताया कि इस निवेश से कंपनी की कोल्ड रोलिंग क्षमता मौजूदा के 205 लाख टन सालाना से बढ़कर वित्त वर्ष 2027-28 तक 267 लाख टन हो जाएगी। कोल्ड रोलिंग का आशय इस्पात को कमरे के तापमान के आसपास, बिना गर्म किए, रोलर्स के बीच से दबाकर उसकी मोटाई कम करना और आकार/गुण बदलने से है। कंपनी यह निवेश हिसार और खड़गपुर में करेगी।

ईसीबी से 40 करोड़ डॉलर जुटाएगा इंडियन बैंक

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक कारोबार विस्तार के लिए इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिए 40 करोड़ डॉलर जुटाने की तैयारी में है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा का लाभ उठाते हुए बैंक दिसंबर, 2026 तक अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर भी जुटा सकता है। कुमार ने कहा कि बैंक की योजना ईसीबी के माध्यम से करीब एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा के जरिए लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है।

अंबर एंटरप्राइजेज करेगी ओप्पो वनप्लस, रियलमी का विनिर्माण

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा कंपनी अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया मार्च, 2027 की तिमाही से चीन की स्मार्टफोन कंपनियों के ब्रांड ओप्पो, वनप्लस और रियलमी के लिए भारत में मोबाइल फोन का विनिर्माण शुरू करने की तैयारी में है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जसबीर सिंह ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की चौथी तिमाही में परीक्षण उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

दिल्ली एयरपोर्ट की बढ़ेगी यात्री क्षमता

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डा अगले 10 साल के प्रस्तावित मास्टर प्लान के तहत अपनी सालाना यात्री संभालने की क्षमता मौजूदा के 10.6 करोड़ से बढ़ाकर 12.5 करोड़ करने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। मास्टर प्लान के तहत विस्तार के हिस्से के रूप में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) अप्रैल, 2030 तक टर्मिनल-3 (टी3) में एक नया पियर-ई बनाने की भी योजना बना रही है, जिसकी यात्री क्षमता एक करोड़ होगी। फिलहाल टर्मिनल-4 बनाने या स्वचालित यात्री परिवहन प्रणाली (एपीएम) स्थापित करने पर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

पश्चिम एशिया संकट का असर: 21 कंपनियों को करना पड़ेगा 63,810 टन प्रतिदिन उत्पादन

एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम, तय किया कोटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान आयातित रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद अब सरकार ने घरेलू तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन बढ़ाने के लिए पहली बार अलग-अलग रिफाइनरी इकाइयों और तेल-गैस कंपनियों के लिए अधिकतम उत्पादन लक्ष्य तय किए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के 13 अगस्त के आदेश के तहत 21 रिफाइनरी और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन का तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन क्षमता निर्धारित की गई है। यह 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के घरेलू एलपीजी उत्पादन का दोगुना से भी अधिक है। साथ ही यह आंकड़ा देश की 70 प्रतिशत दैनिक खपत के बराबर है। ये लक्ष्य आपूर्ति में कमी की स्थिति में लागू होंगे।

- सरकार ने पहली बार तय किए एलपीजी उत्पादन के लक्ष्य, रिफाइनरियों को मिला अल्टीमेटम

2025-26 में 3.32 करोड़ टन एलपीजी की खपत

भारत में वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 3.32 करोड़ टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि घरेलू उत्पादन लगभग 1.31 करोड़ टन रहा। करीब 2.13 करोड़ टन एलपीजी का आयात करना पड़ा। यानी देश अपनी एलपीजी जरूरत का 64 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। सरकार का यह कदम उस संकट की पृष्ठभूमि में आया है, जब पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरुमध्य से एलपीजी का आयात प्रभावित हुआ था। उस दौरान घरेलू एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए रिफाइनरी कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति सीमित करने तथा घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग की अवधि बढ़ाने जैसे कदम उठाने पड़े थे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज करेगा 18 हजार टन एलपीजी उत्पादन

नए आदेश के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर स्थित घरेलू बाजार के लिए संचालित रिफाइनरी को सबसे बड़ा लक्ष्य दिया गया है। उसे जरुरत पड़ने पर 18,000 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन करना होगा। वहीं, रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी के लिए 4,480 टन प्रतिदिन का लक्ष्य तय किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की 18 रिफाइनरी इकाइयों को मिलाकर 31,470 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। रिलायंस की जामनगर स्थित केवल निर्यात के लिए संचालित दूसरी रिफाइनरी के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

सरकार करेगी उत्पादन लक्ष्यों की समीक्षा

नए ढांचे में कंपनियों को एलपीजी के भंडारण, निकासी और परिवहन के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा बनाए रखने तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य उपाय करने को कहा गया है। इनमें जरूरत पड़ने पर नैफ्था को एलपीजी में बदलना और फ्लूइड कैटेलिटिक क्रैकिंग इकाइयों को उन्नत करना भी शामिल है। सरकार हर छह महीने में उत्पादन लक्ष्यों की समीक्षा करेगी। नई रिफाइनरी, नए तेल-गैस क्षेत्रों और तकनीकी उन्नयन से पैदा होने वाली अतिरिक्त क्षमता को भी इसमें शामिल किया जा सकेगा। इस तरह सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान उठाए गए अस्थायी कदमों को अब एक स्थायी आपूर्ति-सुरक्षा व्यवस्था का रूप देने की कोशिश की है, ताकि भविष्य में विदेशी एलपीजी आपूर्ति बाधित होने पर घरेलू उपभोक्ताओं को कमी, राशनिंग या रिफिल पर प्रतिबंध जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

सरकारी अनुबंधों में डब्ल्यूपीआई की जगह आएगा पीपीआई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से भविष्य के सरकारी खरीद अनुबंधों में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने को कहा है। व्यय विभाग ने 13 जुलाई के एक कार्यालय ज्ञापन में कहा कि जब पीपीआई उपलब्ध हो जाए, तब भविष्य के अनुबंधों में मूल्य-वृद्धि और दर समायोजन की धाराओं में डब्ल्यूपीआई के स्थान पर पीपीआई को अपनाने के लिए मंत्रालयों और विभागों को प्रोत्साहित किया जाए।

- उत्पादक स्तर पर कीमतों में बदलाव को बेहतर ढंग से दर्शाता है पीपीआई

पीपीआई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य सूचकांक

सरकारी अनुबंधों में मूल्य वृद्धि या दर परिवर्तन की धारा के तहत परियोजना के दौरान सामग्री, श्रम और ईंधन जैसी प्रमुख लागत में बदलाव के अनुसार भुगतान में समायोजन किया जाता है। इससे महंगाई के प्रभाव को सरकार और ठेकेदार के बीच बांटने में मदद मिलती है। सरकार का मानना है कि पीपीआई उत्पादक स्तर पर कीमतों में बदलाव को बेहतर ढंग से दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अधिक स्वीकार्य सूचकांक है। भारत में वाणिज्य मंत्रालय ने जून, 2026 से वस्तुओं और सेवाओं के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू किया है।

विनिर्मित उत्पादों का सबसे अधिक भारांश

वस्तुओं के पीपीआई में विनिर्मित उत्पादों का सबसे अधिक 69.93 प्रतिशत भारांश है। इसके बाद कृषि, वानिकी और मत्स्य क्षेत्र का 22.16 प्रतिशत, बिजली का 4.49 प्रतिशत तथा खनन एवं संबद्ध क्षेत्र का 3.42 प्रतिशत भारांश है। सेवा क्षेत्र में पहले चरण में सात सेवाओं....बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन कोष प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री सेवाओं और दूरसंचार को शामिल किया गया है। बाकी सेवाओं को अगले चरण में शामिल किया जाएगा। पीपीआई की शुरुआत को विकसित अर्थव्यवस्थाओं में अपनाई जाने वाली व्यवस्था के अनुरूप माना जा रहा है। यह कदम डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर भारत के संभावित दीर्घकालिक बदलाव का संकेत देता है।

आईपीओ बाजार में धमाका, 7 कंपनियों के इश्यू से जुटेंगे 6,400 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर हलचल बढ़ने वाली है। इस सप्ताह सात कंपनियां आईपीओ के जरिए सामूहिक रूप से करीब 6,400 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में हैं। इनमें ब्लैकस्टोन समर्थित होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट भी शामिल हैं।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट के आईपीओ 17 अगस्त को खुलेंगे। होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स 2,600 करोड़ रुपए का आईपीओ ला रही है, जिसका मूल्य दायरा 57 रुपए से 60 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई पूरी राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने में करेगी। वहीं, ललिता ज्वेलरी मार्ट ने अपने 1,700 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए 190 रुपए से 201 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 1,200 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही इसमें 500 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है।

टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स के होंगे नए शेयर जारी

इसके बाद 20 अगस्त को टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) का आईपीओ खुलेगा। कंपनी 95 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी, जबकि 1.85 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी इसमें शामिल होगी। ऑगमॉन्ट एंटरप्राइजेज का 825 करोड़ रुपए का आईपीओ 21 अगस्त को खुलेगा। कुल मिलाकर ये सातों कंपनियां आईपीओ के जरिए 6,400 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद कर रही हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, इन आईपीओ के साथ 2026 में अब तक सार्वजनिक निर्गम लाने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर 55 होने की उम्मीद है।

18 को खुलेंगे शंकेश ज्वेलर्स और सनशाइन पिक्चर्स के आईपीओ

इसके बाद 18 अगस्त को शंकेश ज्वेलर्स और सनशाइन पिक्चर्स के आईपीओ खुलेंगे। शंकेश ज्वेलर्स का निर्गम 367 करोड़ रुपए का है और इसका मूल्य दायरा 88 रुपए से 93 रुपए प्रति शेयर है। सनशाइन पिक्चर्स 282 करोड़ रुपए जुटाएगी और इसके शेयर का मूल्य दायरा 342 रुपए से 360 रुपए तय किया गया है। बाद में 19 अगस्त को गाजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट का 550 करोड़ रुपए का आईपीओ खुलेगा। कंपनी गाजा कैपिटल ब्रांड के तहत काम करती है। आईपीओ में 450 करोड़ रुपए तक के नए शेयर और 100 करोड़ रुपए तक की बिक्री पेशकश शामिल है। शेयर का मूल्य दायरा 152 रुपये से 160 रुपये प्रति शेयर रखा गया है।

फंड की किल्लत और खाली कुर्सी पर अटकी यूनिटेक खरीदारों की सांसें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संकट में फंसी रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड के हजारों घर खरीदारों ने अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए धन की कमी पर चिंता जताई है। खरीदारों ने मांग की है कि कंपनी की खाली पड़ी संपत्तियों की नीलामी कर निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। यूनिटेक के पांच घर खरीदार संघों ने सरकार और उच्चतम न्यायालय से कंपनी के नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) की नियुक्ति जल्द करने की भी अपील की है। कंपनी में यह पद करीब एक महीने से खाली है। यूनिटेक के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक युधवीर सिंह मलिक का कार्यकाल 20 जुलाई, 2026 को समाप्त हो गया था। खरीदार संगठनों के मुताबिक, नए सीएमडी की नियुक्ति के लिए कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की ओर से नाम भी प्रस्तावित किया जा चुका है, लेकिन उच्चतम न्यायालय की मंजूरी अभी बाकी है। यूनिटेक पर दिल्ली-एनसीआर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं को पूरा करने का दबाव है। कंपनी की परियोजनाओं में करीब 15,000 खरीदार फंसे हुए हैं और कई परियोजनाओं में 15 साल से अधिक की देरी हो चुकी है।

यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन ने हस्तक्षेप की मांग

यूनिवर्ल्ड चेन्नई ओनर्स एसोसिएशन ने भी उच्चतम न्यायालय से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वहीं, एल्डर ग्रोव विला ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने ऋणदाताओं के दावों का दोबारा आकलन करने और उन पर ब्याज भुगतान नहीं करने की मांग की है। यूनिटेक के एंथिया फ्लोर्स के खरीदार संघ ने भारतीय रिजर्व बैंक से 2005 के बाद यूनिटेक को दिए गए कर्ज का विशेष ऑडिट कराने की मांग की है। संघ ने ऋण मंजूरी और निगरानी में हुई संभावित खामियों की पहचान कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग भी की है।

16 साल से घरों का इंतजार कर रहे ग्राहक

गुरुग्राम स्थित एस्पेस प्रीमियर ओनर्स एसोसिएशन ने कहा कि उसके सदस्य 16 साल से अपने घरों का इंतजार कर रहे हैं। संघ की अध्यक्ष विभा बत्रा ने कहा कि 2010-11 में बुक किए गए घरों की आपूर्ति 2013-14 में होनी थी, लेकिन वे अब भी अधूरे हैं। खरीदारों के मुताबिक, परियोजनाओं को पूरा करने में सबसे बड़ी बाधा चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक की नियुक्ति में देरी और निर्माण के लिए पर्याप्त धन की कमी है। उनका अनुमान है कि सभी अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए करीब 11,000-12,000 करोड़ रुपए की जरूरत होगी, जबकि ग्राहकों से लगभग 3,000 करोड़ रुपए ही जुटाए जा सकते हैं।

एयरटेल के चुनिंदा प्रीपेड पैक बंद!, महंगे प्लान्स की तरफ धकेले जा रहे ग्राहक

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने चुनिंदा प्रीपेड पैक बंद करने का फैसला किया है, जिससे प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) में चार से 12 रुपए तक की वृद्धि हो सकती है। ब्रोकरेज कंपनियों ने यह अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि दूरसंचार कंपनी ने प्रीमियम सेवाओं को बढ़ावा देने और मौद्रीकरण को गति देने के लिए लक्षित प्लान बदलावों का सहारा लिया है। कुछ विश्लेषकों ने इन बदलावों को सभी प्लान पर व्यापक या औपचारिक शुल्क वृद्धि के बजाय ग्राहकों को 'अपग्रेड' के लिए प्रेरित करने के रूप में देखा है। भारती एयरटेल ने हाल में चार प्रीपेड प्लान - 299 रुपए, 579 रुपए, 619 रुपए और 649 रुपए को वापस ले लिया, जिससे लोकप्रिय 299 रुपए वाले प्लान के ग्राहकों के पास चुनने के लिए अधिक महंगे विकल्प ही बचे हैं।

5 दिग्गजों को 1 लाख करोड़ का झटका, टीसीएस का मार्केट कैप घटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह गिरावट के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 5 के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1 लाख करोड़ रुपए की कमी आई। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान हुआ।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 489.92 अंक यानी 0.62 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 204.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत के नुकसान में रहा। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्य में कुल मिलाकर करीब एक लाख करोड़ रुपए की कमी हुई।

एयरटेल, बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत बढ़ी

दूसरी ओर भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत बढ़ गई। इस कंपनियों के मूल्यांकन में कुल 55,149.45 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 34,263.28 करोड़ रुपए घटकर 8,53,506.85 करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 31,869.13 करोड़ रुपए घटकर 17,70,056.06 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 25,891.88 करोड़ रुपए घटकर 9,85,829.96 करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,165.37 करोड़ रुपए घटकर 11,20,802.10 करोड़ रुपए रहा।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 2,079.38 करोड़ रुपए बढ़कर 4,90,888.35 करोड़ रुपए हो गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद क्रमशः भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त, इस हफ्ते बड़े उलटफेर के आसार

ग्लोबल तनाव और विदेशी निवेशकों पर बाजार की नजर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरुमध्य की स्थिति, अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद अब निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रमों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भी रहेगी।

- विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह पर बाजार की नजर

कच्चे तेल की दिशा बाजार के महत्वपूर्ण कारक

रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, 'निकट अवधि में होर्मुज जलडमरुमध्य से जुड़े घटनाक्रम और ब्रेंट कच्चे तेल की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण कारक होंगे। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त हो चुका है और आने वाला सप्ताह आंकड़ों के लिहाज से अपेक्षाकृत हल्का रहेगा। ऐसे में निवेशकों का ध्यान वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर रहेगा।' फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे से भी फेडरल रिजर्व के नीतिगत परिदृश्य को लेकर संकेत मिलेगा। एफओएमसी की बैठक का ब्योरा 19 अगस्त को जारी होगा। यदि फेडरल रिजर्व का रुख अपेक्षा से अधिक आक्रामक दिखाई देता है, तो इससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी बढ़ सकती है और भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।

अमेरिका-ईरान तनाव पर रहेगी निवेशकों की नजर

एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर. ने कहा कि इस सप्ताह निवेशकों का ध्यान होर्मुज जलडमरुमध्य और व्यापक अमेरिका-ईरान तनाव पर बना रहेगा। इसके अलावा एफओएमसी की बैठक के ब्योरे और विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह पर भी बाजार की नजर होगी। बजाज ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (शोध) पबित्रो मुखर्जी ने कहा कि निवेशक कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखेंगे।

चीन के आर्थिक आंकड़े होंगे प्रमुख संकेतक

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि कच्चा तेल, भू-राजनीतिक घटनाक्रम, एफओएमसी की बैठक का ब्योरा और चीन के आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाले प्रमुख संकेतक होंगे। इनसे वैश्विक आर्थिक वृद्धि और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति को लेकर आगे की तस्वीर स्पष्ट हो सकती है। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 489.92 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 204.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत नीचे आया।

चिंतन

बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी

आतंकवाद की दुनिया में आजकल बंदूक से पहले विचारधारा पहुंचती है और इसका सबसे आसान निशाना बनते हैं कम उम्र के बच्चे और युवा। इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन नेटवर्क ने कट्टरपंथी संगठनों को युवाओं और बच्चों तक पहुंच बनाने का आसान तरीका उपलब्ध करवाया है। इसके जरिये आतंकी और कट्टरपंथी नेटवर्क कम उम्र के बच्चों और युवाओं तक पहुंच बना रहे हैं। ऐसे में बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना बेहद जरूरी हो गया है। यह नजर जासूसी के लिए नहीं, बल्कि उन्हें गलत दिशा में जाने से रोकने के लिए होनी चाहिए। आज का बच्चा इंटरनेट की ऐसी दुनिया में बड़ा हो रहा है, जहां दोस्ती, बातचीत, मनोरंजन और जानकारी के साथ-साथ गलत विचारधाराएं और संदिग्ध नेटवर्क भी मौजूद हैं। किसी अनजान व्यक्ति का संदेश, किसी ऑनलाइन ग्रुप का निमंत्रण या लगातार मिलने वाला भावनात्मक कंटेंट धीरे-धीरे बच्चे की सोच को प्रभावित कर सकता है। हाल के मामलों ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। बेंगलुरु में पश्चिम बंगाल के 23 वर्षीय युवक आसफुल मलिक की गिरफ्तारी से जुड़े आरोपों में संदिग्ध ऑनलाइन संपर्क और प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी से संबंधों की जांच सामने आई है। उसके अफगानिस्तान जाने की कथित योजना और भारत में हिंसक गतिविधियों के लिए उकसाए जाने की भी जांच हो रही है। यह मामला यह समझने के लिए काफी है कि कट्टरपंथीकरण को केवल बच्चों की समस्या मानना गलत होगा। किशोरों के साथ-साथ 20-25 वर्ष के युवा भी इसके निशाने पर हो सकते हैं। पाकिस्तान आधारित हैंडलरों द्वारा भारतीय युवाओं को सोशल मीडिया के जरिए कथित तौर पर फंसाने की जांच भी इसी खतरे की दूसरी तस्वीर दिखाती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर, बेरोजगार या किसी तरह की परेशानी से जूझ रहे युवाओं को पहले पैसों और मदद का लालच दिया जाता है। 12 से 25 हजार रुपये जैसी रकम से शुरुआत कर छोटे काम करवाए जाते हैं। पहले फोटो और वीडियो, फिर किसी स्थान की रेकी और आगे चलकर हिंसक गतिविधियों तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है। यानी किसी युवा को आतंकी नेटवर्क का हिस्सा बनाने की प्रक्रिया अचानक नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे उसके भरोसे और कमजोरियों का इस्तेमाल किया जाता है। यहीं परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। माता-पिता को बच्चे के मोबाइल की हर गतिविधि पर शक करने के बजाय उसके डिजिटल व्यवहार को समझना चाहिए। निगरानी का मतलब बच्चे की निजता खत्म करना नहीं है। घर में संवाद का ऐसा वातावरण जरूरी है, जहां बच्चा अपनी उलझन, गुस्सा, असहमति और ऑनलाइन अनुभव खुलकर बता सके। स्कूल और कॉलेजों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें डिजिटल साक्षरता, फर्जी जानकारी की पहचान, ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रचार और साइबर सुरक्षा के बारे में भी जागरूक करना होगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को संदिग्ध ऑनलाइन नेटवर्क पर नजर रखनी होगी। किसी बच्चे के व्यवहार में बदलाव दिखे तो उसे अपराधी मानने के बजाय समझने और मदद करने की कोशिश हो। आज आतंक का खतरा केवल सड़क, सीमा या किसी संदिग्ध ठिकाने पर नहीं है। वह मोबाइल की स्क्रीन के दूसरी तरफ भी हो सकता है। इसलिए बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना अब विकल्प नहीं, समय की जरूरत है।

विकराल हो रहा जलवायु परिवर्तन संकट

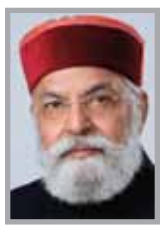

पर्यावरण
ज्ञानेन्द्र रावत

जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

जलवायु परिवर्तन का संकट अब दिनोंदिन जानलेवा होता जा रहा है। दरअसल दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरा करने के लिए कोयला, तेल और गैस का जो बेतहाशा इस्तेमाल हो रहा है, उससे होने वाले उत्सर्जन से जलवायु लक्ष्यों की पूर्ति असंभव है। तापमान बढ़ोतरी डेढ़ डिग्री सीमित रखने के लिए 2030 तक अपने उत्सर्जन को आधा करने के लक्ष्य की दिशा में कोई कारगर पहल न होने के परिणाम दिनोंदिन और भयावह होते जा रहे हैं। फिर जलवायु परिवर्तन की विभीषिका की रोकथाम के लिए बनी वैश्विक सहमति भी बीते सालों में कमजोर पड़ी है। इसके साथ-साथ वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के स्तर में हो रही बढ़ोतरी ने चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती चली जा रही है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि जलवायु परिवर्तन से न केवल मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, उसकी सेहत पर आयेदिन खतरा बढ़ता जा रहा है, बच्चों का भविष्य छिनता जा रहा है, वह लोगों में अकेलापन बढ़ा रहा है, महिलाओं पर गंभीर असर डाल रहा है, दुनिया की बहुमूल्य धरोहरों के अस्तित्व के संकट को बढ़ा रहा है, साथ ही वह दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियों के घर ही नहीं छीन रहा है बल्कि उन पर विलुप्ति का खतरा भी मंडराने लगा है।

दुनिया के हालिया शोध और अध्ययन इसके जीते-जागते सबूत हैं। वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आने वाले समय में आशंकित विकट परिस्थितियों को लेकर चिंतायें बढ़ाती जा रही हैं। सबसे बड़ी चिंता इस बात की है और एक अध्ययन में इस बात का खुलासा भी हुआ है कि यदि तापमान वृद्धि की दर इसी तरह बढ़ती रही तो साल 2085 तक भूमि पर एक तिहाई से ज्यादा जीव आवास यानी एनिमल हैबिटेट जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव (लू) या जंगल में आग लगने जैसी चरम घटनाओं की चपेट में आ सकते हैं। यही नहीं, जलवायु परिवर्तन की रफ्तार यही बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया की हजारों पौध-प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास के बड़े हिस्से से न केवल महरूम हो जाएंगी, बल्कि बहुतेरी पौध-प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हे जाएगा। यह संकट तेजी से शून्य उत्सर्जन की दिशा में कदम उठाने से इन दुष्प्रभावों को काफी हद तक टाला जा सकता है। जर्मनी की पाट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंफैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और विशेष रूप से चरम घटनाओं संरक्षण योजना के संदर्भ में अभी भी बहुत कम आंका जा रहा है। यह केवल कई बरसों में तापमान का धीरे-धीरे बदलाव नहीं होगा। कई चरम घटनायें संयुक्त प्रभाव डाल सकती हैं और जैव विविधता के लिए सहकारी खतरे का निर्माण कर सकती हैं। दरअसल दुनियाभर में बढ़ता तापमान अब सिर्फ इंसान और जानवरों के लिए ही नहीं, बल्कि ऋतुओं के लिए भी खतरनाक बनता जा रहा है। धरती के वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर आज उस मुकाम पर आ पहुंच गया है जो मानव इतिहास में कभी नहीं रहा। यदि हमने समय रहते कड़े कदम नहीं उठाये, तो दुनिया के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाना मुश्किल हो जाएगा और ऋतुचक्र जो मानव सभ्यता के फलने-फूलने का आधार

था, पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। जहां तक भारत का सवाल है, हमारी पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतुचक्र से रही है। पर अब यह चक्र टूट रहा है। इसका अहम कारण जलवायु परिवर्तन है। धरती की गर्म सांसों के चलते ऋतुओं की लय बिगड़ती जा रही है। मौसम का यह बदला हुआ मिजाज केवल आंकड़ों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह अब आम आदमी की जीवन शैली को भी गहरे तक प्रभावित कर बदल रहा है। मानसून का समय अनिश्चित है। बेमौसम वर्षा से फसलें बर्बाद हो रही हैं। नतीजतन कृषि घाटा बढ़ता जा रहा है। सच्चाई यह है कि जलवायु परिवर्तन ने भारत के भौगोलिक पैटर्न को ही बदल दिया है। जो घटनाएं पहले बरसों में एक आध बार होती थीं, वे अब सामान्य यानी आए दिन होने लग गई हैं। राजस्थान और लेह जैसे शुष्क और रेगिस्तानी इलाकों में अब बाढ़ आना आम बात हो गई है। पहाड़ी राज्यों और हिमालयी इलाकों में सालभर तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। इसके दुष्परिणाम स्वरूप ग्लेशियरों के पिघलने और पारिस्थितिक तंत्र के बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। निष्कर्ष यह कि अब देश में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है। सर्दी, गर्मी और बारिश के बीच की स्पष्ट रेखायें अब धुंधली पड़ने लगी हैं। दरअसल तापमान बढ़ोतरी की दर यदि 1.5 डिग्री तक न रोकी गई तो इसकी सबसे ज्यादा बड़ी कीमत भारत को चुकानी होगी। भारत के लगभग 60 करोड़ लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। तापमान बढ़ने से मिट्टी तेजी से सूखने लगेगी। उस दशा में मिट्टी की नमी बरकरार रखने के लिए अधिकाधिक तादाद में भूजल निकालना होगा। परिणामस्वरूप भूजल स्रोत सूखने के कगार पर पहुंच जाएंगे। चूंकि हमारा देश गेहूं व धान का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, ऐसी स्थिति में भूजल के सूखने के चलते गेहूं और धान की फसल पर बुरा असर पड़ेगा। यही नहीं, मत्स्य पालन, बागवानी और पशुपालन पर भी असर पड़े बिना नहीं रहेगा। यहां इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि तापमान में एक फीसदी की बढ़ोतरी बादलों में सात फीसदी से ज्यादा पानी भर देगा। नतीजतन बादल फटेंगे और उस दशा में बाढ़ और भूस्खलन की भयावहता का खतरा बढ़ेगा। वैज्ञानिकों की राय है कि ग्लेशियर के पिघलने से भूस्खलन का खतरा बना रहता है। इनके सूख जाने पर गंगा जैसी सदानीरा नदियों के बरसाती नदी के रूप में तब्दील होने और आसन्न जल संकट की विकरालता से कभी भी दो चार होना पड़ सकता है। यदि बीते सालों में किए गए सर्वेक्षणों की मानें तो भारत के 85 फीसदी लोग जलवायु परिवर्तन से चिंतित हैं और 87 फीसदी चाहते हैं कि उसकी रोकथाम के शीघ्र उपाय किए जाने चाहिए। वैश्विक तापमान को अगले सौ वर्षों में डेढ डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य हासिल कर लेने के बावजूद विश्व के संवेदनशील क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचा पाना आसान नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की जरूरत है। जबकि क्लाइमेट ट्रांसपेरेंसी की रिपोर्ट की मानें तो 2030 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी करीब करीब दोगुने की बढ़ोतरी होने की आशंका है। फिर जलवायु परिवर्तन से वेलकम ट्रस्ट और क्लाइमेट ओपिनियन रिसर्च के अध्ययन द्वारा सेहत पर होने वाले भयावह खतरे की चेतावनी ने चिंता को और बढ़ा दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चिंता नहीं रह गया है, बल्कि यह अब लोगों के शरीर, उनकी सांस, उनके बच्चों की सेहत की चिंताओं तक पहुंच गया है। इसलिए जीवन शैली में बदलाव समय की महती आवश्यकता है, तभी हम जलवायु परिवर्तन के दानव से कुछ हद तक मुकाबला कर पाने में कामयाब हो सकते हैं।

(लेखक पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

डिजिटल दौर

अमरनाथ सक्सेना

युवाओं के सामने उभरती चुनौतियां

भारत की 26% आबादी ऐसे लोगों की है जिनकी उम्र 15 से 29 साल के बीच है। भारत को इस बात पर गर्व है कि उसके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है। ये युवा डिजिटल तौर-तरीकों को अच्छी तरह से समझते हैं, वे महत्वाकांक्षी हैं और कुछ नया प्रयोग करने से लेकर नए क्षेत्रों में कदम रखने से वे हिचकिचाते नहीं हैं। वे हमारे देश को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि इन उम्मीदों के साथ उन्हें कुछ नए तरह के जोखिमों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिसका सामना पिछली पीढ़ी ने कभी नहीं किया था। साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधी ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट को हैक कर सकते हैं, और जो शॉपिंग वेबसाइटें बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद दिखाई देती हैं, वहां भी लोग ठगी का शिकार बन सकते हैं। इससे आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है और यह एक गंभीर समस्या का रूप भी धारण कर सकती है। गौरतलब है कि जहां टेक्नोलॉजी ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाया है, वहीं इसकी वजह से वे गंभीर जोखिमों के प्रति असुरक्षित भी बन गए हैं। साइबर धोखाधड़ी जैसे कि पहचान चुराना, फिशिंग अटैक और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। युवा लोग जो अक्सर ऑनलाइन लेन-देन करते हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए निवेश करते हैं और कई पेमेंट एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते हैं, यहां वे अक्सर साइबर अपराधों की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार वर्ष 2021 से जून 2025 तक के बीच 65.9 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। कई युवा नौकरीपेशा लोग इस बात से अनजान होते हैं कि भारत में अब लोगों के लिए खास साइबर इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। ये पॉलिसियां अनधिकृत डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पहचान चुराना, ऑनलाइन वसूली और साइबर खतरों से प्रभावित हुए डिजिटल उपकरणों को ठीक करने में होने वाले खर्चों के लिए आर्थिक मदद पेश करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल जीवनशैली हमारी जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, वैसे-वैसे युवा पीढ़ी के लिए साइबर इंश्योरेंस भी हेल्थ इंश्योरेंस जितना ज़रूरी बनते जा रहा है। साइबर अपराधी युवाओं को कई तरह से ठगी का शिकार बना सकते हैं, इसलिए साइबर खतरों से बचने के लिए आपके पास साइबर इंश्योरेंस का होना बेहद ज़रूरी है। आज के भारतीय युवा जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां। हाल के अध्ययन पुष्टि करते हैं कि भारतीय युवाओं में डायबिटीज़, कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जबकि पहले ये बीमारियां अधेड़ उम्र के लोगों को होती थीं। हाल की रिपोर्टों के अनुसार लगभग 18–40 साल की उम्र के 18% लोग डायबिटीज़ से जूझ रहे हैं, जबकि 25% लोग प्री-डायबिटीक हैं। इससे यह बात पता लगती है कि पहले डायबिटीज़ को अधेड़ उम्र में होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब यह विचारधारा बदल रही है। अध्ययन दर्शाते हैं कि 40 साल से कम उम्र के लोगों में कार्डियक के मामले बढ़ रहे हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। इन बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, युवाओं के लिए बेहद ज़रूरी है कि वे अपने लिए एक ज़बरदस्त हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ज़रूर चुनें। और तो और युवाओं के लिए यह भी ज़रूरी है कि वे इसे कम से कम उम्र में लें, ताकि सेहतमंद रहते हुए वे पॉलिसी की प्रतीक्षा अवधि पूरी कर लें।

इससे यह बात भी पक्की हो जाएगी कि उन्हें फटाफट कवरेज मिलेगा और जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा ज़रूरत होगी, तब वे इसे अच्छी तरह से इस्तेमाल कर पाएंगे। संक्षेप में, इस डिजिटल दौर में भारत के युवा दर्शाते हैं कि वे इस देश की सबसे बड़ी ताकत तो हैं, लेकिन सबसे ज्यादा साइबर खतरों का सामना भी इसी वर्ग को करना पड़ता है। जहां स्मार्टफोन और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षा, करियर और दुनिया से संपर्क बनाने के लिए नए-नए अवसर पेश कर रहे हैं, वहीं इन्हीं के ज़रिए भारतीय युवा साइबर धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे गंभीर खतरों का सामना भी कर रहे हैं। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए पता लगता है कि इन युवाओं को साइबर इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस दोनों में निवेश करना चाहिए, ताकि वे न केवल डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें, बल्कि उनकी सेहत की भी सुरक्षा हो। इससे भारतीय युवा अचानक से आने वाले किसी भी साइबर खतरे से सुरक्षित रहने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाएं भी आसानी से पूरी कर पाएंगे।

(लेखक चीफ टेक्निकल ऑफिसर-बजाज जनरल इंश्योरेंस हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं

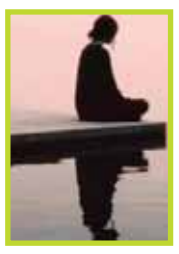

संकलित
दर्शन

आज के समय में लोग हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना चाहते हैं। सोशल मीडिया से लेकर निजी जीवन तक अपनी बात साबित करने की होड़ लगी रहती है। लेकिन कई बार ज्यादा बोलना रिश्तों में दूरी, मन में तनाव और निर्णयों में जल्दबाजी का कारण बन जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता हमें याद दिलाता है कि मौन अक्सर वह प्रकट कर देता है, जिसे शोर कभी नहीं कर सकता है। इसका मतलब हमेशा चुप रहना नहीं, बल्कि सही समय पर रखा गया मौन कई बार सबसे प्रभावशाली उत्तर बन जाता है। बहुत से लोग मानते हैं कि चुप रहना कमजोरी का संकेत है, लेकिन गीता का संदेश इससे बिल्कुल अलग है। जब व्यक्ति बिना क्रोध, अहंकार या आवेश के शांत रह पाता है, तो यह उसके आत्मसंयम को दर्शाता है। हर बात पर प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य रखना मानसिक परिपक्वता की निशानी है। ऐसा व्यक्ति परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ पाता है और जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से बच जाता है। मौन रखने वाला व्यक्ति भीतर से मजबूत होता है। जब मन क्रोध, चिंता या भ्रम से भरा होता है, तब सही और गलत का अंतर समझना कठिन हो जाता है। लेकिन कुछ पल का मौन मन को स्थिर कर देता है। शांत वातावरण में व्यक्ति अपने विचारों को स्पष्ट रूप से देख पाता है और बिना भावनाओं में बहकर निर्णय लेता है। यही कारण है कि जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों में धैर्य और शांति को हमेशा महत्व दिया गया है। शांत मन से लिया गया निर्णय लंबे समय तक सही साबित होता है।

एकाग्रता ही ज्ञान की असली कुंजी

संकलित
प्रेरणा

विद्यार्थी जीवन सिर्फ किताबें रटने या अच्छे अंक लाने का समय नहीं होता है। यह वह उम्र है जब सोच, आदतें, हिम्मत और व्यक्तित्व बनते हैं। आज के समय में मोबाइल, सोशल मीडिया और परीक्षा के दबाव के बीच कई स्टूडेंट्स ध्यान खो देते हैं और तनाव के शिकार हो जाते हैं। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को अपनी भीतरी ताकत पहचानने, मन को एक जगह टिकाने और मजबूत चरित्र बनाने की सीख दी थी। उनकी बातें आज भी हर विद्यार्थी के लिए सफलता का आसान रास्ता दिखाती हैं। स्वामी विवेकानंद मानते थे कि मन को एक जगह केंद्रित करना ही शिक्षा का सार है। वे कहते थे कि एकाग्रता की शक्ति ज्ञान के खजाने की चाबी है। आजकल पढ़ाई करते समय बार-बार फोन देखने या सोशल मीडिया घूमने से मन बिखर जाता है। अगर कुछ देर के लिए मोबाइल दूर रखकर सिर्फ एक काम पर पूरा ध्यान दिया जाए, तो आसानी विषय समझ में आता है और याद भी हो जाता है। रोज थोड़ा अभ्यास करने से मन मजबूत होता है। एकाग्रता बढ़ाने वाला विद्यार्थी किसी भी विषय को आसानी से सीख लेता है और सफलता उसके करीब आ जाती है। परीक्षा या भविष्य की चिंता अक्सर विद्यार्थियों का आत्मविश्वास घटा देती है। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा कहा कि खुद पर विश्वास सबसे जरूरी है। डर को छोड़कर आगे बढ़ने वाला व्यक्ति मुश्किलों में भी रास्ता ढूंढ लेता है। असफलता आ जाए, तो हार मानने के बजाय फिर से कोशिश करने का साहस रखना चाहिए। जो विद्यार्थी अपनी क्षमता पर भरोसा रखता है वह दबाव में भी शांत रहता है।

तिरंगा यात्रा

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की महिलाओं ने अपने मुख्यालय टोडापुर से 'तिरंगा यात्रा' निकाल

आज की पाती

साइबर क्राइम के बढ़ते कदम रोकने होंगे

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती। जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नहीं तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। यह एक चुनौती भी है। सभी को सचेत रहना होगा। *– अशोक शर्मा, भिवानी*

ट्रेंड

वाजपेयी को श्रद्धांजलि

अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूँ। अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर, उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मज़बूत बनाया।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सरकार का सामना

भारत के युवाओं ने जिस हिम्मत और मज़बूती के साथ मोदी जी की हिंसक सरकार का सामना किया है और जवाबदेही की मांग की है, वह तारीफ़ के काबिल है। उन्होंने शांति, प्यार और मज़ाक-मज़ाक में अपनी आवाज़ उठाई।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

दिव्यास्त्र एमके3

डीजी प्रोपल्शन के स्वदेशी जेट इंजन से चलने वाले 'दिव्यास्त्र एमके3' की सफल पहली उड़ान, 100% स्वदेशी जेट-पावर्ड 'लोइटरिंग म्यूनिशन' की दिशा में एक अहम कदम है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हमारे इनोवेटर्स और इंजीनियरों को बधाई।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

युवाओं की ऊर्जा

हमारी सरकार युवाओं की ऊर्जा को नई दिशा देने के लिए लगातार काम कर रही है और उन्हें कौशल, स्वरोज़गार और खेल-कूद से जोड़ रही है। इसी संकल्प के साथ, वर्ष 2027 को 'युवा वर्ष' घोषित किया है।

- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

करंट अफेयर

आर्कटिक रूट : चीन नई चाल से बदलने चला समुद्री कारोबार

पिछले कुछ सालों में लाल सागर, स्वेज नहर और दूसरे समुद्री रास्तों पर युद्ध और तनाव ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि अगर एक समुद्री रास्ता बंद हुआ तो हजारों जहाजों का रास्ता बदल सकता है। अब चीन ने दक्षिण के जोखिम भरे रास्ते की जगह 20 दिन में यूरोप पहुंचने वाला आर्कटिक समुद्री रास्ता इस्तेमाल करने का फैसला किया है। अभी चीन से यूरोप जाने वाले बड़े कंटेनर जहाजों को आमतौर पर दक्षिण की ओर जाना पड़ता है। हिंद महासागर, अरब सागर, लाल सागर और फिर स्वेज नहर के जरिए भूमध्य सागर पार करके यूरोप पहुंचा जाता है लेकिन उत्तरी जल मार्ग में रास्ता उल्टा है। जहाज चीन के उत्तरी हिस्से से निकलकर रूस के साइबेरियाई तट के ऊपर से आर्कटिक महासागर में जाते हैं और फिर यूरोप की तरफ नीचे आते हैं यानी दुनिया के नक्शे पर चीन से यूरोप जाने के लिए जो रास्ता नीचे की तरफ जाता है, उसकी जगह चीन अब ऊपर से जाने वाला रास्ता तलाश रहा है। चीन लंबे समय से इस बात को लेकर चिंतित रहा है कि उसके व्यापार और ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा कुछ समुद्री रास्तों पर निर्भर है। इसे चीन की मलक्का दुविधा से भी जोड़कर देखा जा सकता है। मलक्का एशिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है।

ऑफ बीट

तिरंगे के साथ 13 हजार फीट से छलांग, रचा इतिहास

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले तीन भारतीय उन 65 स्काईडाइवर्स में शामिल रहे, जिन्होंने लीबिया में 13,000 फीट की ऊंचाई से एक साथ छलांग लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। सभी स्काईडाइवर्स अपने-अपने देशों के राष्ट्रीय ध्वज लेकर विमान से कूदे थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 14 अगस्त को इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि की। रिपोर्ट के मुताबिक केरल के कन्नूर निवासी जमशीर थनालोट, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी अभिषेक रावत और बिहार के पटना की ईशा राज इस अभियान में शामिल तीन भारतीय थे। यह रिकॉर्ड सात अगस्त को बनाया गया। इस दौरान करीब 38 देशों के स्काईडाइवर्स ने सैन्य विमान इल्यूशिन इल-76टीडी से छलांग लगाई। 65 स्काईडाइवर्स का एक ही विमान से अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक साथ छलांग लगाना नया विश्व रिकॉर्ड है। भारतीय प्रतिभागियों ने छलांग के दौरान तिरंगा लहराया। यह प्रयास भारत के स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले किया गया, जिससे इसमें देशभक्ति का भाव भी जुड़ गया। तीनों भारतीय यूएई के स्काईडाइविंग समुदाय का हिस्सा हैं। वे पांच अगस्त को लीबिया पहुंचे थे और अंतिम प्रयास के लिए मंजूरी मिलने से पहले तीन अभ्यास छलांग लगाई थी।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

फिजी

फिजी से शुरू होकर अमेरिका तक 54 देशों से होकर गुजरी यात्रा

सूर्यपथ तिरंगा अभियान से दुनियाभर में लहराया भारत का राष्ट्रीय ध्वज, दिखी 'वसुधैव कुटुंबकम' की झलक

अमेरिका

- सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में शनिवार रात 8:30 बजे पूरा हुआ अभियान
- 80वें स्वतंत्रता दिवस पर सूर्यपथ तिरंगा ग्लोबल रिले का आयोजन हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तिरंगे ने दुनियाभर में पूरब से पश्चिम की ओर प्रतीकात्मक यात्रा की और फिजी से लेकर सैन फ्रांसिस्को तक दुनियाभर में मौजूद भारतीय मिशनों में इसे बारी-बारी से फहराया गया। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर 'सूर्यपथ तिरंगा' ग्लोबल रिले का आयोजन किया गया। इस पहल के जरिये प्रतीकात्मक रूप से अलग-अलग टाइम जोन में उगते सूरज की यात्रा को दर्शाते हुए महाद्वीपों तक भारत की आजादी, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को पहुंचाया गया। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि सूर्यपथ तिरंगा ग्लोबल रिले यात्रा पूरी हो गई है। यह यात्रा फिजी से शुरू होकर पश्चिम में अमेरिका तक 54 देशों और कई टाइम ज़ोन से गुजरी।

इस्लामाबाद

ये है पहला ग्लोबल रिले

सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा भारतीय समयानुसार रात लगभग 8:30 बजे तिरंगा फहराने के साथ यह अभियान समाप्त हुआ। हर घर तिरंगा 2026 के तहत पूरब से पश्चिम की ओर बढ़ते सूरज के साथ, अपनी तरह की इस पहली ग्लोबल रिले के जरिए भारतीय मिशनों ने वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ, हमारी साझा विरासत और हमारे अटूट राष्ट्रीय गौरव का सामूहिक जश्न मनाया। बीजिंग में, भारतीय समुदाय के सदस्यों की मौजूदगी में, बारिश के बावजूद राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने भारतीय दूतावास में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रपति के संबोधन के कुछ अंश पढ़कर सुनाए।

राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति का संबोधन पढ़कर सुनाया

टोक्यो में, भारतीय राजदूत नगमा मलिक ने दूतावास में तिरंगा फहराया और राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति का संबोधन पढ़कर सुनाया। भारत के संस्कृति मंत्रालय ने कहा था कि इस पहल का मकसद स्वतंत्रता दिवस समारोहों में भारतीय मिशनों और दुनियाभर में बसे भारतीय समुदाय की भागीदारी के साथ अलग-अलग टाइम ज़ोन में साझा, लगातार चलने वाले जश्न का अहसास पैदा करना है। यह पहल इस संदेश देती है कि तिरंगा भौगोलिक सीमाओं से परे है।

दुनियाभर में रह रहे भारतीय हुए प्रोत्साहित

यह पहल हर घर तिरंगा अभियान का हिस्सा है और भारतीयों और विदेश में रहने वाले भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस मनाते समय राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है। फिजी में भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे (वहां के समय के अनुसार सुबह आठ बजे) शुरू हुई तिरंगे की यह यात्रा भारतीय मिशनों के ज़रिए पश्चिम की ओर बढ़ी और न्यूज़ीलैंड, आस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, उज्बेकिस्तान, ओमान, यूएई, कतर, कुवैत और सऊदी अरब में भारतीय स्वतंत्रता का जश्न मनाया गया।

इस्लामाबाद में फहराया गया तिरंगा

इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग में भी आजादी का जश्न जोरों शोरों से मनाया गया। बापू की आदमकद मूर्ति पर चार्ज डी अफेयर्स (कार्यवाहक उच्चायुक्त) डॉ. सत्यांजल पांडे ने फूल समर्पित किए और प्रांगण में तिरंगा फहराया। एक्स पर तस्वीरों के साथ उच्चायोग ने बताया कि सत्यांजल पांडे ने भारत की माननीय राष्ट्रपति का राष्ट्र के नाम संबोधन पढ़ा. इस शुभ अवसर पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी बधाई दी।

खबर संक्षेप

सेना प्रमुख सेठ काठमांडू पहुंचे, मिलेगा मानद पद

काठमांडु। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ रविवार शाम नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे। वह आज सोमवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा आयोजित विशेष समारोह में नेपाली सेना के मानद जनरल की उपाधि प्राप्त करेंगे। यह दौरा नेपाली सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल के निमंत्रण पर हो रहा है। भारत और नेपाल के बीच 1950 से एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को मानद जनरल पद देने की ऐतिहासिक परंपरा चली आ रही है। इससे पहले दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जनरल सिग्देल को भारतीय सेना का मानद पद दिया था।

अब पाक को नतीजे भुगतने होंगे: तालिबान

काबुल। अफगानिस्तान के तालिबान शासन के रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी है। सीमा पर जारी गंभीर तनाव के बीच मुजाहिद ने कहा कि यदि इस्लामाबाद ने अफगानिस्तान की संप्रभुता या क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ कोई भी सैन्य कदम उठाया, तो उसे इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। उन्होंने पाकिस्तान को रेड लाइन की चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि अब बहुत हो चुका। तालिबान किसी भी हमले का जवाब जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सोच-समझकर और पूरे दृढ़ संकल्प के साथ देगा।

देश में लड़ाकू-जेट क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम

सहमति: फाइटर जेट इंजन बनाने के लिए रिलायंस और रोल्स-रॉयस करेंगे साझेदारी

भारत में 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाए जाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रोल्स-रॉयस साथ मिलकर भारत में अत्याधुनिक मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) का इंजन तैयार करेंगे। दोनों कंपनियों ने इसके लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की।

यह भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनी और ब्रिटेन की प्रसिद्ध विमान इंजन निर्माता द्वारा देश में स्वदेशी लड़ाकू-जेट प्रणोदन क्षमता विकसित करने का प्रयास है। इस साझेदारी के तहत इंजन के डिजाइन, विकास, निर्माण और आपूर्ति में साथ काम करने का रणनीतिक इरादा जताया गया है।

दोनों कंपनियां देश में एक समर्पित एयरोस्पेस गैस टरबाइन परिसर बनाने की संभावना भी तलाशेंगी। इसे पावर और प्रोपल्शन प्रौद्योगिकी के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। प्रस्तावित साझेदारी में रोल्स-रॉयस की विमान इंजन तकनीक और विशेषज्ञता को रिलायंस की तकनीक, विनिर्माण और बड़े पैमाने पर उत्पादन तथा परियोजना को पूरा करने की क्षमता के साथ जोड़ा जाएगा।

हिंदुस्तान की रक्षा क्षेत्र में बढ़ेगी आत्मनिर्भरता

एआई इमेज

इंजन विकसित करने की क्षमता

दोनों कंपनियों का लक्ष्य भारत में ही एएमसीए के लिए इंजन विकसित करने की क्षमता तैयार करना है। यह पहल भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की कोशिश का हिस्सा है। एएमसीए भारत का स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान कार्यक्रम है। इसके लिए देश में ही इंजन विकसित करना लंबे समय से रक्षा क्षेत्र का लक्ष्य रहा है। इसे वायु सेना की ताकत के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दोनों कंपनियों ने साझेदारी का किया ऐलान

रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने कहा कि भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण तकनीकों में देश की अपनी क्षमता होना जरूरी है। उनके अनुसार, यह साझेदारी भारत में एयरो-इंजन का मजबूत आधार तैयार करने के लिए रोल्स-रॉयस की विशेषज्ञता को रिलायंस की तकनीक, विनिर्माण, बड़े पैमाने और परियोजना को अमल में लाने की क्षमता से जोड़ेगी। वहीं, रोल्स-रॉयस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तुफान एरगिनबिलगिक ने इसे भारत में मजबूत और आत्मनिर्भर एयरोस्पेस क्षेत्र तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एएमसीए के उत्पादन मॉडल को पिछले साल मई में मंजूरी मिली थी, जिस पर काम किया जा रहा है। एएमसीए को भारतीय वायुसेना और नौसेना में तैनात किए जाने की योजना है। यह 2035 तक उपलब्ध हो सकेगा।

अमेरिका से निर्भरता कम करने की रणनीति

अमेरिकी मीडिया आउटलेट ब्लूमबर्ग ने पिछले साल 25 मई को अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि भारत कम से कम तीन अन्य देशों के निर्माताओं के साथ लड़ाकू विमानों के इंजन संयुक्त रूप से बनाने को लेकर बातचीत कर रहा है। ब्लूमबर्ग ने लिखा था, क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अपनी क्षमताओं की कमियों को दूर करने के लिए भारत अमेरिका से आगे भी अपने रक्षा साझेदारियों का विस्तार कर रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस और जापान के इंजनों पर विचार किया जा रहा है और भारत इस परियोजना को जल्द शुरू करना चाहता है। इन प्रस्तावों का मूल्यांकन डीआरडीओ करेगा। अमेरिका के साथ जेट इंजन का संयुक्त निर्माण दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। हालांकि, महत्वपूर्ण तकनीकों के लिए अमेरिका से आगे दूसरे देशों की ओर भारत का रुख अमेरिका के साथ संबंधों में तनाव का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। बल्कि यह भरोसेमंद सप्लाई चेन सुनिश्चित करने पर भारत के जोर को दर्शाता है।

आगे की भी बड़ी योजना

दोनों कंपनियों ने साफ किया है कि यह साझेदरी सिर्फ सेना के लड़ाकू विमानों तक सीमित नहीं रहेगी। आने वाले समय में इसके जरिए आम यात्री विमान प्लेन और नई विद्युत प्रणाली बनाने के क्षेत्र में भी मिलकर काम किया जाएगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि भविष्य में भारत के घरेलू यात्री विमानों को भी देश में बने 'मेड इन इंडिया' इंजनों का विकल्प मिल सकेगा।

तीनों सेनाओं की ताकत बढ़ा रहे स्वदेशी हथियार

भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत भारतीय सेना के तीनों अंगों के लिए अत्याधुनिक स्वदेशी हथियारों का निर्माण देश में ही किया जा रहा है। स्थल सेना की कमान मजबूत करने के लिए अर्जुन एमके-1ए टैंक, अटाग्स 155 एमएम तोप, के-9 वज्र, पिनाका रॉकेट सिस्टम और एके-203 असॉल्ट राइफल का निर्माण हो रहा है। वायुसेना के लिए तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान, प्रचंड हल्का हमलावर हेलीकॉप्टर, अस्त्र बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल, आकाश-एनजी वायु रक्षा प्रणाली और दिव्यास्त्र एमके-3 लोइटरिंग म्यूनिशन तैयार किए जा रहे हैं। नौसेना की शक्ति बढ़ाने के लिए आईएनएस विक्रांत विमानवाहक पोत, अरिहंत श्रेणी की परमाणु पनडुब्बियां, विशाखापटनम क्लास विध्वंसक पोत, ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल और वरुणास्त्र टॉरपीडो का निर्माण भारत में सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

हसीना की पीसी से प्रभावित हुई वार्ता

बांग्लादेशी पीएम ने भारत यात्रा से पहले रखी शर्त, कहा-शेख हसीना का प्रत्यर्पण करे भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान की संभावित भारत यात्रा को एक बार फिर शेख हसीना और अन्य फरार अपराधियों के प्रत्यर्पण से जोड़ दिया है। इससे लगता है कि अगले महीने ब्रिक्स सम्मेलन से पहले पीएम रहमान की भारत यात्रा अब शायद ही संभव हो पाएगी।

बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि दोनों देशों के अधिकारी कई हफ्तों से पीएम रहमान की द्विपक्षीय यात्रा की संभावना पर बातचीत कर रहे थे, लेकिन 5 अगस्त को शेख हसीना की खुली प्रेस कांफ्रेंस ने इस प्रक्रिया को बिगाड़ दिया। प्रवक्ता ने कहा, हमने इस मुद्दे पर अपना रुख साफ कर दिया है। यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनाने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से हमने भारतीय अधिकारियों से शेख हसीना और अन्य फरार अपराधियों के प्रत्यर्पण तथा हादी की हत्या के आरोपी हत्यारों को सौंपने का अनुरोध किया है।

हसीना ने पीएम रहमान पर लगाए थे आरोप

इसी बीच 5 अगस्त 2026 को उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि वे दिसंबर 2026 में ढाका लौटेंगी व बांग्लादेश में लोकतंत्र की रक्षा करेंगी। पूर्व पीएम हसीना ने रहमान सरकार व इसके पहले की अस्थाई प्रोफेसर मोहम्मद युनूस की सरकार पर कई आरोप लगाए थे। बांग्लादेश अब कह रहा है कि शेख हसीना के बयानों से यात्रा की प्रक्रिया को प्रभावित किया है। दरअसल, पीएम तारिक रहमान पहले ही चीन की यात्रा कर चुके हैं और वहां कई समझौते भी किए हैं। इनमें से कई समझौते ऐसे हैं जिसको लेकर भारत बहुत खुश नहीं है।

जवाब के इंतजार में बांग्लादेश

बांग्लादेश ने कहा हम जवाब का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि रहमान सरकार 'बांग्लादेश फर्स्ट' नीति के तहत संप्रभुता, समानता, राष्ट्रीय गरिमा, एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और आपसी लाभ के आधार पर पड़ोसी देशों सहित अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध आगे बढ़ाएगा। गौरतलब है कि भारत ने पीएम तारिक रहमान को ब्रिक्स सम्मेलन में अतिरिक्त सहयोगी देश के प्रमुख के रूप में निमंत्रण दिया था। लेकिन ढाका में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश सरकार की तरफ से बताया कि किसी सम्मेलन में शामिल होने के बजाय पीएम रहमान अलग से द्विपक्षीय यात्रा करना चाहेंगे। समस्या यह है कि उनकी सरकार इस यात्रा को शेख हसीना के प्रत्यर्पण से जोड़ रही है।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता का आया भूकंप

51 की मौत, 5 हजार लोग बेघर 341 बार लगे भूकंप के झटके

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में शनिवार को आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है।

इस आपदा में कम से कम 51 लोगों की जान चली गई, जबकि 113 लोग घायल हुए हैं। मुख्य झटके के बाद 341 से अधिक आफ़्टरशॉक्स दर्ज किए गए। सड़कें टूटने और भूस्खलन के कारण राहत कार्यों में रुकावट आ रही है। आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनबीपी) के अनुसार, 5,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

1,300 से अधिक घर हुए क्षतिग्रस्त

1,300 से अधिक घर क्षतिग्रस्त होने के कारण सिक्का क्षेत्र में 3,300 लोगों ने खेल परिसर और तिरपाल के अस्थायी टेंटों में शरण ली है। मौमेरे में अस्पताल की इमारत को खतरा देखते हुए बाहर टेंट लगाकर घायलों का इलाज चल रहा है। 2022 के पश्चिम जावा भूकंप के बाद यह देश की सबसे घातक प्राकृतिक आपदा है। मलबे में दबे लोगों की तलाश और राहत कार्य के लिए 3,500 से अधिक सेना व पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। बिजली सप्लाई ठप होने से 20 पेट्रोल पंप बंद पड़े हैं। प्रांतीय सरकार तेजी से फंड और संसाधन जुटाने के लिए आपातकाल (इमरजेंसी) घोषित करने पर विचार कर रही है।

तिरंगे के रंग में रंगा बुर्ज खलीफा

दुबई। मशहूर बुर्ज खलीफा शुक्रवार रात को भारतीय राष्ट्रीय झंडे के रंगों में जगमगा उठा, जो भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न में शामिल हुआ और भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच करीबी रिश्तों का प्रतीक बना।दुबई में भारत के कॉन्सुलेट जनरल द्वारा शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो में दुनिया की सबसे ऊंची इमारत को केसरिया, सफेद और हरे रंग से रोशन दिखाया गया, जिसे देखने वालों ने खूब तालियां बजाईं।

ट्रंप को लगातार आईना दिखा रहा ईरान

ट्रंप बोले-होर्मुज अमेरिका का होगा, ईरान ने कहा-सोशल पोस्ट से कब्जा नहीं होता

एजेंसी ▶▶ तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद वे होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का'इलाका' विधिवत घोषित करेंगे। उन्होंने न्यूयॉर्क में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए ये बात कही। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान करीब छह महीने से चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए समझौते की कोशिश कर रहे हैं। उनके इस बयान के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज ईरान का था, है और रहेगा। इसे किसी ट्वीट या चुनावी भाषण के जरिए नहीं कब्जाया जा सकता। ईरान न तो धमकियों से डरता है और न ही किसी ताकत के आगे झुकता है।

युद्धपोत से समंदर में कूद रहे अमेरिका सैनिक

ईरान के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप के महंगे और लंबे युद्ध से अमेरिकी सैनिक इस हद तक परेशान हो चुके हैं कि वे खुद मौत के करीब जाने लगे हैं, उनमें सुसाइड करने की प्रवृति दिखाई देने लगी है। फाइटर जेट ले जाने में सक्षम अमेरिका के जंगी जहाज, यूएसएस अब्राहम लिंकन पर तैनात करीब 5,000 सैनिकों के परिवारों का कहना है कि 9 महीने से समुद्र में रहने, खराब सुविधाओं और बार-बार बढ़ाई जा रही तैनाती ने सैनिकों को मानसिक रूप से तोड़ दिया है।

खनौरी बॉर्डर सील, बातचीत जारी

किसानों का दिल्ली मार्च रोका नेताओं के घरों पर छापेमारी

एजेंसी ▶▶ खनौरी

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध और अन्य कृषि मुद्दों को लेकर दिल्ली कूच कर रहे किसानों का प्रयास हरियाणा पुलिस ने नाकाम कर दिया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के प्रतिनिधि जगजीत सिंह डल्लेवाल की अगुवाई में 51 किसानों का जत्था खनौरी के दाता सिंह वाला बॉर्डर की ओर रवाना हुआ था, लेकिन सीमा पर ही उन्हें रोक दिया गया। हरियाणा प्रशासन ने कंक्रीट के बैरिकेड्स, बड़े पत्थरों और लोहे की वेल्डिंग करके बॉर्डर को पूरी तरह सील कर दिया है। किसान नेताओं की पांच सदस्यीय टीम पुलिस अधिकारियों के साथ वार्ता कर रही है।

किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासन लोकतंत्रिक अधिकारों का हनन कर रहा है। ब्लॉक स्तर तक के नेताओं के घरों पर पुलिस की छापेमारी की गई है और कई किसान साथियों को नजरबंद किया गया है।

डीआरडीओ की यूएलपीजीएम-वी 3 मिसाइल ने भी साधा अचूक निशाना

आसमान में भारत का दिव्यास्त्र: 100 प्रतिशत स्वदेशी जेट लोइटरिंग म्यूनिशन ने भरी उड़ान

पहली सफल उड़ान से डिफेंस सेक्टर में रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ी छलांग लगाई है। देश के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और आत्मनिर्भर भारत अभियान को उस वक्त अभूतपूर्व मजबूती मिली, जब 11 अगस्त 2026 को कवा यूएवी प्राइवेट लिमिटेड ने 100% स्वदेशी तकनीक से निर्मित अगली पीढ़ी के जेट-संचालित लोइटरिंग म्यूनिशन दिव्यास्त्र एमे 3 की पहली सफल उड़ान पूरी की। इसके साथ ही रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में यूएलपीजीएम-वी3 मिसाइल का सफल परीक्षण कर देश की सैन्य क्षमता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

महज एक साल में तैयार दिव्यास्त्र एमके3

सार्वजनिक और निजी रक्षा क्षेत्र की अभूतपूर्व मिसाल

यूएलपीजीएम-वी3 मिसाइल प्रणाली का विकास सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के मजबूत तालमेल को दर्शाता है। डीआरडीओ ने इसके निर्माण हेतु भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) तथा अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ साझेदारी की है, जबकि परीक्षण के दौरान इसे बेंगलुरु की न्यूस्पेस रिसर्च द्वारा विकसित यूएवी पर एकीकृत किया गया था। इन अत्याधुनिक स्वदेशी प्रणालियों के सफल आगमन से पड़ोसी देशों चीन और पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ना तय है।

एक वर्ष में विकसित स्वदेशी जेट हथियार

कवा यूएवी (हॉवरइट) द्वारा निर्मित दिव्यास्त्र एमके 3 भारत का पहला ऐसा स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन (आत्मघाती ड्रोन) है, जो जेट इंजन से संचालित होता है। इस परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसकी संकल्पना से लेकर पहली सफल उड़ान तक का पूरा सफर महज एक कैलेंडर वर्ष में पूरा किया गया। इसमें किसी भी विदेशी घटक या आयातित क्रिटिकल सबसिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसे ताकत देने वाला जेट इंजन भी पूर्णतः स्वदेशी रूप से डीजी प्रोपल्शन द्वारा विकसित किया गया है। कंपनी के सह-संस्थापकों के अनुसार, यह केवल एक टेस्ट फ्लाइट नहीं बल्कि भारत के इरादों की वैश्विक घोषणा है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह अपनी सीमाओं के भीतर ही अत्यधिक जटिल, तेज और समझदार जेट-संचालित प्रेसिजन स्ट्राइक सिस्टम की इंजीनियरिंग और निर्माण रिकॉर्ड समय में कर सकता है।

यूएलपीजीएम-वी3 मिसाइल के फाइनल ट्रायल्स सफल: इसी कड़ी में डीआरडीओ ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित टेस्ट रेंज में अनमैन्ड एरियल व्हीकल लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल (यूएलपीजीएम-वी3) के फाइनल डिलीवरेबल कॉन्फ़िगरेशन डेवलपमेंट ट्रायल्स सफलतापूर्वक संपन्न किए। इस दौरान मिसाइल का मूल्यांकन एयर-टू-ग्राउंड (हवा से सतह) और एयर-टू-एयर (हवा से हवा) दोनों मोड में किया गया।

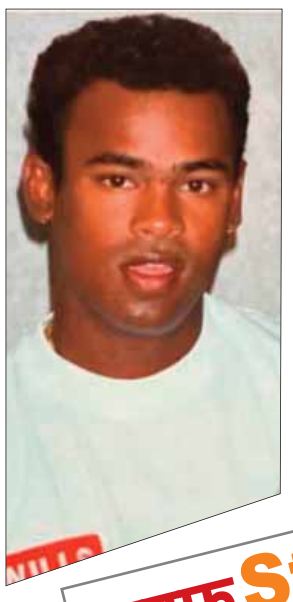

कांबली की जिंदगी पर बनेगी वेब सीरीज सात साल से लिखी जा रही स्क्रिप्ट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली के फैंस के लिए खुशखबरी है। खबर है कि उनकी जिंदगी पर वेब सीरीज बन रही है। निर्देशक अभिजीत देशपांडे यह सीरीज बना रहे हैं। सीरीज का नाम 'कांबली' है। यह जी5 पर रिलीज हो सकती है। सीरीज के निर्माता रवि भागचंदका हैं। अभिजीत देशपांडे ने बताया 'कांबली' की कहानी लिखने का काम 2019 में शुरू किया था। उनके मुताबिक, शुरुआत में कांबली की जिंदगी पर मराठी फीचर फिल्म बनाने का विचार था। फिर जब उन्होंने कांबली की जिंदगी को समझा तो पाया कि यह कहानी एक फिल्म के लिए बड़ी है। निर्देशक के मुताबिक कांबली की जिंदगी एक फिल्म में नहीं सिमटेगी।

लाइफ Style

सोनम

पंजाबी फिल्मों से शुरू हुआ फिल्मी सफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोनम बाजवा आज पंजाबी और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-पहचानी अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपनी खूबसूरती, शानदार अभिनय और बेहतरीन डांस मूव्स के दम पर उन्होंने लाखों फैंस के बीच खास पहचान बनाई है। हालांकि, फिल्मी दुनिया तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा।

अभिनय में कदम रखने से पहले सोनम एयर होस्टेस के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। सोनम प्रीत कौर बाजवा का जन्म 16 अगस्त 1989 को उत्तराखंड के रुद्रपुर में हुआ था। उन्होंने शुरुआती पढ़ाई जेसी पब्लिक स्कूल से की और इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन पूरा किया। सोनम को बचपन से ही एक्टिंग और ग्लैमर की दुनिया में दिलचस्पी थी। इसी सपने को पूरा करने के लिए वह मुंबई पहुंचीं और साल 2012 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने कुछ समय तक एयर होस्टेस के रूप में काम किया। हालांकि, जल्द ही उन्होंने यह नौकरी छोड़कर मॉडलिंग और फिल्मों की ओर रुख कर लिया। सोनम बाजवा ने साल 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने पंजाब 1984, सरदार जी 2, निक्का जैलदार, मंजे बिस्तरे, गुड्डियां पटोले और 'कैरी ऑन जट्टा' जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी मजबूत जगह बनाई। पंजाब 1984 जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने पसंद किया।

हॉलीवुड मसाला

डॉक्टर डूम से टकराएंगे एवेंजर्स

नई दिल्ली। मार्वल स्टूडियोज ने एवेंजर्स का दूसरा ट्रेलर रिलीज कर दिया है। दो मिनट की इस क्लिप को डूम्सडे के मुख्य कलाकार रॉबर्ट डाउनी जूनियर, क्रिस इवांस (कैप्टन अमेरिका) और हेले एटवेल (पेगी कार्टर) ने पेश किया है। इसमें वेनेसा किर्बी का किरदार सू स्टॉर्म, पृथ्वी के सबसे ताकतवर सुपरहीरो को लैटवेरियन विलेन से होने वाले खतरे के बारे में चेतावनी देती हुई दिखती हैं, और साथ ही बीच-बीच में डूम की कॉस्ट्यूम पर भी फोकस किया गया है।

सीरीज विजन क्वेस्ट का मेकर्स ने जारी किया ट्रेलर

लॉस एंजिल्स। सीरीज 'विजन क्वेस्टका ट्रेलर मेकर्स ने जारी कर दिया गया है। इस सीरीज में पॉल बेटनी की विजन के रूप में फिर से वापसी हो रही है। इस बार विजन अपनी यादों और असलियत के बीच सफर करता नजर आने वाला है। विजन क्वेस्ट अपनी पॉपुलर सीरीज वांडा विजन के आगे की कहानी दिखाएगा। इस सीरीज में विजन वांडा में हुई घटनाओं के असर और उस से उबरने की कोशिश करेगा। ट्रेलर के अनुसार विजन एक साधारण जिंदगी जीने लगता है। मगर फिर उसके मन में कई सवाल बाकी हैं। इसके बाद वह अपनी काल्पनिक दुनिया में अपने बेटे की खोज में निकलेगा। इस दुनिया में उसका सामना कई अच्छे बुरे लोगों से होगा। सीरीज 'विजनक्वेस्ट' में पॉल बेटनी और जेम्स स्पेडर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

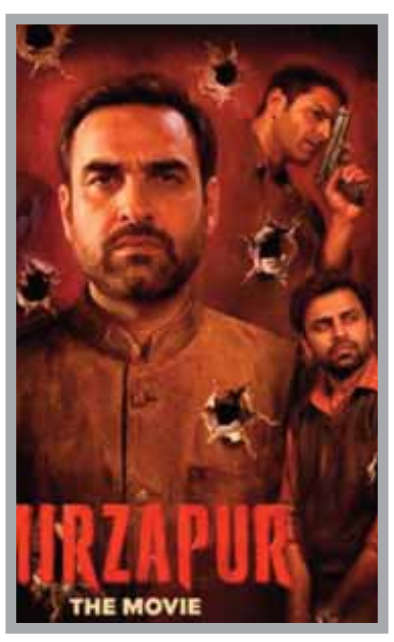

मिर्जापुर-द मूवी के गाने का पोस्टर रिलीज

मुंबई। रविवार को मिर्जापुरः द मूवी के मेकर्स ने इसके पहले गाने वारुं फॉरएवर का पोस्टर रिलीज किया है। यह गाना 2020 में रिलीज हुई मिर्जापुर सीरीज का अहम हिस्सा था। अब फैंस के लिए बड़े पर्दे पर मिर्जापुर को फिल्म के रूप में देखना एक खास अनुभव हो सकता है। मिर्जापुरः द मूवी के गाने वारुं फॉरएवर को सिंगर रोमी और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है। इस वर्जन को भी आनंद भास्कर ने कंपोज किया है। वहीं, गिन्नी दीवान ने इस वर्जन के लिरिक्स लिखे हैं। मिर्जापुर सीरीज का यह पुराना गाना नए म्यूजिकल अंदाज में पेश किया जाएगा। गाना 18 अगस्त को रिलीज होगा। यह गाना 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी के सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले गानों में से एक है। साल 2020 में रिलीज हुआ यह सोलफुल ट्रैक सीरीज से पॉपुलर हुआ था।

रणवीर ने शुरू की प्रलय की शूटिंग

मुंबई। फरहान अख्तर की 'डॉन 3' पर हुए तमाम विवादों को पीछे छोड़ते हुए रणवीर सिंह ने रविवार से अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ ही रणवीर इस फिल्म से बतौर निर्माता भी जुड़े हैं। धुरंधर और धुरंधर 2 की सफलता के बाद रणवीर सिंह का यह पहला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। प्रलय को रणवीर के कॅरियर का सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। इसे लाइव लोकेशन पर भी शूट किया जाएगा। रणवीर इस फिल्म में अभिनय करने के साथ ही इसका निर्माण भी कर रहे हैं। यह एक धमाकेदार एक्शन फिल्म होगी। रणबीर के लिए यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है।

टीवी मसाला

कौन बनेगा करोड़पति में पहुंचे दुनिया के सबसे छोटे डॉक्टर

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति का सीजन 18 हाल ही में शुरू हुआ है। इस शो के लेटेस्ट एपिसोड में दुनिया के सबसे छोटे डॉक्टर गणेश बरैया पहुंचे। उन्होंने अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठकर अपनी इमोशनल कर देने वाली कहानी सुनाई। अमिताभ बच्चन ने डॉक्टर की तारीफ भी की। गणेश बरैया ने अपनी पर्सनालिटी से अमिताभ बच्चन के शो पर लोगों का दिल जीता। गणेश बरैया गुजरात के गोरखी गांव से आते हैं। उनकी हाइट 3 फीट चार इंच है। द बेटर इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, गणेश को बौनेपन की समस्या थी और उन्हें चलने-फिरने से जुड़ी समस्या भी है, जिससे उनके शरीर का 72% हिस्सा प्रभावित है। इन सब चुनौतियों के बाद भी डॉक्टर गणेश ने 12वीं क्लास में 87 पर्सेंट प्राप्त किए थे। वहीं, नीट एग्जाम में गणेश की ऑल इंडिया रैंक 233 थी। हालांकि, शुरुआत में शारीरिक सीमाओं के चलते उन्हें एमबीबीएस कोर्स में दाखिला नहीं दिया गया था। इसके बाद गणेश ने कोर्ट में उन्हें एडमीशन नहीं मिल पाने के खिलाफ केस लड़ा। इस लड़ाई में गणेश के प्रधानाचार्य उनके साथ खड़े रहे। उन्हें कोर्ट में जीत हासिल हुई। इसके बाद ही गणेश अपना डॉक्टर बनने का सपना पूरा कर सके। आज गणेश भावनगर में एक अस्पताल के पीडियाट्रिक्स विभाग में काम करते हैं और उन्हें 'दुनिया के सबसे छोटे डॉक्टर' के तौर पर जाना जाता है। केबीसी 18 में गणेश ने अपने जीवन की एक इमोशनल कर देने वाली घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब वो प्राइमरी स्कूल में थे, तो सर्कस के कुछ लोग उनके घर में आए थे। उन लोगों ने गणेश के पिता को गणेश को अपने साथ ले जाने के लिए पांच लाख रुपयों का ऑफर दिया था।

खुद को सुंदर नहीं मानतीं फराह की बेटियां

नई दिल्ली। कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान हाल ही में आकांक्षा चौधरी के व्लॉग पर पहुंचीं। यहां हुई बातचीत में फराह ने अपनी बेटियों अन्या और दीवा को लेकर एक किस्सा साझा किया। फराह ने बताया कि उनकी बेटियां खुद को खूबसूरत नहीं मानतीं। इसी दौरान आकांक्षा ने भी अपने संघर्षों पर बात की। इस बातचीत को फराह ने अपने व्लॉग में शेयर किया। इसमें वह अपनी बेटियों अन्या और दिवा की असुरक्षा पर बात कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटियां सबसे खूबसूरती की तारीफ पाने के बाद भी कभी-कभी खुद को खूबसूरत नहीं मानतीं। इन सब चीजों से उनके बच्चों के मन में एक असुरक्षा की भावना पैदा होती है। वहीं, इस दौरान आकांक्षा चौधरी ने भी अपने संघर्षों पर बात की। उन्होंने कहा कि फराह की बेटियों की तरह वह भी एक समय असुरक्षा की शिकार थी।

सिनेमा की दुनिया में 51 साल पूरे होने का मनाया जश्न

नई दिल्ली। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक रजनीकांत का सिक्का चलता है। पांच दशकों से वे दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। बीते दिन यानी 15 अगस्त को सुपरस्टार के सिनेमाई सफर को 51 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'धर्मन' के सेट पर जश्न मनाया। सुपरस्टार रजनीकांत की पहली या डेब्यू फिल्म अपूर्व रागंगल 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। इस तमिल फिल्म का निर्देशन के. बालाचंदर ने किया था। फिल्म में कमल हासन मुख्य भूमिका में थे। रजनीकांत ने इस फिल्म में एक छोटा सा नेगेटिव रोल निभाया था। फिल्म की रिलीज को 51 साल पूरे हो चुके हैं और इसी के साथ रजनीकांत को भी मनोरंजन जगत में 51 साल हो गए। सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धर्मन' को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिन सिनेमा जगत में 51 साल पूरे होने का जश्न भी उन्होंने इसी फिल्म के सेट पर मनाते हुए केक काटा। 'धर्मन' के डायरेक्टर अश्वथ मारिमुथु और फिल्म की कास्ट और क्रू की मौजूदगी में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सेलिब्रेशन का एक वीडियो भी सामने आया है। 'धर्मन' का जब से एलान हुआ है, तब से इसकी टैगलाइन 'द डेडली डॉक्टर' ने लोगों का ध्यान खींचा है, जिससे इसकी कहानी को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं। रजनीकांत की फिल्म'धर्मन' का निर्माण कमल हासन और आर. महेंद्रन कर रहे हैं। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर के पास है। यह फिल्म रजनीकांत का 173वां प्रोजेक्ट है। इस फिल्म में सिमरन और राशी खन्ना भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिलहाल फिल्म का प्रोडक्शन चल रहा है।

मोहब्बत का पैगाम है लता का ये सदाबहार गीत, खत से बना था आइकॉनिक गाना

नई दिल्ली। आज सोशल मीडिया का जमाना है। लोग एक मैसेज करके अपने प्यार का इजहार कर देते हैं लेकिन वो भी क्या दिन थे, जब खतों के जरिए हाल-ए-दिल बयां किया जाता था। पहले लोग फूल और खत से अपने प्यार का इकरार करते थे। इस पर एक गाना भी बना है जिसे लता मंगेशकर और मुकेश ने गाया था। 58 साल पहले बना ये गीत आज भी लोग अपनी महबूबा या फिर महबूब से प्यार का इजहार करने के लिए डेडीकेट करते हैं। इस गीत का हर बोल दिल छू लेता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह गीत वास्तव में एक खत से बना था।

म्यूजिक डायरेक्टर को फैन ने भेजा था खत : दरअसल, म्यूजिक डायरेक्टर को एक बार एक फैन ने खत भेजा था। उस खत के अंदर एक फूल था और लिपस्टिक का निशान था। यह देखकर म्यूजिक डायरेक्टर हैरान भी हो गए और फिर उन्होंने मजाक में इसे गीतकार को दिखा दी। खत और फूल देखकर तुरंत गीतकार को आइडिया आया और उन्होंने तुरंत मोहब्बत के इस पैगाम पर एक गाना लिख दिया।

लता-मुकेश की मधुर आवाज में बना अमर : जिस गीत की हम बात कर रहे हैं, वो है 'फूल तुम्हें भेजा है खत में' । इस गीत को बनाने के पीछे गीतकार इंदीवर का हाथ था। उन्होंने ही म्यूजिक डायरेक्टर कल्यान आनंदजी को मिले खत से गाने का मुखड़ा लिख दिया था। उस एक खत ने म्यूजिक इंडस्ट्री के इतिहास का सबसे आइकॉनिक रोमांटिक गाना दिया था। यह गाना लता मंगेशकर और मुकेश की सुपरहिट जोड़ी ने गाया था।

फिल्म से ज्यादा गाने को मिली थी सराहना

लता और मुकेश का गीत 'फूल तुम्हें भेजा है खत में' 1968 में आए फिल्म सरस्वतीचंद्र का है। यह फिल्म उस साल की सबसे सफल और कल्ट फिल्म थी। इस फिल्म के गानों को खूब सराहना मिली थी। 'फूल तुम्हें भेजा है' सबसे ज्यादा पसंद किया गया था। इस गीत को नूतन और मनीष पर फिल्माया गया था। आज भी यह गाना बहुत पॉपुलर और आइकॉनिक बना हुआ है।

हमारे तिरंगे की शान यूं ही बनी रहे, हर दिल में उम्मीद और हर आंख में एक बेहतर कल का सपना रहे

रेखा व पंकज ने मेलबर्न में लहराया तिरंगा, परिणीति ने जवानों संग किया ध्वजारोहण

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जहां पूरा देश मिलकर आजादी का जश्न मना रहा है, वहीं हमारे सेलेब्स भी पीछे नहीं हैं। ज्यादातर ने तो सोशल मीडिया पर बधाई दी है। पंकज त्रिपाठी और रेखा ने मेलबर्न में भारत का तिरंगा लहराया और देश को गर्व महसूस करवाया। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, कंगना रनौत, अल्लू अर्जुन, अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, काजोल और अन्य कई बॉलीवुड और साउथ इंडियन सेलिब्रिटीज ने सोशल मीडिया पर अपने फैन्स को दिल से बधाई दी और देश की भावना का जश्न मनाया। अक्षय कुमार ने एक्स पर एक मैसेज शेयर करते हुए लिखा, 'हमारे तिरंगे की शान यूं ही बनी रहे, हर दिल में उम्मीद और हर आंख में एक बेहतर कल का सपना रहे। आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जय हिंद!' उन्होंने तिरंगे की शान बरकरार रहने, हर दिल में उम्मीद और बेहतर कल के सपनों की कामना की।

कंगना ने लहराया तिरंगा

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह भारतीय झंडे के साथ नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद ने पोस्ट में 'भारत हमको जान से प्यारा है' गाने का इस्तेमाल किया।

सुनील का दिल ऊंचा

सुनील शेट्टी ने भी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा, 'हर बार जब तिरंगा ऊपर जाता है, तो दिल किसी तरह थोड़ा ऊंचा हो जाता है। स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं... हमेशा गर्व महसूस होता है। हमेशा आभारी हूं। जय हिंद!'

परिणीति ने किया ध्वजारोहण

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने अपने घर पर ही सीआरपीएफ जवानों के साथ ध्वजारोहण किया। इसका वीडियो भी उन्होंने शेयर किया है।

काजोल ने दी बधाई

काजोल ने सशस्त्र बलों का आभार जताया और देश की रक्षा करने वाले जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, 'आज की दुनिया को देखते हुए, मेरे मन में उन लोगों के प्रति आभार है जिन्होंने हमारे लिए 'हैप्पी इंडिपेंडेंस डे' कहना मुमकिन बनाया है।' उन्होंने नौसेना, वायु सेना और थल सेना के जवानों को सलाम किया और अपना संदेश जय हिंद के साथ खत्म किया।

'जन गण मन' गाया

वहीं, रेखा ने मेलबर्न में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद उन्होंने और पंकज त्रिपाठी ने इस खास मौके पर राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न ने इंस्टाग्राम पर यह पल शेयर किया, जो भारत के राष्ट्रीय ध्वज और देश की भावना को सम्मान देने वाला था।

रेखा ने पंकज को सिखाई इंग्लिश

आईएफएफएम में शामिल होने से पहले, अनुभवी एक्ट्रेस और एक्टर ने एक मजेदार पल भी शेयर किया, जिसमें रेखा, पंकज त्रिपाठी के लिए इंग्लिश टीचर बनीं। आईएफएफएम के शेयर किए गए एक वीडियो में, रेखा ने पंकज से मेलबर्न के लोगों के लिए एक मैसेज देने के मकसद से उनके पीछे-पीछे एक इंग्लिश लाइन दोहराने को कहा। जब उन्होंने पंकज को सही किया और उनसे इंग्लिश में बोलने को कहा, तो पंकज ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'मैम, मैं हिंदी मीडियम का स्टूडेंट हूं, गलत बोल दूंगा।'

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न

इस फिल्म को 29वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में चार सम्मान मिले, जिनमें रेखा के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड भी शामिल है। इस अनुभवी एक्ट्रेस को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए फेस्टिवल में प्रतिष्ठित 'एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड' भी दिया जाएगा। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न का समापन 23 अगस्त को होगा।